MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । रविवार, 28 जून, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-176

दहला कराची!

पाक रेंजर्स हेडक्वार्टर पर अटैक

कराची, 27 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान के कराची में आत्मघाती हमले की खबर सामने आई है। जानकारी के मुताबिक गुलिस्तान-ए-जौहर इलाके के ब्लॉक-6 स्थित रेंजर्स हेडक्वार्टर (पाकिस्तान रेंजर्स का मुख्यालय) के पास जोरदार धमाकों के बाद काफी देर तक गोलीबारी हुई। इस हमले में 4 लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हैं। यह अभी स्पष्ट नहीं है कि जान गंवाने वाले आम नागरिक हैं या पाकिस्तान सिंध रेंजर्स के जवान।

पाकिस्तानी मीडिया ने 5 आतंकियों के भी मारे जाने की बात कही है। इनमें से तीन की मौत सुरक्षा बलों की जवाबी गोलीबारी में हुई, जबकि दो आत्मघाती विस्फोट में मारे गए। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कराची हमले की जिम्मेदारी जमात-उल-अहरार ने ली है। आतंकी संगठन ने दावा किया है कि इस हमले को अंजाम देने में उसके नौ लड़ाके शामिल थे।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक आत्मघाती हमलावर ने रेंजर्स कंपाउंड को निशाना बनाकर विस्फोट किया, जबकि उसके अन्य साथियों ने सुरक्षा बलों पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके बाद इलाके में भीषण मुठभेड़ छिड़ गई। पहला धमाका बेहद शक्तिशाली था, जिसके बाद दो छोटे विस्फोट भी हुए। बताया जा रहा है कि सुरक्षा बलों और हमलावरों के बीच करीब आधे घंटे तक गोलीबारी चलती रही। हमला गुलिस्तान-ए-जौहर इलाके की एक प्रमुख सड़क पर हुआ, जो कराची यूनिवर्सिटी और शहर में मौजूद अन्य कई विश्वविद्यालयों को जोड़ती है और पाकिस्तान मौसम विभाग की ओर जाती है।

पाकिस्तान रेंजर्स एक अर्धसैनिक बल है, जिसका काम मुख्य रूप से देश की सीमाओं की सुरक्षा, आंतरिक सुरक्षा और आतंकवाद विरोधी अभियानों को अंजाम देना है। इसके अलावा रेंजर्स दंगों और हिंसा पर नियंत्रण, संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था, बड़े आयोजनों और वीआईपी सुरक्षा में भी सहायता करते हैं।

यह बल पाकिस्तान के गृह मंत्रालय के अधीन काम करता है, लेकिन जरूरत पड़ने पर पाकिस्तानी सेना के साथ मिलकर भी ऑपरेशन करता है। पाकिस्तान रेंजर्स दो प्रमुख हिस्सों में बंटा है। 1- पंजाब रेंजर्स, जो पंजाब प्रांत और भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास पंजाब सेक्टर की निगरानी करता है। 2- सिंध रेंजर्स, जो सिंध प्रांत, खासकर कराची और आसपास के इलाकों में सुरक्षा और कानून-व्यवस्था संभालता है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में इलाके में भारी पुलिस बल की तैनाती दिखाई दे रही है, ▶8पर

जनरल सिर जंगी जुनून? सिंधु पानी पर विक्टिम कार्ड

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु जल संधि को लेकर बढ़ता तनाव अब सिर्फ जल विवाद तक सीमित नहीं दिखाई दे रहा है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री समेत कई बड़े नेताओं ने पिछले कुछ दिनों में वॉटर सिक्योरिटी को नेशनल सिक्योरिटी से जोड़ते हुए भारत के खिलाफ उकसावे वाली बयानबाजी की हैं। दूसरी तरफ पाकिस्तान लगातार अंतरराष्ट्रीय मंचों पर यह नैरेटिव बनाने की कोशिश कर रहा है कि भारत के फैसलों की वजह से उसे गंभीर जल संकट का सामना करना पड़ रहा है।

यही वजह है कि ताजा विवाद को सिर्फ पानी के बंटवारे के नजरिए से देखना नाकाफी होगा। इसके पीछे एक बड़ी कूटनीतिक साजिश, राजनीतिक और नैरेटिव वॉर भी दिखाई दे रहा है। सवाल है कि क्या सच में भारत ने पाकिस्तान का पानी रोक दिया है, या फिर पाकिस्तान इस मामले का ग्लोबल सपोर्ट हासिल करने और खुद को विक्टिम यानी पीड़ित के रूप में पेश करने के लिए इस्तेमाल कर रहा है?

कई बार जंग हथियार से नहीं, बल्कि दिमाग से लड़ी जाती है। टैंक, मिसाइल और लड़ाकू विमान बाद में आते हैं। पहले कहानी बनाई जाती है। पहले दुनिया को यह बताया जाता है कि कौन पीड़ित है और कौन हमलावर। इस समय भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु जल संधि को लेकर जो बहस चल रही है, उसमें भी कुछ ऐसा ही होता दिखाई दे रहा है। ▶8पर

अग्रसेन बैंक का स्पष्टीकरण

आरोप बेबुनियाद और दुर्भावनापूर्ण

हैदराबाद, 27 जून (शुभ लाभ ब्यूरो): अग्रसेन बैंक एक पेशेवर रूप से प्रबंधित संस्थान है, जिसका पिछले 28 वर्षों से अधिक समय से उत्कृष्ट और बेदाग ग्राहक सेवा का रिकॉर्ड रहा है। बैंक के अध्यक्ष (चेयरमैन) पर व्यक्तिगत रूप से लगाए गए आरोप, जिनमें उन पर पक्षपात करने और एक समूह को दूसरे समूह पर तरजीह देने का दावा किया गया है, पूरी तरह से निराधार, अनुचित और अत्यंत खेदजनक हैं। बैंक के दैनिक कामकाज या प्रबंधन में अध्यक्ष की कोई संलिप्तता नहीं होती है। सभी परिचालन संबंधी निर्णय बैंक के अधिकारियों द्वारा लागू कानूनों, नियामक आवश्यकताओं और स्थापित बैंकिंग प्रक्रियाओं के अनुसार स्वतंत्र रूप से लिए जाते हैं। अग्रसेन को-आपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड, सिद्दिअंबर बाजार, हैदराबाद द्वारा जारी एक विज्ञप्ति/बयान में बैंक के प्रबंधन को लेकर की गई टिप्पणियों को बेहद खेदजनक, अपमानजनक व संस्थान की प्रतिष्ठा को खराब करने का कुत्सित प्रयास बताते हुए उक्त स्पष्टीकरण दिया गया है।

विवाद के कारण बैंक ने खातों के संचालन पर लगाई थी रोक

बैंक ने पहली बार संबंधित खातों को तब फ्रीज (लेन-देन पर रोक) किया था, जब उन्हें समाज के तत्कालीन अधिकृत पदाधिकारियों से एक लिखित अनुरोध प्राप्त हुआ था, जिसमें कोषाध्यक्ष भी शामिल थे, जिनके हस्ताक्षर इन खातों को संचालित करने के लिए अनिवार्य थे।

प्रतिद्वंद्वी समूहों के बीच विवाद को देखते हुए, बैंक ने दोनों पक्षों को पदाधिकारियों और अग्रवाल समाज के उप-नियमों (बाय-लॉज) से संबंधित प्रस्तावित संशोधनों के पंजीकरण के लिए रजिस्ट्रार ऑफ सोसाइटीज से संपर्क करने की सलाह दी थी। यह सलाह इसलिए दी गई थी क्योंकि स्थापित प्रथा के अनुसार, निवर्तमान पदाधिकारी आमतौर पर एक वैध प्रस्ताव के अनुसरण में आने वाले नए पदाधिकारियों के हस्ताक्षरों को प्रमाणित करते हैं। चूंकि इस विवाद के कारण ऐसा सत्यापन उपलब्ध नहीं हो पा रहा था, इसलिए बैंक ने वैधानिक प्राधिकरण द्वारा बनाए रखे गए रिकॉर्ड पर भरोसा करना ही उचित समझा।

तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश करने और छवि धूमिल करने का प्रयास

इसके बाद, एक समूह ने रजिस्ट्रार के पास विधिवत पंजीकृत पदाधिकारियों की एक संशोधित सूची बैंक के समक्ष प्रस्तुत की। हालांकि, उप-नियमों में किए गए संशोधनों को पंजीकृत नहीं किया गया था, और संशोधित सूची में एक ऐसा आधिकारिक पद शामिल था जिसे मौजूदा उप-नियमों के तहत मान्यता प्राप्त नहीं थी। फिर भी, उस समय प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर, बैंक ने खातों में संचालन की अनुमति दे दी। उसी दिन, कॉर्पस (मुख्य निधि) के रूप में रखी गई सावधि जमा (टर्म डिपॉजिट) को ▶8पर

सिया ने उगल दिया राज़!

शादी टालने मर्डर

पुणे, 27 जून (एजेंसियां) पुणे मर्डर केस में बड़ा अपडेट सामने आया है। पुलिस जांच के दौरान सिया गोयल ने बताया कि वह केतन अग्रवाल से शादी नहीं करना चाहती थी। जांचकर्ताओं के मुताबिक, सिया का मानना था कि अगर केतन की हत्या हो जाती है, तो उसे शादी के बारे में सोचने से पहले कम से कम तीन साल और मिल जाएंगे। पुलिस को शक है कि चेतन चौधरी ने भी सिया से शादी करने से पहले दो-तीन साल का समय मांगा था।

जांच से पता चला है कि अरेंज मैरिज टूटने पर समाज में बदनामी के डर से सिया और चेतन ने मिलकर केतन अग्रवाल को रास्ते से हटाने की साजिश रची। एक अहम जानकारी यह भी सामने आई है कि फरवरी में इंगेजमेंट से पहले सिया गोयल और चेतन चौधरी अपने दोस्तों के साथ उदयपुर घूमने गए थे। जनवरी में दोनों राजस्थान गए थे और एक ग्रुप ट्रिप के तहत वहां पांच दिन रुके थे। चेतन मूल रूप से राजस्थान का रहने वाला है। पुलिस अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि उस ट्रिप के दौरान दोनों के बीच क्या बातचीत हुई थी और क्या इस दौरान हत्या की कथित साजिश से जुड़ी कोई प्लानिंग हुई थी। फिलहाल पुलिस ट्रिप से जुड़े डिजिटल साक्ष्य, ट्रिप का रिकॉर्ड, मोबाइल लोकेशन और दोनों के बीच हुई बातचीत की पड़ताल कर रही है।

क्या सिर्फ शादी टालना ही मकसद था?

जांच में अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि अगर पुलिस के दावे सही हैं, तो क्या हत्या का मकसद सिर्फ शादी टालना था, या इसके पीछे कोई और वजह भी थी? पुलिस मोबाइल फोन, चैट, कॉल डिटेल रिकॉर्ड, ट्रैवल हिस्ट्री और अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों को जोड़कर केस की टाइमलाइन तैयार कर रही है।

सवाल है कि क्या यह मामला सिर्फ एक तयशुदा शादी से बचने की कोशिश था? क्या सामाजिक बदनामी के डर ने कथित तौर पर हत्या जैसी साजिश को जन्म दिया? या जांच के आगे बढ़ने के साथ इस कहानी की और भी परतें खुलेंगी? इन सवालों के जवाब अभी जांच के दायरे में हैं।

यह मामला 18 जून का है। पुलिस के मुताबिक, पुणे के 26 साल के रियल एस्टेट कारोबारी केतन अग्रवाल अपनी मंगेतर सिया गोयल के साथ लोहागढ़ किले पर घूमने गए थे। आरोप है कि पहले से तय योजना के तहत वहां सिया का कथित प्रेमी चेतन चौधरी भी पहुंचा। पुलिस का दावा है कि तय इशारे के मुताबिक, सिया ने नीचे बैठकर 'सिग्नल' दिया और तभी पीछे से आए चेतन ने केतन को गहरी खाई में धक्का दे दिया। केतन की मौके पर ही मौत हो गई। शुरुआत में इसे हादसा माना जा रहा था, ▶8पर

ट्रम्प का भारत दौरा अगले साल

हैदराबाद में ट्रंप सड़क, राष्ट्रपति बोले- शुक्रिया

वॉशिंगटन/हैदराबाद, 27 जून (एजेंसियां) अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प साल 2027 की शुरुआत में भारत आ सकते हैं। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, व्हाइट हाउस में मीडिया से बातचीत के दौरान विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने ये बयान दिया।

ये ट्रम्प की राष्ट्रपति रहते हुए दूसरी भारत यात्रा हो सकती है। इससे पहले ट्रम्प साल 2020 में पहली बार भारत यात्रा पर आए थे। वे अहमदाबाद में नमस्ते ट्रम्प कार्यक्रम में शामिल हुए थे।

रूबियो से पूछा गया कि वे भारत की प्रगति, विकास और वैश्विक स्तर पर प्रधानमंत्री मोदी की भूमिका को कैसे देखते हैं, तो उन्होंने कहा, हम मोदी और उनके द्वारा किए गए कार्यों के बहुत बड़े प्रशंसक हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने देश की आज़ादी की 250वीं सालगिरह के मौके पर

हैदराबाद में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के पास एक मुख्य सड़क का नाम डोनाल्ड ट्रंप एवेन्यू रखने के तेलंगाना सरकार के फ़ैसले पर खुशी जताई है।

श्री ट्रंप ने शनिवार को अपने ट्रुथ अकाउंट पर एक पोस्ट में, इस कदम के लिए तेलंगाना सरकार का शुक्रिया अदा करते हुए कहा, भारत के हैदराबाद में एक नया डोनाल्ड ट्रंप एवेन्यू बनाया गया है। मैं इस तरह से सम्मानित होने वाला पहला अमेरिकी राष्ट्रपति हूं। धन्यवाद!

हैदराबाद के नानकरामगुडा में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास में 23 जून को अमेरिका के 250वें स्वतंत्रता दिवस के जश्न के दौरान, तेलंगाना के उप मुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर और हैदराबाद में अमेरिकी वाणिज्य दूत लॉरा विलियम्स की मौजूदगी में डोनाल्ड ट्रंप एवेन्यू नेमप्लेट का औपचारिक अनावरण किया। श्री ट्रंप ने इस सम्मान को एक अन-ोखा सम्मान बताया और सड़क का नाम उनके नाम पर रखने के लिए तेलंगाना सरकार का धन्यवाद किया।

टैरिफ, डिफेंस और एआई पर बातचीत संभव

ट्रेड डील और टैरिफ: दोनों देश एक बड़े द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के बेहद करीब हैं। ट्रम्प की नई टैरिफ नीतियों और भारतीय सामानों पर लगने वाले टैक्स को कम करने पर सीधी बात हो सकती है।

डिफेंस और मिलिट्री डील: इंडिया-यूएस कॉम्पैक्ट के तहत दोनों देशों के बीच सैन्य ताकत बढ़ाने और अत्याधुनिक हथियार बनाने की तकनीक शेयर करने पर फैसला हो सकता है।

भविष्य की टेक्नोलॉजी (एआई): आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), सेमीकंडक्टर और सुरक्षित ग्लोबल सप्लाई चेन बनाने के लिए दोनों नेता मिलकर काम करने की रणनीति तैयार हो सकती है।

तेलंगाना छात्र की लंदन में संदिग्ध मौत

परिवार ने शव लाने की गुहार लगाई

हैदराबाद, 27 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) तेलंगाना के कामारेड्डी ज़िले के 25 वर्षीय छात्र एस. श्रीनाथ रेड्डी की लंदन में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। वह उच्च शिक्षा के लिए 14 महीने पहले लंदन गए थे। इस दुःखद घटना के बाद परिवार ने केंद्र और राज्य सरकार से उनके शव को जल्द भारत लाने में मदद की अपील की है। जिले के तालामाडला गांव में पत्रकारों से बातचीत करते हुए छात्र के पिता मधुसूदन रेड्डी ने बताया कि उनके बेटे की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसकी स्पष्ट जानकारी अभी तक नहीं मिल सकी है। उन्होंने सरकार से अनुरोध किया कि शव को भारत लाने की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए। मधुसूदन रेड्डी ने बताया कि 22 जून की रात उनकी बेटे से परिवार की आखिरी बार बात हुई थी। उस दौरान उसकी बातचीत पूरी तरह सामान्य थी और उसने किसी तरह की परेशानी का जिक्र नहीं किया था। परिवार के अनुसार, उसी रात श्रीनाथ रेड्डी एक जन्मदिन ▶8पर

मुहर्रम जुलूस में मातम?

ज़हरीले कैप्सूल बांट रहा था शख्स, गिरफ्तार

मुंबई, 27 जून (एजेंसियां) मुंबई पुलिस ने मुहर्रम जुलूस के दौरान जहरीले कैप्सूल बांटने की बड़ी साजिश को नाकाम कर दिया। पुलिस ने इस मामले में फैयाज प्रेमजी नाम के एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी बिना अनुमति के दर्द से राहत के नाम पर लोगों को कैप्सूल बांट और बेच रहा था। मुंबई पुलिस के मुताबिक जेजे और भायखला इलाके से मोहर्रम का जुलूस गुजर रहा था, जहां आर-ोपी कथित तौर पर लोगों को कैप्सूल बांट रहा था। पुलिस पेट्रोलिंग टीम ने फैयाज को कैप्सूल वितरित करते हुए देखा। शक होने पर पुलिस ने उससे पूछताछ की और उसके पास मौजूद कैप्सूल जब्त कर लिए।

डीसीपी सेंट्रल रीजन जोन-1 जयंत मीणा ने बताया, बीती रात भायखला पुलिस स्टेशन की सीमा में मुहर्रम का जुलूस निकाला जा रहा था। जुलूस के दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति लोगों को कैप्सूल बांटता और बेचता हुआ दिखाई दिया। संदेह होने पर मुंबई पुलिस की पेट्रोलिंग टीम ने उससे पूछताछ की और उसके पास से कैप्सूल का स्टॉक बरामद किया। पुलिस का दावा है कि जांच के दौरान आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने खासतौर पर मुहर्रम जुलूस को निशाना बनाया और इसमें शामिल होने वाले लोगों को नुकसान पहुंचाने की मंशा रखता था।

30 हजार खाली कैप्सूल और 50 किलो जिंक फॉस्फाइड

डीसीपी जयंत मीणा ने कहा, पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने कुल 30 हजार खाली कैप्सूल और 50 किलो जिंक फॉस्फाइड (चूहे मारने वाला जहरीला केमिकल) मंगवाया था, जो बेहद जहरीला पदार्थ है। पुलिस के मुताबिक आरोपी की पहचान पुणे निवासी फैयाज प्रेमजी के रूप में हुई है, ▶8पर

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामला

अब कौन करेगा 'ट्रस्ट'

अयोध्या, 27 जून (एजेंसियां)। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले की एफआईआर आखिरकार हो गई है। ट्रस्ट के दो लोगों के इस्तीफे की चर्चा भी चल रही है। हालांकि इसे सार्वजनिक तौर पर किसी ने स्वीकार नहीं किया है। पूरे हफ्ते चढ़ावे की चोरी का ये मामला सुर्खियों में है। विभिन्न हस्तियों की प्रतिक्रियाएं -

पूर्णिमा त्रिपाठी : राम मंदिर में चढ़ावे पर जो कुछ हो रहा है वो बहुत दुखद है। खुलासा अब जाकर हुआ है, लेकिन जब मंदिर बन रहा था तब भी जमीन खरीद को लेकर शोर शराबा हुआ था। उस वक्त बात आई-गई हो गई। शक की सूई का निदान पहले किसी भी स्तर पर नहीं किया गया। अब सवाल ये उठता है कि उस वक्त इस पर ध्यान क्यों नहीं दिया गया। या ये माना जाए कि ध्यान गया भी तो पब्लिक में चीजें नहीं आई तो उसे दबा दिया गया। ▶8पर

इजरायल-लेबनान शांति समझौते पर हिजबुल्लाह ने दी गृहयुद्ध की चेतावनी

बेरुत

अमेरिका की मध्यस्थता से इजरायल और लेबनान के बीच एक महत्वपूर्ण फ्रेमवर्क समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इस समझौते का मुख्य उद्देश्य दक्षिणी लेबनान से इजरायली सेना की वापसी सुनिश्चित करना, लेबनानी सरकार की संप्रभुता को बहाल करना और हिजबुल्लाह के निरस्त्रीकरण की प्रक्रिया को शुरू करना है। हालांकि, इस पहल ने क्षेत्र में शांति की उम्मीदों के साथ-साथ गंभीर तनाव की आशंका भी पैदा कर दी है, क्योंकि हिजबुल्लाह ने इसे सिरे से खारिज करते हुए चेतावनी दी है कि यदि इसे लागू करने का प्रयास किया गया तो लेबनान गृहयुद्ध की ओर बढ़ सकता है।

वाशिंगटन में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो की मौजूदगी में हुए इस समझौते को दोनों देशों के बीच स्थायी शांति की दिशा में एक अहम कदम बताया जा रहा है। अमेरिकी विदेश विभाग के अनुसार, यह फ्रेमवर्क हिजबुल्लाह के हथियारबंद ढांचे को समाप्त करने, इजरायली सेना की चरणबद्ध वापसी और लेबनानी सरकार की संप्रभुता की बहाली के लिए एक रूपरेखा प्रदान करता है। समझौते को लागू करने के लिए अमेरिका मिलिट्री कोआर्डिनेशन ग्रुप फार लेबनान नामक एक नया तंत्र बनाएगा और साथ ही लेबनान के लिए 10 करोड़ डालर की मानवीय सहायता देने की भी घोषणा की गई है। समझौते पर अमेरिका में इजरायल के राजदूत येचिएल लेइटर और लेबनान की राजदूत नादा हमादेह मोआवद ने हस्ताक्षर किए। इजरायली राजदूत ने कहा कि उनका अंतिम लक्ष्य दोनों देशों के बीच स्थायी शांति स्थापित करना है, जहां भविष्य में तेल अवीव से लोग बेरूत तक बिना किसी डर के यात्रा कर सकें और लेबनान के नागरिक भी इजरायल आ-जा सकें, लेकिन उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह तभी संभव होगा जब हिजबुल्लाह अपने हथियार पूरी तरह छोड़ देगा और उसका सैन्य ढांचा समाप्त हो जाएगा। वहीं लेबनानी राजदूत ने इस समझौते को देश की संप्रभुता बहाल करने, इजरायली सेना की वापसी सुनिश्चित करने और विस्थापित लोगों की घर वापसी के लिए एक महत्वपूर्ण पहल बताया। उनका कहना था कि यह स्थायी युद्धविराम और क्षेत्र में शांति स्थापित करने की शुरुआत है। इसके विपरीत, हिजबुल्लाह ने इस समझौते को सिरे से खारिज कर दिया है। संगठन के सांसद हसन फदलल्लाह ने स्पष्ट किया कि हिजबुल्लाह अपने हथियार किसी भी कीमत पर नहीं त्यागेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिका के समर्थन से लेबनान पर थोपा जा रहा यह समझौता देश को गृहयुद्ध की ओर धकेल सकता है, खासकर यदि लेबनानी सरकार इसे अपने ही नागरिकों के खिलाफ टकराव के रास्ते से लागू करने का प्रयास करती है। मौजूदा संघर्ष उस समय शुरू हुआ था जब इजरायल और अमेरिका ने मिलकर ईरान पर हमला किया था, जिसके कुछ ही दिनों बाद हिजबुल्लाह ने जवाबी कार्रवाई में उत्तरी इजरायल पर राकेट दाग दिए। इसके जवाब में इजरायल ने दक्षिणी लेबनान में सैन्य अभियान तेज कर दिया, जिसमें मार्च से अब तक लेबनान में इजरायली हमलों में चार हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि इजरायल के भी कई सैनिक मारे गए हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

पाकिस्तान में भूकंप के तेज झटके 5.4 की तीव्रता से हिली धरती

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में 5.4 तीव्रता के तेज भूकंप के झटके महसूस किए गए। इससे कुछ ही समय पहले वेनेजुएला में भी ऐसी ही घटना हुई थी, जिसने वैश्विक स्तर पर भूकंपीय गतिविधियों में वृद्धि का संकेत दिया। यूरोपियन-मेडिटेरेनियन सीस्मोलाजिकल सेंटर (ईएमएससी) और अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीसी) की प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, भूकंप का केंद्र बलूचिस्तान के बरखान शहर से लगभग 63 किलोमीटर दूर जमीन से 35 किलोमीटर की गहराई पर स्थित था। हालांकि, कुछ अन्य स्रोतों ने इसकी गहराई 10 किलोमीटर बताई है, जिससे सटीक गहराई को लेकर थोड़ी भिन्नता है। भारतीय समयानुसार यह भूकंप सुबह करीब 8:36 बजे आया, जिसके झटके महसूस होते ही कई इलाकों में लोग घबराकर अपने घरों और अन्य इमारतों से बाहर सुरक्षित स्थानों पर निकल आए। यह एक स्वाभाविक प्रतिक्रिया थी, क्योंकि अचानक आए इन झटकों ने लोगों के मन में डर पैदा कर दिया था। फिलहाल, यह राहत की बात है कि अभी तक किसी भी प्रकार के जान-माल के नुकसान या किसी बड़े बुनियादी ढांचे को गंभीर क्षति पहुंचने की कोई तत्काल रिपोर्ट सामने नहीं आई है। स्थानीय आपदा प्रबंधन अधिकारी और प्रशासनिक अधिकारी स्थिति पर लगातार कड़ी निगरानी रख रहे हैं। वे सुदूर ग्रामीण इलाकों से भी भूकंप के प्रभावों का आकलन जुटाने में लगे हैं, ताकि किसी भी अप्रत्याशित घटना या नुकसान का जल्द से जल्द पता लगाया जा सके। पाकिस्तान भूगर्भीय रूप से दुनिया के सबसे संवेदनशील भूकंपीय क्षेत्रों में से एक माना जाता है। यह देश एक ऐसी महत्वपूर्ण सीमा रेखा पर स्थित है, जहां शक्तिशाली इंडियन प्लेट और यूरेशियन प्लेट आपस में टकराती हैं। इस भूगर्भीय टकराव के कारण यहां अक्सर भूकंपीय गतिविधियां होती रहती हैं। बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा जैसे प्रांत विशेष रूप से फाल्ट लाइनों के बेहद करीब होने के कारण इन भूकंपीय झटकों की चपेट में आते रहते हैं।

पापुआ न्यू गिनी में मिली चलती शार्क की अनोखी प्रजाति

लंदन। शार्क का नाम सुनते ही दिमाग में समुद्र के खतरनाक शिकारी की तस्वीर आती है, लेकिन वैज्ञानिकों ने अब एक ऐसी शार्क की पहचान की है जो तैरने के साथ-साथ चल भी सकती है। पापुआ न्यू गिनी में मिली इस नई प्रजाति को वाकिंग शार्क कहा जा रहा है, जो अपने पेक्टोरल फिन (सामने वाले पंख) का इस्तेमाल पैरों की तरह करती है और कम पानी व कोरल रीफ के ऊपर आसानी से चलती है। पापुआ न्यू गिनी के मिल्ने बे क्षेत्र के लोग इस काडेकेडेवा (डाग शार्क या आलसी शार्क) के नाम से जानते हैं। वैज्ञानिकों ने अब इसकी औपचारिक पहचान कर नई प्रजाति घोषित किया है। यह शार्क हेमीसीलियम जीनस का हिस्सा है। इस समूह की अब तक 9 प्रजातियां दर्ज थीं, जो अब बढ़कर 10 हो गई हैं। नई प्रजाति का नाम हेमिसाइलियम डडजोने रखा गया है, जो आस्ट्रेलियाई वैज्ञानिक क्रिस्टीन डजियन के सम्मान में है। मार्च 2025 में वैज्ञानिकों की एक टीम मिल्ने बे में सर्वे कर रही थी, जब उन्हें लगभग एक मीटर गहरे पानी में यह अनोखी शार्क मिली। शुरुआत में टीम किसी और प्रजाति की तलाश में थी, लेकिन इस शार्क का रंग और शरीर पर बने छोटे डैश-जैसे निशान बाकी वाकिंग शार्क से अलग थे।

अमेरिका में 4.5 लाख प्रवासी बच्चे लापता, गृह सुरक्षा विभाग चिंतित तलाशी अभियान तेज

वाशिंगटन। अमेरिका के गृह सुरक्षा सचिव मार्कवेन मुलिन ने बताया है कि उनका विभाग उन 4.5 लाख प्रवासी बच्चों का पता लगाने में जुटा है, जिनका पिछली सरकार के दौरान प्रायोजकों के पास भेजने के बाद संपर्क टूट गया था। अब तक इसमें से 1.47 लाख बच्चों का पता लग चुका है। गृह सुरक्षा से जुड़े मामलों पर हाउस एप्रोप्रिएशन सब-कमेटी के समक्ष गवाही देकर मुलिन ने कहा कि कमजोर और असुरक्षित प्रवासी बच्चों का पता लगाना गृह सुरक्षा विभाग (डीएचएस) की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। मुलिन ने स्पष्ट किया कि जिन बच्चों का पता चला, उनमें से सभी किसी खतरे की स्थिति में नहीं थे, कुछ बच्चे अपने परिवार के सदस्यों के साथ सुरक्षित मिले।

खटाई में ट्रंप डील
ईरान-यूएस फिर आमने-सामने

वॉशिंगटन, 27 जून (एजेंसियां)

अमेरिका और ईरान के बीच जंग की चिंगारी फिर भड़कने लगी है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजर रहे कार्गो शिप पर ईरानी हमले से ट्रंप प्रशासन बौखला गया है। ताजा कार्रवाई में अमेरिका ने शुक्रवार को ईरान के मिसाइल और ड्रोन साइट्स को निशाना बनाया।

स्विट्जरलैंड में दोनों देशों के बीच हुए नाजुक समझौते (मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग) के बाद यह अमेरिका की पहली प्रत्यक्ष सैन्य कार्रवाई मानी जा रही है।

ये हमले उस समय हुए, जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इशारा किया था कि वॉशिंगटन स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में ईरान के एक्शन का जवाब देने की तैयारी कर रहा है। पत्रकारों द्वारा पूछे जाने पर कि क्या अमेरिका जवाबी कार्रवाई करेगा, ट्रंप ने कहा था- आपको जल्द ही पता चल जाएगा।

इसके कुछ ही मिनट बाद अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने घोषणा की कि अमेरिकी सेना ने ईरान के भीतर हवाई हमले किए हैं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के अनुसार, अमेरिकी विमानों ने ईरान की मिसाइल, ड्रोन स्टोरेज और कोस्टल रडार साइट्स को निशाना बनाया।

अमेरिकी सेना का कहना है कि ईरान ने 25 जून को सिंगापुर के ध्वज वाले मालवाहक जहाज- एवर लवली पर ड्रोन से हमला किया था। यह शिप होर्मुज से बाहर निकलते समय ओमान के तट के पास से गुजर रहा था, तभी उस पर अटैक हुआ। अमेरिका ने ईरान की इस कार्रवाई को युद्धविराम का स्पष्ट उल्लंघन बताया था।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने बयान जारी कर कहा कि अमेरिकी सेना क्षेत्र में मौजूद है। वह पूरी सतर्कता के साथ यह सुनिश्चित कर रही है कि ईरान के साथ हुए समझौते के सभी प्रावधानों का पूरी तरह पालन किया जाए। साथ ही होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों की सुरक्षित आवाजाही हो।

इससे पहले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में ट्रंप ने दावा किया कि ईरान ने रणनीतिक जलमार्ग से गुजर रहे जहाजों पर चार वन-वे अटैक ड्रोन दागे। उन्होंने इस हमले को दोनों देशों के बीच संघर्ष-विराम समझौते का मूर्खतापूर्ण उल्लंघन बताया था।

जहरीले सांपों के लिए सीधे मौत का पर्याय है सेक्रेटरी बर्ड पक्षी

सवाना

क्या आप जानते हैं कि दुनिया में एक ऐसा अनोखा पक्षी भी है जो जहरीले सांपों के लिए सीधे मौत का पर्याय माना जाता है इसका नाम है सेक्रेटरी बर्ड, जिसे अपनी शिकार करने की अविश्वसनीय तकनीक और शक्तिशाली लात के लिए जाना जाता है। यह पक्षी अफ्रीका के विशाल सवाना क्षेत्रों में पाया जाता है और वहां के जहरीले सांपों का सबसे बड़ा दुश्मन माना जाता है, जिससे सांप भी इसे देखते ही कांपने लगते हैं। सेक्रेटरी बर्ड का वैज्ञानिक नाम सागीटारियस सेरपेटारियस है। यह लंबी टांगों वाला, गरुड़ जैसा दिखने वाला एक विशाल शिकारी पक्षी है। इसकी सबसे खास बात यह है कि यह उड़ने की बजाय ज्यादातर जमीन पर चलकर ही शिकार करता है और अपने शिकार की तलाश में लंबी दूरी तय कर सकता है। जब इसे कोई सांप दिखता है तो यह अपने विशाल पंख फैलाकर सांप को भड़काता और डराता है। सांप जैसे ही फन फैलाकर हमला करने की कोशिश करता है, सेक्रेटरी बर्ड अपनी तेज और अविश्वसनीय रूप से ताकतवर लात से उस पर बिजली की गति से हमला कर देता है। इसकी लात इतनी शक्तिशाली होती है कि सांप का सिर एक ही वार में कुचल जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार, इसकी लात का दबाव इतना अधिक होता है कि यह सांप की खोपड़ी को तोड़ने के लिए जितनी शक्ति की जरूरत होती है, उससे लगभग 5 गुना ज्यादा होती है। यह इतना सटीक और तेज हमला करता है कि सांप को फन फैलाने या जवाबी हमला करने का मौका ही नहीं मिलता। सेक्रेटरी बर्ड मुख्य रूप से जहरीले सांपों को ही निशाना बनाता है। कोबरा, वाइपर और अन्य जहरीले सांप इसके पसंदीदा शिकार हैं। हैरानी की बात यह है कि यह सांप के जहर से भी नहीं डरता। अगर सांप काट भी ले तो भी यह पक्षी ज्यादातर मामलों में बच जाता है, जो इसकी प्रतिरक्षा प्रणाली की मजबूती को दर्शाता है।

इस पक्षी का नाम सेक्रेटरी' इसलिए पड़ा क्योंकि इसके सिर पर पंखों का एक गुच्छा होता है जो पुराने जमाने के सेक्रेटरी के सिर पर लगाए जाने वाले पेन की तरह दिखता है। यह एक लंबा-चौड़ा पक्षी है, जिसकी ऊंचाई करीब 1.3 मीटर तक हो सकती है और इसका वजन 4 किलोग्राम तक होता है। इसकी टांगें इतनी मजबूत और लंबी होती हैं कि यह छोटे जानवरों और सांपों को आसानी से मार सकता है। सांप का शिकार करने के लिए ये एक खास रणनीति अपनाता है: सबसे पहले, सांप को देखते ही ये जमीन पर तेजी से दौड़ता है। फिर अपने पंख फैलाकर सांप का ध्यान भटकाता है और उसे भ्रमित करता है।

अगले साल भारत जा सकते हैं अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अगले साल की शुरुआत में भारत का दौरा कर सकते हैं। यह महत्वपूर्ण संकेत अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने दिया है, जिन्होंने बताया कि इस उच्च-स्तरीय यात्रा की दिशा में तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। यदि यह दौरा होता है, तो यह ट्रंप के दूसरे कार्यकाल की पहली भारत यात्रा होगी, जो दोनों देशों के बीच मजबूत होते रणनीतिक संबंधों को और गति प्रदान करेगी, साथ ही वैश्विक मंच पर उनकी साझेदारी को भी रेखांकित करेगी। वाशिंगटन डीसी में भारत-अमेरिका संबंधों पर चर्चा करते हुए विदेश मंत्री रुबियो ने रेखांकित किया कि दोनों देशों के रिश्ते इस समय अपने शानदार दौर में हैं। उन्होंने बताया कि हाल ही में संपन्न हुए जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच बेहद सकारात्मक और उपयोगी मुलाकात हुई थी, जिसने द्विपक्षीय सहयोग के नए रास्ते खोले हैं। रुबियो ने विशेष रूप से उल्लेख किया कि भारत-अमेरिका ट्रेड डील अब अंतिम चरण में है और इसे जल्द ही अंतिम रूप दिए जाने की उम्मीद है। यह समझौता दोनों अर्थव्यवस्थाओं के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा और व्यापारिक संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। रुबियो ने कहा, हम व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने से बस कुछ ही कदम दूर हैं।

तीस्ता प्रोजेक्ट पर चीन ने कहा- हमें तीसरे देश से मतलब नहीं

बीजिंग

बांग्लादेश के साथ बंदरगाह विकास और तीस्ता जल प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर करने के बाद, चीन ने यह स्पष्ट किया है कि उसका यह सहयोग किसी तीसरे देश को निशाना बनाने के उद्देश्य से नहीं है। चीन का यह बयान स्पष्ट तौर पर भारत की ओर इशारा करता है, जो बांग्लादेश के साथ चीन की बढ़ती निकटता को अपनी रणनीतिक चिंताओं के साथ देख रहा है।

हाल ही में, बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने अपनी पहली विदेश यात्रा के लिए भारत के बजाय चीन को चुना, जिसने कूटनीतिक हलकों में काफी चर्चा बटोरी। उनकी इस यात्रा के दौरान चीनी जल संसाधन मंत्री ली गुओयिंग के साथ बातचीत हुई, जिसमें दोनों देशों ने तीस्ता नदी प्रबंधन और अन्य नदी परियोजनाओं पर सहयोग को मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की।

तीस्ता नदी प्रबंधन में चीन की भागीदारी को भारत रणनीतिक महत्व के साथ देखता है, क्योंकि यह नदी पूर्वी हिमालय से निकलकर सिक्किम और पश्चिम बंगाल से होते हुए बांग्लादेश में प्रवेश करती है। बांग्लादेश में यह लाखों लोगों के लिए सिंचाई और आजीविका का एक प्रमुख स्रोत है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि तीस्ता नदी बेसिन भारत के अत्यंत संवेदनशील सिलीगुड़ी गलियारे के निकट स्थित है, जो भारतीय मुख्य भूभाग को पूर्वोत्तर राज्यों से जोड़ने वाली मात्र 22 किलोमीटर चौड़ी भूमि पट्टी है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने नई दिल्ली की संभावित चिंताओं संबंधी प्रश्न का जवाब देते हुए कहा कि तीस्ता नदी के व्यापक प्रबंधन और पुनर्वास की परियोजना बांग्लादेश के लिए जनकल्याण से जुड़ी एक महत्वपूर्ण परियोजना है। उन्होंने किसी देश का नाम लिए बिना यह भी स्पष्ट किया कि चीन इस परियोजना को समर्थन देने के लिए हरसंभव मदद करने को तैयार है, लेकिन चीन-बांग्लादेश सहयोग किसी तीसरे पक्ष को लक्ष्य बनाकर नहीं किया जा रहा है और यह किसी तीसरे पक्ष के प्रभाव से मुक्त होना चाहिए। यह कथन चीन की ओर से भारत को एक कूटनीतिक संदेश माना जा रहा है। चीनी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, बांग्लादेश शी जिनपिंग की वैश्विक पहलों का पूर्ण समर्थन करता है और अंतरराष्ट्रीय तथा क्षेत्रीय मामलों में चीन के साथ समन्वय एवं सहयोग बढ़ाने के लिए तैयार है। इसके अलावा, बांग्लादेश के प्रधानमंत्री कार्यालय के प्रवक्ता महदी अमीन ने दोनों शीर्ष नेताओं की वार्ता पर जानकारी देते हुए बताया कि चटगांव और मोंगला बंदरगाहों के आधुनिकीकरण में चीन के सहयोग पर भी चर्चा हुई। अमीन ने बिना किसी देश का नाम लिए कहा, हम इन बंदरगाहों को क्षेत्रीय केंद्र के रूप में कैसे विकसित किया जाए, इस दिशा में काम करना चाहते हैं, जिससे न केवल बांग्लादेश, बल्कि अन्य देशों को भी लाभ मिल सके। यह चीन की बेल्ट एंड रोड पहल के तहत बंदरगाहों तक अपनी पहुंच मजबूत करने की रणनीति का हिस्सा हो सकता है। बांग्लादेश की रिपोर्ट बीएसएस के अनुसार, अमीन ने यह भी बताया कि पहली बार बांग्लादेश और चीन के बीच विदेश तथा रक्षा मामलों को शामिल करते हुए संवाद तंत्र पर सहमति बनी है। इसमें दोनों देशों के विदेश और रक्षा मंत्रालयों के प्रतिनिधि भविष्य में नियमित संवाद करेंगे, जिसके तौर-तरीकों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। सांस्कृतिक और शैक्षणिक मोर्चे पर भी सहयोग बढ़ा है, क्योंकि बांग्लादेश की शिक्षा व्यवस्था में तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा के साथ मंदारिन भाषा को तीसरी भाषा के रूप में प्राथमिकता दी जा रही है।

पाक का दोहरा चेहरा : शोएब के भाई के जनाजे में आतंकी पहुंचे

इस्लामाबाद

पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर के बड़े भाई शाहिद अख्तर के जनाजे का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा और उसके कथित राजनीतिक संगठन पाकिस्तान मरकज़ी मुस्लिम लीग से जुड़े कई प्रमुख व्यक्तियों की उपस्थिति का दावा किया जा रहा है, जिसने पाकिस्तान के आतंकवाद को लेकर दोहरे मापदंडों पर नए सिरे से सवाल खड़े कर दिए हैं। यह घटना इस्लामाबाद के कब्रिस्तान में हुई थी, जहां शाहिद अख्तर के नमाज-ए-जनाजा में पीएमएमएल के अध्यक्ष इनाम-उर-रहमान और अन्य कार्यकर्ताओं को स्पष्ट रूप से देखा गया। बताया जा रहा है कि इस वीडियो को पीएमएमएल के आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर भी साझा किया गया था, जिससे इसकी प्रामाणिकता और भी पुष्ट होती है।

इनाम-उर-रहमान का नाम पहले भी विवादों में रहा है। पाकिस्तान मरकज़ी मुस्लिम लीग को लंबे समय से लश्कर-ए-तैयबा के संस्थापक और संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित आतंकवादी हाफिज सईद के राजनीतिक मोर्चे के रूप में देखा जाता रहा है। सोशल मीडिया पर प्रसारित कुछ तस्वीरों में इनाम-उर-रहमान को पहलगाम हमले के कथित मास्टरमाइंड सैफुल्लाह कसूरी के साथ भी दिखाया गया है, जो इन संगठनों के गहरे संबंधों को उजागर करता है। इन सबके बीच, पाकिस्तान की नेशनल असेंबली के स्पीकर सरदार अयाज़ सादिक का भी शोएब अख्तर के घर जाकर परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करना उल्लेखनीय है। हालांकि स्पीकर की उपस्थिति प्रोटोकाल का हिस्सा हो सकती है, लेकिन एक ही कार्यक्रम में प्रतिबंधित आतंकी संगठन से जुड़े लोगों और देश के शीर्ष राजनीतिक व्यक्ति की मौजूदगी ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय के बीच पाकिस्तान की साख पर फिर से प्रश्नचिह्न लगा दिया है।

जनाजे में कथित तौर पर प्रतिबंधित आतंकी संगठन से जुड़े लोगों की खुलेआम मौजूदगी इस बात की पुष्टि करती है कि पाकिस्तान में आतंकवादी संगठन विभिन्न नामों और मंचों के माध्यम से अपनी गतिविधियां जारी रखे हुए हैं। पिछले कई वर्षों से पाकिस्तान पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह आरोप लगते रहे हैं कि वह आतंकवादियों को अपनी धरती पर सुरक्षित पनाहगाह देता है और उनके नेटवर्क को फलने-फूलने का मौका देता है। फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स द्वारा पाकिस्तान को बार-बार ग्रे लिस्ट में डाले जाने का एक बड़ा कारण भी यही रहा है कि वह मनी लान्ड्रिंग और आतंकवाद के वित्तपोषण पर लगाम लगाने में असफल रहा है।

ऐसे में, किसी हाई-प्रोफाइल व्यक्ति के जनाजे में इन प्रतिबंधित समूहों के नेताओं और कार्यकर्ताओं की बेरोकटोक उपस्थिति, पाकिस्तान सरकार और उसकी एजेंसियों की प्रतिबद्धता पर गंभीर संदेह पैदा करती है। यह घटना एक बार फिर पाकिस्तान के उस टेरर लव को बेनकाब करती है, जहाँ आतंकी समूह कथित रूप से समाज के भीतर अपनी जड़ें जमा चुके हैं और राजनीतिक गतिविधियों में भी संलिप्त पाए जाते हैं। यह स्थिति वैश्विक आतंकवाद विरोधी प्रयासों के लिए एक गंभीर चुनौती है और पाकिस्तान पर अपनी ज़मीन से आतंकवाद को जड़ से खत्म करने के लिए अंतरराष्ट्रीय दबाव को और बढ़ाएगी।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अटके हुए मामले और घने होंगे व ख़र्चे आपके दिमाग़ पर छा जाएंगे। दूसरों को ख़ुशियाँ देकर और पुरानी ग़लतियों को भुलाकर आप जीवन को सार्थक बनाएंगे। व्यावसायिक साझीदार सहयोग करेंगे और आप साथ मिलकर टलते आ रहे कामों को पूरा कर सकते हैं। आज के समय में अपने लिए वक्त निकाल पाना बहुत मुश्किल है। लेकिन आज ऐसा दिन है जब आपके पास अपने लिए भरपूर समय होगा। किसी बच्चे या बूढ़े के स्वास्थ को लेकर हुई परेशानी अप्रत्यक्ष रूप से आपके वैवाहिक जीवन को प्रभावित कर सकती है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

व्यापार में मुनाफा आज कई व्यापारियों के चेहरे पर ख़ुशी ला सकता है। कारोबारी जितना हो अपने कारोबार से जुड़ी बातों को किसी से शेयर न करें। अगर आप ऐसा करते हैं तो आप बड़ी मुश्किल में पड़ सकते हैं। एकांत में वक्त बिताना अच्छा है लेकिन आपके दिमाग में कुछ चल रहा है तो लोगों से दूर रहकर आप और ज्यादा परेशान हो सकते हैं। इसलिए आपको हमारी सलाह है कि लोगों से दूर रहने से बेहतर होगा किसी अनुभवी शख्स से अपनी परेशानी के बारे में बात करें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड,छ,के,को,ह

आज बिना किसी की मदद के ही आप धन कमा पाने में सक्षम होंगे। आपका ज्ञान और हास–परिहास आपके चारों ओर लोगों को प्रभावित करेगा। दफ़्तर में आप तारीफ़ पाएंगे। जिंदगी में चल रही आपाधापी के बीच आज आपको अपने लिए पर्याप्त समय मिलेगा और और आप अपने पसंदीदा कामों को कर पाने में कामयाब हो पाएंगे। आपका वैवाहिक जीवन इससे अधिक रंगों से भरा कभी नहीं रहा है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपके पास प्रचुर ऊर्जा होगी– लेकिन काम का बोझ आपकी खीज की वजह बन सकता है। जिन लोगों से आपकी मुलाक़ात कभी–कभी ही होती है, उनसे बातचीत और संपर्क करने के लिए अच्छा दिन है। अपने प्रेम–प्रसंग के बारे में इधर–उधर ज़्यादा बातें न करें। आज आपकी कलात्मक और रचनात्मक क्षमता को काफ़ी सराहना मिलेगी और इसके चलते अचानक लाभ मिलने की संभावना भी है। आप चाहें तो परेशानियों को मुस्कुराकर दरकिनार कर सकते हैं या उनमें फँसकर परेशान हो सकते हैं। चुनाव आपको करना है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आपका स्वास्थ्य दुरुस्त रहने की पूरी उम्मीद है। अपने अच्छे स्वास्थ्य के चलते आज आप अपने दोस्तों के साथ खेलने का प्लान बना सकते हैं। पिता का तल्ख़ बर्ताव आपको नाराज़ कर सकता है। लेकिन हालात को नियंत्रण में रखने के लिए शांत रहें। इससे आपको फ़ायदा होगा। प्रेम–संबंध में गुलाम की तरह व्यवहार न करें। अगर आज आप यात्रा कर रहे हैं तो आपको अपने सामान की अतिरिक्त सुरक्षा करने की ज़रूरत है। जीवनसाथी के साथ कुछ तनातनी मुमकिन है, लेकिन शाम के खाने के साथ चीज़ें भी सुलझ जाएंगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

ज़्यादा यात्रा करना झुंझलाहट पैदा कर सकता है। आर्थिक तौर पर सुधार तय है। आपके आकर्षण और व्यक्तित्व के ज़रिए आपको कुछ नए दोस्त मिलेंगे। आज अपने ख़ूबसूरत कामों को दिखाने के लिए आपका प्रेम पूरी तरह खिलेगा। खुदरा और थोक व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। आज ऐसे बर्ताव करें जैसे कि आप 'सुपर–स्टार' हैं, लेकिन सिर्फ़ उन चीज़ों की ही प्रशंसा करें जो उसके क़ाबिल हैं। आज आपका वैवाहिक जीवन हँसी–ख़ुशी, प्यार और उल्लास का केन्द्र बन सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपने बीते समय में बहुत पैसा खर्च किया है जिसका खामियाजा आज आपको भुगतना पड़ सकता है। आज आपको पैसों की जरुरत होगी लेकिन वो आपको मिल नहीं पाएगा। ऐसी जानकारी ज़ाहिर न करें, जो व्यक्तिगत और गोपनीय हो। विवाह–प्रस्ताव के लिए सही समय है, क्योंकि आपका प्यार जीवन भर के साथ में बदल सकता है। आज आपकी कड़ी मेहनत कार्यक्षेत्र में ज़रूर रंग दिखाएगी। लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं आज आपको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। वैवाहिक जीवन को अधिक सुखमय बनाने के आपके प्रयास उम्मीद से ज़्यादा रंग लाएंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अगर सफर कर रहे हैं तो अपने कीमती सामान का विशेष ध्यान रखें अगर आप ऐसा नहीं करते तो सामान के चोरी होने की संभावना है। परिवार के लोगों के बीच पैसे को लेकर आज कहासुनी हो सकती है। प्यार का बुख़ार आपके सर पर चढ़ने के लिए तैयार है। इसका अनुभव कीजिए। जिंदगी में चल रही आपाधापी के बीच आज आपको अपने लिए पर्याप्त समय मिलेगा और और आप अपने पसंदीदा कामों को कर पाने में कामयाब हो पाएंगे। अपने जीवनसाथी के स्नहे से भीगकर आप ख़ुद को राजसी महसूस कर सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आपको पैसे की बहुत आवश्यकता होगी लेकिन आपके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। घर पर कोशिश करें कि कोई आपकी वजह से आहत न हो और परिवार की ज़रूरतों के मुताबिक़ ख़ुद को ढालें। सहकर्मियों और कनिष्ठों के चलते चिंता और तनाव के क्षणों का सामना करना पड़ सकता है। इस राशि वालों को आज खुद के लिए काफी समय मिलेगा। इस समय का उपयोग आप अपने शोकों को पूरा करने में कर सकते हैं। आप कोई किताब पढ़ सकते हैं अगर आप अपने जीवनसाथी से स्नेह की आशा रखते हैं, तो यह दिन आपकी आशाओं को पूरा कर सकता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

उम्रदराज़ लोगों को अपनी सेहत का ध्यान रखने की ज़रूरत है। अगर आपको लगता है कि आपके पास पर्याप्त धन नहीं है तो आज घर के किसी बड़े से धन संचित करने की सलाह लें। रिश्तेदारों से अचानक तोहफ़ा मिल सकता है, लेकिन पूरी संभावना है कि वे इसके बदले में आपसे कुछ चाहते हों। इस राशि वालों को आज खुद के लिए काफी समय मिलेगा। इस समय का उपयोग आप अपने शोकों को पूरा करने में कर सकते हैं। आप कोई किताब पढ़ सकते हैं या अपना पसंदीदा म्यूजिक सुन सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

सेहत अच्छी रहेगी। व्यापार में मुनाफा आज कई व्यापारियों के चेहरे पर खुशी ला सकता है। आपको बच्चों के साथ कुछ समय बिताने, उन्हें अच्छे संस्कार देने और उनकी ज़िम्मेदारी समझाने की ज़रूरत है। आपका प्रेमी या प्रेमिका आज बहुत गुस्से में नजर आ सकते हैं इसकी वजह उनके घर की स्थिति होगी। अगर वो गुस्से में हैं तो उन्हें शांत करने की कोशिश करें। कामकाज के मोर्चे पर आपकी कड़ी मेहनत ज़रूर रंग लाएगी। रिश्तेदारों के चलते जीवनसाथी से वाद–विवाद हो सकता है, लेकि आख़िर में सब ठीक हो जाएगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आपका सामना कई नई आर्थिक योजनाओं से होगा– कोई भी फ़ैसला करने से पहले अच्छाईयों और कमियों पर सावधानी से ग़ौर फ़रमाएँ। आपकी थकी और उदास ज़िन्दगी आपके जीवन–साथी को तनाव दे सकती है। आप क़ामयाबी ज़रूर हासिल करेंगे – बस एक–एक करके महत्वपूर्ण क़दम उठाने की ज़रूरत है। अपने शरीर को दुरुस्त करने के लिए आज भी आप कई बार सोचेंगे लेकिन बाकी दिनों की तरह भी आज यह प्लान धरा का धरा रह जाएगा। आस–पड़ोस की किसी सुनी–सुनाई बात को लेकर आपका जीवनसाथी तिल–का–ताड़ बना सकता है।

आज का पंचांग

दिनांक : 28 जून 2026 , रविवार
विक्रम संवत : 2083
मास : ज्येष्ठ, शुक्ल पक्ष
तिथि : चतुर्दशी रात्रि 03:09 तक
नक्षत्र : ज्येष्ठा रात्रि 01:10 तक
योग : शुभ दोपहर 01:29 तक
करण : गर दोपहर 01:58 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक रात्रि 01:10 तक
सूर्योदय : 05:44,सूर्यास्त 06:54 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:56, सूर्यास्त 06:49 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:47 सूर्यास्त 06:43 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:37, सूर्यास्त 06:43 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड़ खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गण्डमूल चालू है , भद्रा रात्रि 03:09 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के बेगम बाजार सेवा केंद्र ने पूर्ण किया सेवा का स्वर्णिम एक वर्ष

एक वर्ष में हजारों जरूरतमंदों तक पहुंचा अन्नदान, समाज के सहयोग से बनी सेवा की मिसाल

दानदाताओं, स्वयंसेवकों एवं सहयोगियों के प्रति व्यक्त किया हार्दिक आभार

हैदराबाद, 27 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के बेगम बाजार सेवा केंद्र ने अपनी सेवा यात्रा का सफलतापूर्वक एक वर्ष पूर्ण कर लिया है। 28 जून 2025 को प्रारंभ हुई यह सेवा आज हजारों जरूरतमंद लोगों के लिए आशा, विश्वास और सम्मान का केंद्र बन चुकी है। इस गौरवपूर्ण अवसर पर 29 जून 2026 को ग्रुप के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने सभी दानदाताओं, सहयोगियों, स्वयंसेवकों और शुभचिंतकों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया।

ग्रुप के संयोजक सतीश अग्रवाल, जगत नारायण अग्रवाल, राम प्रकाश अग्रवाल एवं महेश अग्रवाल ने संयुक्त रूप से कहा कि यह उपलब्धि किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि पूरे समाज के सहयोग, विश्वास और सेवा भावना का परिणाम है। उन्होंने कहा कि बेगम बाजार सेवा केंद्र का एक वर्ष पूर्ण होना उन सभी सेवा–भावी लोगों के समर्पण का प्रतीक है, जिन्होंने तन, मन और धन से इस अभियान को निरंतर आगे बढ़ाया।

नामपल्ली से शुरू हुई सेवा यात्रा

संयोजकों ने बताया कि राधे–राधे ग्रुप की सेवा यात्रा का पहला पड़ाव नामपल्ली सेवा केंद्र था, जहां नियमित अन्नदान कार्यक्रम को समाज का व्यापक सहयोग प्राप्त हुआ। इसके बाद 28 जून 2025 को बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के समीप गौशाला के सामने नियमित सेवा केंद्र की शुरुआत की गई। यहां प्रतिदिन जरूरतमंदों को सम्मानपूर्वक भोजन उपलब्ध कराया जाता है। यह सेवा बिना किसी जाति, धर्म, वर्ग, भाषा अथवा क्षेत्रीय भेदभाव के केवल मानवता के आधार पर संचालित की जाती है।

समाज के सहयोग से मजबूत हुआ सेवा अभियान

उन्होंने बताया कि पिछले एक वर्ष में असंख्य जरूरतमंद लोगों तक भोजन पहुंचाया गया। अनेक परिवारों, व्यापारियों, उद्योगपतियों एवं समाजसेवियों ने अपने जन्मदिन, विवाह वर्षगांठ, पुण्यतिथि, धार्मिक पर्व तथा अन्य शुभ अवसरों पर अन्नदान कर इस सेवा अभियान में सहभागिता निभाई। समाज के इस सहयोग ने यह सिद्ध किया है कि जब उद्देश्य जनकल्याण का हो, तो समाज स्वयं आगे बढ़कर सहयोग करता है।

संयोजकों ने कहा कि राधे–राधे ग्रुप केवल अन्नदान तक सीमित नहीं है, बल्कि सेवा, संस्कार और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को भी मजबूत करने का कार्य कर रहा है। ग्रुप का प्रत्येक सदस्य नर सेवा ही नारायण सेवा के सिद्धांत को अपनाते हुए निस्वार्थ भाव से समाजसेवा में जुटा है।

भविष्य में और विस्तृत होंगे सेवा कार्य

उन्होंने बताया कि आने वाले समय में राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद अन्नदान के साथ–साथ गौसेवा, स्वास्थ्य सेवा, पर्यावरण संरक्षण तथा विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक जनकल्याणकारी गतिविधियों का भी विस्तार करेगा। संगठन का उद्देश्य केवल सेवा करना नहीं, बल्कि समाज में संवेदनशीलता, सहयोग और मानवीय मूल्यों को सशक्त बनाना है।

अंत में सतीश अग्रवाल, जगत नारायण अग्रवाल, राम प्रकाश अग्रवाल एवं महेश अग्रवाल ने सभी दानदाताओं, सहयोगियों, स्वयंसेवकों एवं शुभचिंतकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बेगम बाजार सेवा केंद्र का एक वर्ष पूर्ण होना एक उपलब्धि के साथ–साथ भविष्य में और अधिक समर्पण के साथ कार्य करने की प्रेरणा भी है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि समाज का स्नेह, सहयोग और आशीर्वाद आगे भी इसी प्रकार मिलता रहेगा तथा राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद मानव सेवा के इस पावन अभियान को निरंतर आगे बढ़ाता रहेगा।

सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है और मानवता ही हमारी सबसे बड़ी पहचान है इसी संकल्प के साथ राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद सेवा, समर्पण और संस्कार की इस अखंड ज्योति को निरंतर प्रज्वलित रखेगा।

वैवाहिक वर्षगांठ के शुभ अवसर पर अन्नदान सेवा का पुण्य आयोजन

हैदराबाद, 27 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास स्थित केबीआर पार्क में शनिवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का श्रद्धा एवं सेवा–भाव के साथ आयोजन किया गया। इस अवसर पर भंवरलाल गुप्ता एवं कृष्णा गुप्ता ने अपनी वैवाहिक वर्षगांठ के पावन अवसर पर परिवार सहित अन्नदान सेवा का सहयोग प्रदान किया। ग्रुप के सदस्यों ने इस सेवा कार्य के लिए उन्हें शुभकामनाएँ देते हुए उनके सुखी, स्वस्थ एवं मंगलमय दाम्पत्य जीवन की कामना की। इस अवसर पर कहा गया कि भारतीय संस्कृति में जन्मदिन, वैवाहिक वर्षगांठ तथा अन्य शुभ अवसरों पर सेवा और दान–पुण्य करना अत्यंत पुण्यदायी माना गया है। जरूरतमंदों को भोजन कराना सबसे श्रेष्ठ सेवाओं में से एक है, क्योंकि इससे मानवता की सच्ची सेवा होती है।

राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद पिछले दो वर्षों से निरंतर बिना किसी भेदभाव के समाजसेवा, अन्नदान एवं जनकल्याण के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। ग्रुप का उद्देश्य केवल भोजन वितरित करना ही नहीं, बल्कि समाज में सेवा, सहयोग और संवेदनशीलता की भावना को भी सुदृढ़ करना है।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं समाजसेवियों ने भाग लेकर अन्नदान सेवा में अपना सहयोग दिया। सभी ने राधे–राधे ग्रुप की इस सतत सेवा यात्रा की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी कार्यों को निरंतर जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया। इस अवसर पर उमाकांतजी, सुभाष अग्रवाल, संजय अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, भंवरलाल गुप्ता, कृष्णा गुप्ता, आशीष गुप्ता, अजय गुप्ता, काली गुप्ता सहित परिवार के सदस्य एवं अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

क्षत्रिय राजपूत ट्रस्ट बोर्ड ने मेधावी छात्रवृत्ति हेतु आवेदन आमंत्रित किए

हैदराबाद, 27 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। क्षत्रिय राजपूत ट्रस्ट बोर्ड, अंबरपेट द्वारा राजपूत समाज के मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने एवं उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से मेधावी छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।

ट्रस्ट बोर्ड के अनुसार, एसएससी (10वीं), इंटरमीडिएट, डिग्री एवं स्नातकोत्तर (पोस्ट ग्रेजुएशन) परीक्षाओं में 80 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी छात्रवृत्ति के लिए पात्र होंगे। आवेदन पत्र ट्रस्ट बोर्ड कार्यालय से कार्यालय समय प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक प्राप्त किए जा सकते हैं। पूर्ण रूप से भरे हुए आवेदन पत्र आवश्यक दस्तावेजों सहित जमा करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है। ट्रस्ट बोर्ड ने पात्र विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों से समय पर आवेदन करने का आग्रह किया है। ट्रस्ट बोर्ड ने विश्वास व्यक्त किया कि यह योजना विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी।

आगामी नवदिवसीय श्री संगीतमय रामचरितमानस नवान्हपारायण आयोजन की आवास व्यवस्था एवं कथा स्थल का चयन करने हेतु हैदराबाद से अयोध्या प्रस्थान करते हुए सारडा बंधु संग रामानुज सारडा।

विधायक ने इंदिराम्मा लाभार्थियों को बांटी घड़ियां

मदनूर, 27 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। जुक्कल विधायक थोटा लक्ष्मी कांता राव ने शनिवार को मंडल विकास कार्यालय, मदनूर मंडल केंद्र में इंदिराम्मा योजना के लाभार्थियों को दीवार घड़ियां वितरित कीं। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि प्रत्येक परिवार का विकास और गरीबों का कल्याण तेलंगाना सरकार का मुख्य लक्ष्य है। उन्होंने आश्वासन दिया कि सभी पात्र व्यक्तियों तक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे।

कार्यक्रम में मंडल विकास अधिकारी रानी, कांग्रेस मंडल अध्यक्ष दरासवार सायलु, हनुमान मंदिर के पूर्व अध्यक्ष राम पाटील, विभिन्न गांवों के सरपंचों सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नेता, जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता और लाभार्थी उपस्थित थे।

नाई ब्राह्मण सेवा संघ ने पोचाराम से की मुलाकात

बांसवाड़ा, 27 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। बांसवाड़ा नाई ब्राह्मण सेवा संघ की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी ने शनिवार को बांसवाड़ा विधायक पोचाराम श्रीनिवास रेड्डी और एग्रो इंडस्ट्रीज के चेयरमैन कसुला बलाराजू से मुलाकात कर उन्हें सम्मानित किया। संघ के अध्यक्ष डॉ. कोटवाल तुकाराम ने संगठन की समस्याएं रखीं। एमएलए ने एसोसिएशन बिल्डिंग के अधूरे कार्यों को पूरा करने के लिए 10 लाख रुपये की मांग तुरंत स्वीकार कर ली। साथ ही, भवन के पश्चिम में खाली जगह पर संत सेना महाराज की मूर्ति लगाने की अनुमति पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी।इस दौरान मानद अध्यक्ष कोमपल्ली साईकुमार, कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. कोतवाल तुकाराम, सचिव अनिल कुमार, कोषाध्यक्ष विजय, कोमपल्ली शिवकुमार व अन्य सदस्य उपस्थित थे। संघ ने विधायक का आभार जताया।

डोंगली मंडल अध्यक्ष गजानन देसाई और श्री राम सर ने मल्लापुर गांव में मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया में भाग लिया। मतदाता सूची अधिकारियों से चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि किसी भी समस्या के समाधान के लिए सचिव प्रमोद और ग्राम सरपंच अमृतवर श्रीकांत गंभीरता से काम करेंगे। उन्होंने यह सुनिश्चित करने को कहा कि एक भी वोट न छूटे और सभी मतदाताओं को आवश्यक सहायता मिले।

छत्रपति युवा सेना द्वारा हिंदू साम्राज्य दिवस का भव्य आयोजन

पेद्दापल्ली, 27 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री छत्रपति शिवाजी महाराज के राज्याभिषेक के उपलक्ष्य में छत्रपति युवा सेना द्वारा सिरी फंक्शन हॉल, पेद्दापल्ली में हिंदू साम्राज्य दिवस समारोह आयोजित किया गया।

संस्थापक शिवांगरी सतीश कुमार और जडाला सुरेंदर ने कार्यक्रम का उद्घाटन कर शिवाजी महाराज की मूर्ति पर पुष्पांजलि अर्पित की। सतीश कुमार ने शिवाजी के शौर्य, देशभक्ति और कुशल प्रशासन को आज की पीढ़ी के लिए आदर्श बताया और युवाओं से उनके मार्ग पर चलने का आह्वान किया। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां हुईं और अतिथियों को सम्मानित किया गया। वार्ड 15 पार्षद पेंजरला राकेश, उपसरपंच मेकला कुमार यादव सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता व युवा शामिल हुए।

3 जुलाई तक हर वोटर को मिले एन्यूमरेशन फॉर्म, कलेक्टर का निर्देश

पेद्दापल्ली, 27 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर कोया श्रीहर्ष ने शनिवार को प्रगति नगर, वार्ड 4 में एसआईआर वोटर रजिस्ट्रेशन ऑनलाइन प्रोसेस का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) प्रोग्राम के तहत 3 जुलाई तक हर एलिजिबल वोटर को एन्यूमरेशन फॉर्म बांटने का काम पूरा किया जाए।

कलेक्टर ने कहा कि हर वोटर को दो फॉर्म दिए जाएं – एक डिटेल भरने के लिए और दूसरा एक्नॉलेज कर रसीद के रूप में वोटर को लौटाया जाए। ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम पंचायत सेक्रेटरी, बिल कलेक्टर और शहरी क्षेत्रों में वार्ड ऑफिसर बीएलओ को सहयोग कर प्रक्रिया तेज करें। प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और नियमों के अनुसार हो।

निरीक्षण में तहसीलदार राजैया, म्युनिसिपल कमिश्नर वेंकटेश समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

पोलियो ड्रॉप्स अभियान आज

पेद्दापल्ली, 27 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। पेद्दापल्ली जिले में रविवार, 28 जून को पोलियो ड्रॉप्स पिलाने का अभियान शुरू होगा।

प्रजा सेवा संगम के प्रेसिडेंट एन. डी. तिवारी ने बताया कि अभियान डिस्ट्रिक्ट सेंटर की मुख्य सड़क, स्कूलों, ट्रैवल यार्ड और अन्य प्रमुख स्थानों पर चलाया जाएगा। पांच वर्ष से कम उम्र के सभी बच्चों को पोलियो ड्रॉप्स पिलाई जाएंगी। अभिभावकों से अपील है कि वे अपने बच्चों को लाकर ड्रॉप्स जरूर पिलवाएं।

घर–घर जागरूकता अभियान

मंचेरियाल, 27 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल नगर परिषद के डिवीजन 58 में मतदाता सूची संशोधन सर्वेक्षण (एसआईआर) को लेकर कांग्रेस पार्टी की प्रभारी सरिता ओझा ने घर–घर जाकर लोगों को जागरूक किया और स्वयं एसआईआर पत्र बांटे। उन्होंने लोगों के बीच एसआईआर को लेकर फैली भ्रांतियां दूर कीं। मीडिया से बातचीत में सरिता ओझा ने बताया कि केंद्रीय चुनाव आयोग के आदेश पर चल रहा सर्वेक्षण सुचारु रूप से जारी है। मृत व्यक्तियों और प्रवासियों के नाम मतदाता सूची से हटाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हर नागरिक के लिए एसआईआर करवाना भविष्य के लिए जरूरी है। इस अभियान में बीएलओ नसरीन, आरती पारीक समेत अन्य लोग भी उपस्थित थे।

प्रेम सागर राव ने किया जेडपीएसएस स्कूल मुलकल्ला का निरीक्षण

मंचेरियाल, 27 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल विधायक प्रेम सागर राव ने शुक्रवार को नगर निगम के 16वें डिवीजन स्थित जेडपीएसएस स्कूल, मुलकल्ला का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने शिक्षकों और छात्रों से बात कर समस्याएं जानीं। छात्रों ने मुख्य रूप से पेयजल की समस्या बताई, जिस पर विधायक ने तुरंत संबंधित अधिकारी को समाधान के आदेश दिए।

उन्होंने हर कक्षा का निरीक्षण कर आश्वासन दिया कि अगले तीन महीने में सभी कक्षाओं में सीट, बेंच और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करा दी जाएंगी। विधायक ने विद्यार्थियों से पढ़ाई की जानकारी ली और मन लगाकर पढ़ने की सलाह दी। कार्यक्रम में स्कूल के प्रधानाचार्य, अध्यापक व विद्यार्थी उपस्थित थे।

ग्रेजुएशन डे व फेयरवेल समारोह आयोजित

बांसवाड़ा, 27 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बीएवसी नर्सिंग कॉलेज बांसवाड़ा के छात्रों का पहला ग्रेजुएशन डे और फेयरवेल सेरेमनी भारत गार्डन, बांसवाड़ा टाउन सेंटर में आयोजित की गई।

कार्यक्रम में तेलंगाना स्टेट गवर्नमेंट के एग्रीकल्चरल एडवाइजर एवं बांसवाड़ा के विधायक पोचाराम श्रीनिवास रेड्डी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर नर्सिंग ग्रेजुएशन पूरा करने वाले छात्रों को डिग्री सर्टिफिकेट वितरित किए गए।

समारोह में नर्सिंग कॉलेज प्रिंसिपल श्रीमती अनिप्रनाथी, क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, नेता, छात्र एवं उनके अभिभावक उपस्थित रहे।

बुद्धिमान संतान पाने के लिए कीजिए यह व्रत

हिंदू धर्म ग्रंथों के अनुसार ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को रंभा तृतीया व्रत या कहें रंभा तीज व्रत किया जाता है। इस वर्ष यह व्रत 21 मई यानी गुरुवार के दिन है। इस दिन विवाहित महिलाएं इसलिए व्रत रखती हैं ताकि उन्हें गणेश जी जैसी बुद्धिमान संतान(पुत्री/पुत्र) मिले। और उन पर गौरी यानी माता पार्वती और शिवजी की कृपा बनी रहे।

इस दिन प्रात: दैनिक नित्य कर्मों से निवृत्त होकर पूर्व दिशा की ओर मुख करके बैठें और भगवान सूर्य को लिए दीपक प्रज्वलित करें। पूजन में ऊं महाकाल्यै नमः, महालक्ष्म्यै नमः, महासरस्वत्यै नमः, आदि मंत्रों का जाप करते हुए पूजा करें। इस दिन मंदिर और घर पर ही शिव, पार्वती और गणेश जी की आराधना करके सास-ससुर से आशीर्वाद लिया जाता हैं। सास को पकवान व्यंजन और वस्त्र भेंट किए जाते हैं।

क्या है शिवलिंग पर दूध चढाने का वैज्ञानिक रहस्य

हमारी परंपराओं के पीछे कई सारे वैज्ञानिक रहस्य छिपे हुए हैं, जिन्हें हम नहीं जान पाते क्योंकि इसकी शिक्षा हमें कहीं नहीं दी गई है। भगवान शिव को सावन के महीने में ढेरो टन दूध यह सोंच कर चढाया जाता है कि वे हमसे प्रसन्न होंगे और हमें उन्नती का मार्ग दिखाएंगे।

लेकिन श्रावण मास में शिवलिंग पर दूध चढाने के पीछे क्या कारण छुपा हुआ है वह आज हम आपको बताएंगे। भगवान शिव एक अकेले ऐसे देव हैं जिनकी शिवलिंग पर दूध चढाया जाता है। शिव भगवान दूसरों के कल्याण के लिए हलाहल विषैला दूध भी पी सकते हैं। शिव जी संहारकर्ता हैं, इसलिए जिन चीजों से हमारे प्राणों का नाश होता है, मतलब जो विष है, वो सब कुछ शिव जी को भोग लगता है। भगवान शिव से जानें जीवन जीने का तरीका

पुराने जमाने में जब श्रावण मास में हर जगह शिव रात्रि पर दूध चढता था, तब लोग समझ जाया करते थे कि इस महीने में दूध विष के सामान है और वे दूध इसलिये त्याग देते हैं कि कहीं उन्हें बरसाती बीमारियां न घेर ले। क्या है महाशिवरात्रि का महत्व अगर आयुर्वेद के नजरिये से देखा जाए तो सावन में दूध या दूध से बने खाद्य पदार्थों का सेवन नहीं करना चाहिये क्योंकि इसमें वात की बीमारियाँ सबसे ज्यादा होती हैं। शरीर में वात-पित्त-कफ इनके असंतुलन से बीमारियाँ पैदा होती हैं।

श्रावण के महीने में ऋतू परिवर्तन के कारण शरीर मे वात बढता है। तभी हमारे पुराणों में सावन के समय शिव को दूध अर्पित करने की प्रथा बनाई गई थी क्योंकि सावन के महीने में गाय या भैंस घास के साथ कई कीड-मकौडों का भी सेवन कर लेते हैं। जो दूध को हानिकारक बना देत है इसलिये सावन मास में दूध का सेवन न करते हुए उसे शिव को अर्पित करने का विधान बनाया गया है।

जानें मंदिर में दर्शन करने के पीछे छुपे हैं कौन से वैज्ञानिक रहस्य

मंदिर की संरचना और स्थान के पीछे वैज्ञानिक कारण -मंदिर के लिए हमेशा ऐसा स्थान चुना जाता है जहां सकरात्मक ऊर्जा का भंडार हो। एक ऐसा स्थान जहां उत्तरी छोर से स्वतंत्र रूप से चुम्बकीय और विद्युत तरंगों का प्रवाह हो। अक्सर ऐसे ही स्थान का चयन करके विधिवत मंदिर का निर्माण करवाया जाता है, ताकि लोगों के शरीर में अधिकतम सकारात्मक ऊर्जा का संचार हो।

ईश्वर की मूर्ति - मंदिर में भगवान की मूर्ति को गर्भगृह में या मंदिर के बिल्कुल मध्य स्थान पर स्थापित किया जाता है। ऐसा माना जाता है कि इस स्थान पर सबसे अधिक ऊर्जा होती है जहां सकारात्मक सोच से खडे होने पर शरीर में अच्छी ऊर्जा पहुंचती है और नकारात्मकता दूर भाग जाती है। हमेशा मूर्ति की स्थापना के बाद ही मंदिर का ढांचा खडा किया जाता है।

मंदिर से बाहर चप्पल उतारने के पीछे कारण-आप दुनिया के किसी भी देश में हिंदू मंदिर में प्रवेश करें तो नंगे पैर ही करना पडता है। इसके पीछे वैज्ञानिक कारण यह है कि मंदिर की फर्शों का निर्माण पुराने समय से अब तक इस प्रकार किया जाता है कि ये इलेक्ट्रिक और मैग्नैटिक तरंगों का सबसे बडा स्त्रोत होती हैं। जब इन पर नंगे पैर चला जाता है तो अधिकतम ऊर्जा पैरों के माध्यम से शरीर में प्रवेश कर जाती है।

मंदिर में घंटा बजाने के पीछे वैज्ञानिक कारण -जब भी मंदिर में प्रवेश किया जाता है तो द्वार पर घंटा टंगा होता है जिसे बजाना होता है। मुख्य मंदिर (जहां भगवान की मूर्ति होती है) में भी प्रवेश करते समय घंटा या घंटी बजानी होती है, इसके पीछे कारण यह है कि इसे बजाने से निकलने वाली मधुर ध्वनि से सात सेकेंड तक गूंज बनी रहती है जो शरीर के सात हीलिंग सेंटर्स को सक्रिय कर देती है।

मूर्ति पूजा के समय कपूर जलाने के पीछे वैज्ञानिक कारण - हर मंदिर में मूर्ति पूजा के समय कपूर जलाया जाता है, इसके पीछे वैज्ञानिक कारण यह है कि जब अंधेरे मंदिर में कपूर को जलाया जाता है तो दृष्टि इंद्री सक्रिय हो जाती हैं। दिये के ऊपर हाथ रखने के पीछे वैज्ञानिक कारण -आरती के बाद सभी लोग दिए पर या कपूर के ऊपर हाथ रखते हैं और उसके बाद सिर से लगाते हैं और आंखों पर स्पर्श करते हैं। ऐसा करने से हल्के गर्म हाथों से दृष्टि इंद्री सक्रिय हो जाती है और अचछा महसूस होता है।

ईश्वर पर फूल चढाने के पीछे कारण - भगवान की मूर्ति पर फूल चढाना हर मंदिर में स्वीकार्य होता है। ऐसा करने से मंदिर और मंदिर परिसर में अच्छी और भीनी-भीनी सी खुशबु आती है। अगरबत्ती, कपूर और फूलों की खुशबु से सूंघने की शक्ति बढती है और मन प्रसन्न हो जाता है।

चरणामृत पीने के पीछे वैज्ञानिक कारण -चरणामृत को पांच सामग्रियों (दूध, दही, घी, गंगाजल और तुलसी के दल) से मिलकर बनाया जाता है। इसके बाद, इसे ईश्वर को भोग लगाया जाता है और बाद में सभी दर्शानर्थियों को बांट दिया जाता है। जिस पात्र में इसे रखा जाता है वह तांबे का होता है और उसमें पडी हुई चम्मच चांदी की होती है। इसे पीने से जीहा की इंद्रियां सक्रिय हो जाती हैं

मूल स्थान की परिक्रमा करने के पीछे वैज्ञानिक कारण - हर मंदिर के मुख्य मंदिर में दर्शन करने और पूजा करने के बाद परिक्रमा करनी होती है। परिक्रमा 8 से 9 बार करनी होती है। जब मंदिर में परिक्रमा की जाती है तो सारी सकारात्मक ऊर्जा, शरीर में प्रवेश कर जाती है और मन को शांति मिलती है।

गुरु परंपरा में आदि गुरु हैं 'श्री दत्त'

मार्गशीर्ष (अगहन) मास की पूर्णिमा को दत्त जयंती मनाई जाती है। इस वर्ष यह पर्व 06 दिसंबर के दिन है। शास्त्रों के अनुसार इस तिथि को भगवान दत्तात्रेय का जन्म हुआ था। ब्रहमा, विष्णु और महेश इन तीनों देवताओं की परमशक्ति जब केंद्रित हुई तब 'त्रयमूर्ति दत्त' का जन्म हुआ। अगहन पूर्णिमा को प्रदोषकाल में भगवान दत्त का जन्म होना माना गया है। दत्तात्रेय में ईश्वर और गुरु दोनों रूप समाहित हैं और इसलिए उन्हें 'परब्रहममूर्ति सदगुरु' और 'श्री गुरुदेवदत्त' भी कहा जाता है। उन्हें गुरु वंश का प्रथम गुरु, साधक, योगी और वैज्ञानिक माना जाता है। विविध पुराणों और महाभारत में भी दत्तात्रेय की श्रेष्ठता का उल्लेख मिलता है। वे श्री हरि विष्णु का अवतार हैं। वे पालनकर्ता, त्राता और भक्त वत्सल हैं तो भक्ताभिमानी भी। वेदों को प्रतिष्ठा देने वाले महर्षि अत्रि और ऋषि कर्दम की कन्या अनुसूया के ब्रहमकुल में जन्मा यह दत्तावतार क्षमाशील अंतकरण का भी है।

भारतीय भक्ति परंपरा के विकास में श्री दत्त देव एक अनूठे अवतार हैं। रज-तम-सत्व जैसे त्रिगुणों, इच्छा-कर्म-ज्ञान तीन भावों और उत्पत्ति-स्थिति-लय के एकत्व के रूप में वे प्रतिष्ठित हैं। उनमें शैव और वैष्णव दोनों मतों के भक्तों को आराध्य के दर्शन होते हैं। शैवपंथी उन्हें शिव का अवतार और वैष्णव विष्णु अवतार मानते हैं। नाथ, महानुभव, वारकरी, रामदासी के उपासना पंथ में श्रीदत्त आराध्य देव हैं। तीन सिर, छः हाथ, शंख-चक्र-गदा-पद्म, त्रिशूल-डमरू-कमंडल, रुद्राक्षमाला, माथे पर भस्म, मस्तक पर जटाजूट, एकमुखी और चतुर्भुज या षडभुज इन सभी रूपों में श्री गुरुदेव दत्त की उपासना की जाती है।

मान्यता यह भी है कि दत्तात्रेय ने परशुरामजी को श्रीविद्या-मंत्र प्रदान किया था। शिवपुत्र कार्तिकेय को उन्होंने अनेक विद्याएं दी थी। भक्त प्रल्हाद को अनासक्ति-योग का उपदेश देकर उन्हें श्रेष्ठ राजा बनाने का श्रेय भी भगवान दत्तात्रेय को ही है। महाराष्ट्र और कर्नाटक के तो घर-घर में दत्तोपासना होती है।

श्री दत्त भक्त और श्री दत्त महात्म्य कहने वाला 'श्री गुरुचरित्र' दत्त भक्तों का पवित्र ग्रंथ है। जिसका पारायण मार्गशीर्ष शुक्ल सप्तमी से मार्गशीर्ष पूर्णिमा तक किया जाता है। दत्त महामंत्र 'श्री दिगंबरा दिगंबरा श्रीपाद वल्लभ दिगंबरा' का जप भी प्रभु की शरण प्राप्ति और उनके स्मरण का मंत्र है। माना गया है कि भक्त के स्मरण करते ही भगवान दत्तात्रेय उनकी हर समस्या का निदान कर देते हैं इसलिए इन्हें स्मृतिगामी व स्मृतिमात्रानुगन्ता कहा गया है। अपने भक्तों की रक्षा करना ही श्री दत्त का 'आनंदोत्सव' है। केवल स्मरण यही उनकी सेवा और सच्चे भक्तिभाव से ग्रहण कर रहे अन्ना को उन्हें समर्पित करना ही उनकी पूजा है। श्री गुरुदेव दत्त भक्त की इसी भक्ति से प्रसन्ना होकर स्मरण करने पर उनके निकट जाकर खडे हो जाते हैं और तमाम विपदाओं से रक्षा करते हैं। आदि शंकराचार्य ने तो कहा है, 'सारे ऐहिक सुखों, आरोग्य, वैभव, सत्ता, संपत्ति सभी कुछ मिलने के बाद यदि मन गुरुपद की शरण नहीं गया तो फिर क्या पाया।'

दत्त पादुका पूजन मान्यता है कि दत्तात्रेय नित्य प्रात:काल काशी की गंगाजी में स्नान करते थे। इसी कारण काशी के मणिकर्णिका घाट की दत्त पादुका दत्त भक्तों के लिए पूजनीय है। इसके अलावा मुख्य पादुका स्थान कर्नाटक के बेलगाम में स्थित है। दत्तात्रेय को गुरु रूप में मान उनकी पादुका को नमन किया जाता है।

जन जन को तीर्थंकर बनाती महावीर शिक्षा

महावीर ऐसा अवसर है जो हमें भगवान महावीर के जीवन की उपयोगिता पर विचार करने का अवसर देता है। चूंकि बीते वर्षों में भी समाज में कोई परिवर्तन नहीं दिखता है। हम वैसे ही हैं जैसे थे। अंधकार यथावत है। महावीर द्वारा प्रदत्त प्रकाश हमारे भीतर नहीं पहुंच सका है और इसलिए आज भी महावीर जयंती मनाने की प्रासंगिकता है। आज भगवान का मंदिर बनवाने की आवश्यकता नहीं है स्वनिर्माण की जरूरत है। आचार्य ज्ञानभूषण के अनुसार महावीर जयंती भूमि शुद्धि व दीक्षा दिवस के रूप में अनुपम आयोजन है।

महावीर की वाणी, उनका दर्शन हमारे पास है। आज सबसे बडी कठिनाई यही है कि भक्त उनकी पूजा करना चाहता है उनके विचारों का अनुगमन नहीं करना चाहता है। महावीर का दर्शन केवल अहिंसा और समता का दर्शन नहीं है क्रांति का दर्शन भी है। उनकी प्रजा ने केवल अध्यात्म और धर्म को उपकृत नहीं किया अपितु व्यवहार जगत को भी संवारा है। उनकी मृत्युंजयी साधना ने आत्मप्रभा को ही भास्कर नहीं किया बल्कि अपने समग्र परिवेश को सिंचित किया है। उन्होंने जन जन को तीर्थंकर बनने का रहस्य समझाया है।

दुनिया का सार है श्रीमद्भागवत गीता

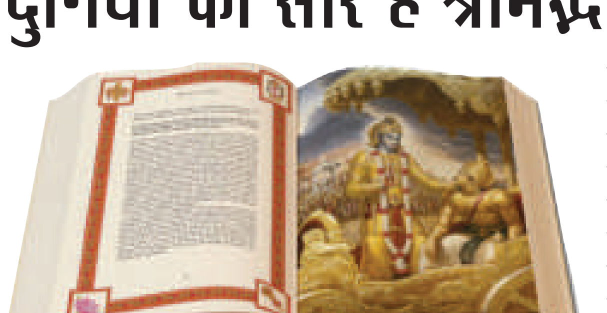

मार्गशीर्ष शुक्ल एकादशी को मोक्षदा एकादशी और गीता जयंती के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन कुरुक्षेत्र की रणस्थली में कर्म से विमुक्त हुए अर्जुन को भगवान कृष्ण ने गीता का उपदेश दिया था। गीता संजीवनी विद्या है। गीता के जीवन-दर्शन के अनुसार मनुष्य महान है।

असीम है। शक्ति का भंडार है। कुरुक्षेत्र की रणभूमि में अर्जुन ने भगवान श्रीकृष्ण से कहा, 'भगवन मैं नहीं लडूंगा।' अपने रिश्तेदारों और गुरुओं का संहार कर मुझे सुख भोगने की इच्छा नहीं है।' परिस्थितिवश अधीर होकर अर्जुन कर्म से विमुख हो गया। कर्तव्य विमुख अर्जुन को जो उपदेश दिया गया वही गीता है। गीता की गणना विश्व की महान ग्रंथों में की जाती है। श्री शंकराचार्य से लेकर विनोबा भावे तक के महान साधकों ने गीता के महत्व को बताया है। लोकमान्य तिलक ने इससे से कर्मयोग लिया। इस गीता के आधार पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने अनासक्ति योग का प्रतिपादन किया। गीता का महत्व का प्रतिपादन करते हुए गांधी जी ने लिखा है कि, 'जब मैं किसी विषय पर विचार करने में असमर्थ हो जाता हूं तो गीता ही मुझे प्रेरणा देती है। महामना पंडित मदनमोहन मालवीय के अनुसार गीता अमृत है। इस अमृत का पान का पान करने से व्यक्ति अमर हो जाता है।' गीता का आरंभ धर्म से तथा अंत कर्म से होता है। गीता मनुष्य को प्रेरणा देती है।

मनुष्य का कर्तव्य क्या है। इसी का बोध करवान गीता का लक्ष्य है। इसी आधार पर अर्जुन श्रीकृष्ण से कहते हैं कि, 'मैं अज्ञान से ज्ञान में प्रवेश पा गया हूं। आपके आदेश का पालन करने के लिए मैं कटिबद्ध हूं।' गीता में कुल 18 अध्याय हैं। महाभारत का युद्ध भी 18 दिन तक ही चला था। गीता में कुल श्लोकों की संख्या 700 है। गीता में भक्ति और कर्मयोग का समन्वय देखने को मिलता है। इसीलिए गीता जयंती के दिन श्रीकृष्ण और गीता की विधिपूर्वक पूजा करना चाहिए।

गजानन के सिर से सीखें, फायदेमंद बातें

भगवान श्रीगणेश के बारे में जितना अधिक जानेंगे। उतना ही ज्ञान आप अर्जित कर सकते हैं, जैसे कि गणेश जी का सिर। भगवान के सिर में मौजूद अंगों से भी आप बहुत कुछ सीख सकते हैं।

भगवान गणेश जी का बडा सिर हमें बडी और फायदेमंद बातें विचार करने पर प्रेरित करता है। उनके बडे कान विचारों और सुझावों को धैर्यपूर्वक सुनने के सीख देते हैं। उनकी छोटी आंखें कार्यों को उचित ढंग से और जल्दी पूरा करने की ओर इशारा करती हैं। भगवान की लंबी नाक हमें अपने चारों और घट रही घटनाओं को सीखने के लिए प्रेरित करती हैं। गणेश जी का छोटा मुंह कम बोलने और ज्यादा सुनने की याद दिलाता है।

यह भी आजमाएं : जो भी करना है अभी करें। हमेशा बेहतर की मांग करें क्योंकि भविष्य वर्तमान में ही मौजूद रहता है। सोच का दायरा बढाएं। सकारात्मक दृष्टिकोण से कार्य करें। सोचना बहुत मेहनत का काम है। समस्याओं को दबाएं और अवसरों को उभारें।

ब्रज की संस्कृति का एक प्रमुख पर्व

गोपाष्टमी पर्व कार्तिक शुक्ल अष्टमी के दिन मनाया जाता है। इस वर्ष यह पर्व 31 अक्टूबर के दिन है। इस दिन सुबह गौ माता को स्नान कराकर, जल, रोली, मौली, अक्षत, मिठाई, जलेबी, दाल, घास, वस्त्र और धूप आदि से विधिवत् पूजन किया जाता है। इस दिन गोपालों की पूजा भी की जाती है। गोपाष्टमी ब्रज में संस्कृति का एक प्रमुख पर्व है। गायों की रक्षा करने के कारण भगवान श्री कृष्ण का नाम 'गोविन्द' पडा। मान्यता है कि इस दिन गौ माता को घास देकर, उनकी परिक्रमा करके, कुछ दूर उनके साथ जाने से सारी मनोकामनाएं पूरी हो जाती हैं।

शाम के समय गौ माता के चरणों की धूल मस्तक पर लगाने से सौभाग्य की प्राप्ति होती है। कहते हैं कार्तिक, शुक्ल पक्ष, प्रतिपदा से सप्तमी तक गो-गोप-गोपियों की रक्षा के लिए गोवर्धन पर्वत को धारण किया था। 8वें दिन इन्द्र अहंकार रहित होकर भगवान की शरण में आए थे। कामधेनु ने श्रीकृष्ण का अभिषेक किया और उसी दिन से कान्हा को गोविंद के नाम से जाना जाता है।

देश के प्राय: सभी भागों में गोपाष्टमी का उत्सव बडे ही उल्लास से मनाया जाता है। कहते हैं कि इस दिन गोशालाओं की संस्था को कुछ दान देना चाहिए। पुराणों के अनुसार ऐसा करने से ही गो वंश की उन्नति हो सकेगी। देवी-देवताओं का निवास पद्म पुराण के अनुसार गाय के मुख में चारों वेदों का निवास हैं। उसके सींगों में भगवान शंकर और विष्णु सदा विराजमान रहते हैं। गाय के उदर में कार्तिकेय, मस्तक में ब्रहमा, ललाट में रुद्र, सीगों के अग्र भाग में इन्द्र, दोनों कानों में अश्विनीकुमार, नेत्रों में सूर्य और चंद्र, दांतों में गरुड, जिहा में सरस्वती, रोमकूपों में ऋषि गण, पृष्ठभाग में यमराज, दक्षिण पार्श्व में वरुण एवं कुबेर, वाम पार्श्व में महाबली यक्ष, मुख के भीतर गंधर्व, नासिका के अग्रभाग में सर्प, खुरों के पिछले भाग में अप्सराएं स्थित हैं।

भगवान की चाहत

एक साधु नदी के पास ध्यान कर रहे थे, तभी एक युवा व्यक्ति ने उन्हें टोकते हुए पूछा, 'गुरूजी, मैं आपका शिष्य बनना चाहता हूँ।' साधु ने कहा, 'क्यों' युवा व्यक्ति ने एक पल के लिए सोचा और फिर कहा, 'क्यों कि मैं भगवान को पाना चाहता हूँ।'गुरु बाहर की और आए, उन्होंने उस व्यक्ति की गर्दन को पकडा, उसे नदी में घसीटा, और उसका सर पानी के नीचे कर दिया। वहाँ उसे एक मिनट के लिए पकडे रखा। वह व्यक्ति खुद को मुक्त करने के लिए लात मार रहा था। गुरु ने अंत में उसे नदी से बाहर खींच लिया। युवक सांस लेने के लिए हांफ रहा था। गुरूजी ने पूछा, 'मुझे बताओ, जब तुम पानी के नीचे थे तो तुम्हे सबसे ज्यादा किस चीज की जरूरत थी।"हवा की' आदमी ने जवाब दिया। 'बहुत अच्छा,' गुरु ने कहा, 'घर जाओ और मेरे पास वापस आना जब तुम्हे भगवान की चाहत भी उतनी ही हो जितनी तुम्हे अभी हवा की थी।'

'कीलक' के राजा शनि और मंगल मंत्री

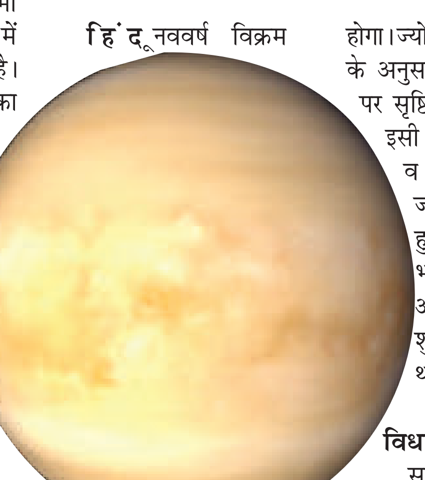

हिंदू नववर्ष विक्रम संवत 2072 का आगमन चैत्र शुक्ल प्रतिपदा अर्थात 21 मार्च से हो रहा है। विक्रम संवत 2072 के राजा शनि और मंत्री मंगल होंगे। इस संवत्सर का नाम कीलक होगा। हालांकि 28 मई, 2015 को सौम्य नामक संवत्सर का प्रवेश हो जाएगा लेकिन वर्ष पर्यंत संकल्पादि में कीलक संवत्सर का ही विनियोग होगा। ज्योतिषाचार्य पं. ऋषि द्विवेदी के अनुसार ब्रहमा ने इसी तिथि पर सृष्टि का आरंभ किया था। इसी तिथि पर मत्स्य अवतार व सतयुग आरंभ भी माना जाता है। इसे महत्व देते हुए सम्राट विक्रमादित्य ने भी अपने संवत्सर का आरंभ 2000 वर्ष पूर्व चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को किया था।

पूजन अनुष्ठान का विधान

सनातन धर्म में संवत्सर पूजन का खास महत्व है। ऐसे में चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को संवत्सर पूजन, नवरात्र घट स्थापन, ध्वजारोपण, तैलाभ्यंग स्नान, वर्षेशादि, फल पाठ, पंचांग श्रवण आदि करना चाहिए। प्रात: कर्म के बाद हाथ में गंध, अक्षत, पुष्प, जल लेकर संकल्प करना चाहिए। बालू की वेदी पर अष्टदल कमल बनाकर ब्रहमादेव की स्वर्ण मूर्ति स्थापित करें। ब्रहमादेव का आहान, आसन, पाद्य, अर्घ्य, आचमन, स्नान, वस्त्र अर्पण, यज्ञोपवीत, चंदन, पुष्प, धूप-दीप नैवेद्य ताम्बूल, नमस्कार, पुष्पांजलि देकर विधिवत पूजन कर पंचांग श्रवण का विधान है। नीम के कोमल पत्ते ग्रहण करें। इससे राजा-प्रजा और देश, राज्य, नगर, ग्राम में शांति रहती है।

चार ग्रहण और अधिकमास

संवत 2072 में चार ग्रहण होंगे जिनमें दो सूर्य ग्रहण तथा दो चंद्र ग्रहण होंगे। भारत में केवल दो चंद्र ग्रहण व एक सूर्य ग्रहण ही दृश्य होगा। अधिकमास भी लगेगा। इसमें आषाढ मास की वृद्धि है।

मसाला चाय की चुस्की आपको देगी ताजगी

हालांकि ग्रीन टी के बहुत सारे स्वास्थ्य लाभ हैं, लेकिन हमारी देसी मसाला चाय ग्रीन टी की तुलना में बहुत ही स्वस्थ और स्वाद में कहीं बेहतर होती है।

पीना चाहेंगे मसाला चाय

हम भारतीय को अपनी चाय के कप से बहुत प्यार होता है, लेकिन जब हरी चाय यानी ग्रीन टी की बात आती है तो हम बहुत उलझन में पड़ जाते हैं। हालांकि ग्रीन टी के बहुत सारे स्वास्थ्य लाभ हैं, लेकिन हमारी देसी मसाला चाय ग्रीन टी की तुलना में बहुत ही स्वास्थ्य और स्वाद में कहीं बेहतर होती है। इसके अलावा इसे बनाने भी बहुत आसान होता है और मसाला चाय बनाने के लिए आपको निर्माताओं पर निर्भर रहने की भी जरूरत नहीं होती है। इसके लिए आपको लौंग, इलायची, अदरक, दालचीनी, तुलसी और कुछ चाय की पत्ती की जरूरत होती है और यह सब मसाले सभी भारतीय रसोई में आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं। यहां आपकी चाय को अद्वितीय और स्वस्थ बनाने वाली कुछ बातों के बारे में बताया गया है जिनको जानने के बाद इस चाय को पीना कभी नहीं छोड़ेगें।

एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर

मसाला चाय बनाने में इस्तेमाल होने वाले सभी मसाले केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य लाभ ही नहीं देते बल्कि सूजन का मुकाबला करने के लिए शरीर में तालमेल बनाने के काम भी करते हैं। सूजन को कम करने में मदद करने वाला सबसे महत्वपूर्ण तत्व अदरक है। लौंग सूजन को कम करने में मददगार दूसरा अच्छा उपाय है। यह शरीर की मांसपेशियों की सूजन को कम करने में आपकी मदद करता है। यह दोनों मसाले बहुत ही शक्तिशाली दर्द निवारक है।

थकान को दूर

दिन भर की थकान के बाद गर्मा-गर्म मसाला चाय का एक प्याला किसी जादू से कम नहीं होता। इसमें मौजूद टैनिन नामक तत्व शरीर को शांत और पुनर्जीवित करने का काम करता है। इसके अलावा चाय में कैफीन एक उत्तेजक की तरह काम करता है। हांलाकि इसमें कॉफी की तुलना में बहुत कम मात्रा में कैफीन होता है, लेकिन वह उसी की तरह प्रभावशाली होता है। चाय में मौजूद यह मिश्रण थकान को दूर करने का सबसे अच्छा तरीका है।

कोल्ड और फ्लू को दूर भगाए

मसाला चाय में मौजूद एंटीबैक्टीरियल, एंटी-फंगल और एंटी पैरासिटिक गुणों के कारण यह प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाने और आम संक्रमण से बचने के लिए जाना जाता है। इसके अलावा लौंग, दालचीनी, इलायची और अदरक के प्रभाव के कारण यह खांसी और जुकाम को दूर रखने का एक शानदार तरीका है।

पाचन में सुधार करें

मसाला चाय में मौजूद मसाले जैसे लौंग, तुलसी, अदरक और इलायची के कारण यह एसिडिटी से परेशान लोगों के लिए बहुत फायदेमंद होती है। हालांकि मसाला चाय की प्रकृति अत्यधिक अम्लीय होती है लेकिन इसमें अदरक मिलाने के बाद यह पाचन तंत्र को दुरुस्त रखने में मदद करती है और वास्तव में यह चाय के अम्लीय प्रकृति को भी दूर करती है।

चयापचय को बढ़ावा दें

अच्छा चयापचय शरीर को आहार को पचाने और भोजन के उपयोग में मदद करने जैसी अन्य बातों के लिए भी जिम्मेदार होता है। अपने स्वास्थ्य का एक अनिवार्य हिस्सा होने के नाते, चाय पीने से आपके पूरे पाचन तंत्र में सुधार होता है। इसके अलावा आयुर्वेद में, चाय को गर्मी पैदा करने वाले भोजन के रूप में जाना जाता है और इसलिए यह आपके चयापचय में तेजी लाने में मदद करता है।

दिल के लिए अच्छी होती है काली चाय

काली चाय (मसाला चाय के मुख्य घटकों में से एक) मजबूत एंटी ऑक्सीडेंट गुणों के लिए जानी जाती है। इसके अलावा, लौंग और इलायची जैसे मसाले भी खराब कोलेस्ट्रॉल की मात्रा को कम करने और अच्छे कोलेस्ट्रॉल की मात्रा में सुधार करने में मदद करते हैं। इस प्रकार, धमनी ब्लॉकों में पट्टिका गठन की राशि को कम करने में मदद करती है। चाय में मौजूद टैनिन भी रक्त वाहिकाओं को विस्फारित कर हृदय गति और रक्तचाप को नियंत्रित करने में मदद करने के लिए जाना जाता है।

डायबिटीज से बचाए

लौंग, दालचीनी और इलायची इन सभी की मौजूदगी से शरीर में इंसुलिन के प्रति संवेदनशीलता बढ़ जाती है और यह रक्त शर्करा के स्तर को कम करके मधुमेह को रोकने में मदद करने के लिए जाना जाता है। दालचीनी तेज दिमाग पाने और अल्जाइमर जैसे रोगों की शुरुआत को रोकने में मददगार होती है और लौंग शरीर को शर्करा के बेहतर उपयोग में मदद करती है।

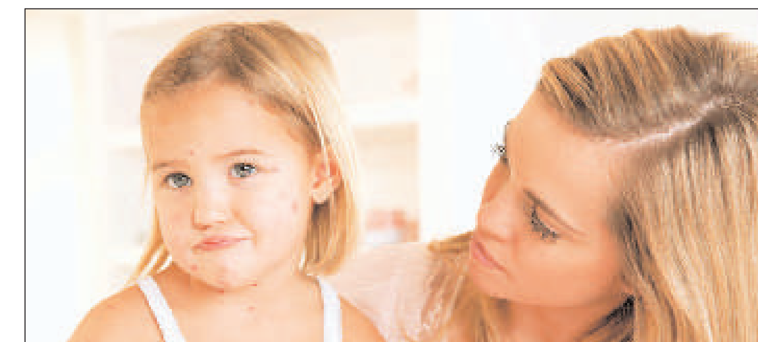

वैक्सीन से करिए चिकन पॉक्स का इलाज

मौसम बदलते ही संक्रमक रोगों से पीडित रोगियों की संख्या बढने लगती है। चिकनपॉक्स, खसरा, काला जार व डायरिया का संक्र मण फैलने लगता है। चिकन पॉक्स एक संक्रामक बीमारी है। चिकन पॉक्स छोटी चेचक नाम से भी जानी जाती है। यह संक्र मण 1 से लेकर 10 वर्ष तक के बच्चों में ज्यादातर पाया जाता है। ज्यादा दिनों तक बीमार रहने पर भी यह इंफेक्शन हो जाता है। खान-पान में आई अनियमितता इस बीमारी का प्रमुख कारण होता है। तेजी से खुजली होना, लाल दाने निकल आना इस बीमारी के प्रमुख लक्षण हैं।

चिकनपॉक्स के कारण

» यह बीमारी खान-पान में असावधानी बरतने से ज्यादातर होती है। जैसे दूषित भोजन या पानी का सेवन कर लेना या फिर खुला खादय पदार्थ खाना, इस बीमारी को दावत देने जैसा होता है।

» इसके अलावा अत्यधिक ठंड या गर्म होने से भी यह बीमारी होती है। हवा में मौजूद बेरीसेला वायरस ठंड में ज्यादा सक्रिय होता है जो बच्चों को प्रभावित करता है।

» जिन बच्चों की त्वचा ज्यादा संवेदनशील होती है, उसे चिकेन पॉक्स होने की ज्यादा संभावनाएं होती हैं।

» ज्यांदा कडे साबुन या ज्यादा देर तक स्नान करने से भी यह इंफेक्शन हो जाता है।

» ज्यादा छोटे बच्चों में मां के दूध को छोडकर अन्य खाद्य पदार्थ खिलाने से यह इंफेक्शन फैल सकता है।

चिकन पॉक्स के लक्षण

सबसे पहले बच्चों में बुखार आता है जो दो दिनों तक रहता है। फिर शरीर में दाने निकल आते हैं। इसमें छह दिन बाद दाने स्वयं ही समाप्त हो जाते हैं लेकिन पीड़ित बच्चा कमजोर हो जाता है और शरीर की प्रतिरोधी क्षमता कमजोर हो जाती है।

लाल उभरे दाने से शुरू होता है।

» लाल दाने बाद में फफोलों में बदल जाते हैं। » मवाद आने लगता है, मवाद फूटकर खुरदुरा हो जाता है। » यह मुख्य रूप से चेहरे, खोपडी, रीढ और टांगों पर दिखाई देती है।

» इसमें तेज खुजली होती है।

» भूख ना लगना, उल्टी होना इसका प्रमुख लक्षण है।

चिकन पॉक्स से बचाव के लिए रखें ख्याल

- चिकन पॉक्स से बचने के लिए सबसे ज्यादा जरूरी है खान-पान का ध्यान रखें। खुले में रखा खाद्य पदार्थ बिल्कुल भी न लें।
- चिकन पॉक्स एक संक्रमण की बीमारी होती है जो एक व्यक्ति से दूसरे में जा सकती है। इसलिए जिसे भी यह बीमारी हुई वे एक-दूसरे से दूर रहें जिससे इंफेक्शन का खतरा न हो।
- बच्चे के माता-पिता इस बात का विशेष ध्यान रखें कि बच्चा यदि बीमार है तो उसे स्कूल न भेजें ताकि दूसरे बच्चे इस संक्रमण की चपेट में न आएं।
- यह बीमारी ज्यादा खतरनाक तो नहीं है लेकिन बच्चे के शरीर को नुकसान पहुंचा सकती है। जैसे भी इस बीमारी के लक्षण दिखें तुरंत ही डॉक्टर से संपर्क करें।
- इस बीमारी से बचने के लिए ठंड से बच्चों का बचाव करें, क्योंकि ठंडी हवा में इस बीमारी का वायरस बेरीसेला ज्यादा सक्रिय होता है।
- चिकन पॉक्स के इलाज के लिए कई प्रकार की दवाईयां और वैक्सीन बाजार में उपलब्ध हैं। इनका प्रयोग करके इस बीमारी से निजात पायी जा सकती है।

पोलो टी-शर्ट से पा सकते है-स्मार्ट लुक

हर पुरूष को अपनी वार्डरोब में पोलो टी-शर्ट को रखना बेहद पसंद होता है। पोलो टी शर्ट काफी आरामदायक होती हैं। ये काफी क्लासी होती हैं जिन्हे सिर्फ एक क्लास के ही लोग पसंद करते हैं। पोलो टी शर्ट को चाहें तो फॉर्मल कपड़ों में पहने या फिर किसी खास इवेंट में। खेलने वाले खिलाडियों को एक विशेष ड्रेस पहनकर खेलना होता था। धीरे-धीरे ये शौक बन गया है और प्राईवेट पोलो ग्राउंड पर भी लोग इसे पहन कर खेलना पसंद करने लगे। अब इन्हे सिर्फ ग्राउंड पर पहनने की जरूरत नहीं है, आप किसी भी मौके पर इसे पहन सकते हैं फॉर्मल मीटिंग केअलावा । अगर आपको अपनी वॉर्डरोब में किसी टी-शर्ट को रखना है तो ब्लैक कलर की टी शर्ट सबसे बेस्ट होती है। यह सभी कलर के पैंट या जींस के चलती है और इम्प्रेसिव भी लगती है। आप चाहें सफेद पोलो टी शर्ट भी ले सकते हैं। इसे ऑफिस या बाहर भी आराम से पहना जा सकता है। आप शॉर्ट्स के साथ भी इसे पहन सकते हैं। किसी भी कंट्रास्ट कलर के पैंट के साथ पहना जाता है। पोलो टी शर्ट में धारीदार/स्ट्रिप टी शर्ट भी आती हैं, अधेड़ उम्र के पुरूषों पर जमती हैं।

छोटे कद की लड़कियां भूल कर भी ना पहनें ऐसी ड्रेसेस

फैशन में लम्बाई काफी अहम भूमिका निभाती है। इसी वजह से फैशन जगत में लम्बे लोगों की धूम होती है। हर शो में आपको लम्बे लोगों की तूती बोलती नज़र आएगी। ऐसे में हाईट के मसले पर समझ नहीं आता है कि मार्केट में छोटी लड़कियों के लिए क्या है और वह किसमें ज्यादा अच्छी नजर आएगी। क्योंकि लम्बी लड़कियां कुछ भी पहनें और किसी भी डिजाइन के कपड़े पहनें, उन पर जंचता है लेकिन कम हाईट वाली लड़कियों पर हर प्रकार के कपड़े अच्छे नहीं लगते हैं। आज हम इस आर्टिकल में कम ऊंचाई वाली लड़कियों के लिए कुछ स्पेशल टिप्स और ड्रेस के बारे में बताएंगे। छोटे कद की लड़कियों को लम्बे और धारीदार कपड़े पहनने चाहिए, साथ ही क्र ॉस या चेक प्रिंट के कपड़े न ही पहनें तो बेहतर रहेगा।

नॉर्मल हील ही पहनें और खुद को छोटे कद का समझकर परेशान न हों। अपने आपको अच्छी तरह ड्रेसअप करें, बस इसके लिए आपको कुछ विशेष बातों का ध्यान रखना होगा, तो कि निम्न प्रकार हैं:-

बरमूडा शॉर्ट्स

इसे पहनने से छोटा कद भी सही लगने लगता है और लोगों की नजर में आप उतनी छोटी नहीं दिखेगी जितनी आप हैं। आप चाहें तो मध्यम ऊंचाई वाला ट्राउजर भी पहन सकती हैं।

वाइड-लेग्ड पैंट

इस तरह के पैंट को न ही पहनें तो बेहतर होगा। इससे कद काफी कम लगने लगता है।

शर्ट ड्रेसेस

ये ड्रेस बहुत प्यारी होती हैं लेकिन आप पर उतनी प्यारी भी नहीं लगेगी। इसलिए इन्हें न ही पहनें तो उचित रहेगा।

ओवर-साइज बैग्स

कोशिश करें और बैग को अपने साइज के हिसाब से जोड़ लें। ओवरसाइज बैग, आपको बेहद सुंदर बना देते हैं।

मिड-काफ बूट

ये बूट अच्छे तो बहुत लगते हैं लेकिन इन्हें पहनने से हाईट काफी कम लगती है। इसलिए छोटे कद की लड़कियां इसे न पहनें।

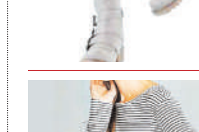

आड़े प्रिंट वाली ड्रेस

शर्ट, टॉप या ड्रेस को हॉरीजोन्टल प्रिंट या आड़े प्रिंट पर न पहनें। इससे कद कम लगने लगता है।

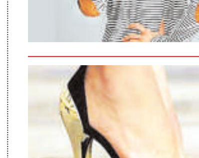

एंकल-स्ट्रेप हील

इसे पहनने के बाद आप उचकी-उचकी सी दिखेगी। इसलिए, इसे न ही पहनें तो बेहतर होगा।

हल्दी वाले दूध पीने के फायदे

हल्दी और दूध, सेहत के लिहाज से इनके कई फायदे विभिन्न शोधों में माने गए हैं लेकिन गर्म दूध के साथ हल्दी का सेवन भी आपकी सेहत के लिए कम फायदेमंद नहीं हैं। हल्दी एंटी माइक्रोबियल है इसलिए इसे गर्म दूध के साथ लेने से दमा, ब्रोंकाइटिस, फेफड़ों में कफ और साइनस जैसी समस्याओं में आराम हो सकता है। यह बैक्टीरियर और वायरल संक्रमणों से लडने में मददगार है। गर्म दूध के साथ हल्दी के सेवन से शरीर में जमा फैट्स घटता है। इसमें मौजूद कैल्शियम और मिनिरल्स सेहतमंद तरीके से वेट लॉस में मददगार हैं। हल्दी में अमीनो एसिड है इसलिए दूध के साथ इसके सेवन के बाद नींद गहरी आती है।

अनिद्रा की दिक्कत हो तो सोने से आधे घंटे पहले गर्म दूध के साथ हल्दी का सेवन करें। हल्दी वाले दूध के सेवन से गठिया से लेकर कान दर्द जैसी कई समस्याओं में आराम मिलता है। इससे शरीर का रक्त संचार बढ़ जाता है जिससे दर्द में तेजी से आराम होता है। आयुर्वेद में हल्दी वाले दूध का इस्तेमाल शोधन क्रिया में किया जाता है। यह खून से टॉक्सिन्स दूर करता है और लिवर को साफ करता है। पेट से जुड़ी समस्याओं में आराम के लिए इसका सेवन फायदेमंद है। हल्दी वाले दूध के सेवन से पीरियड्स में पडने वाले क्रैंम्स से बचाव होता है और यह मांसपेशियों के दर्द से छुटकारा दिलाता है। दूध में कैल्शियम अच्छी मात्रा में होता है और हल्दी में एंटीऑक्सीडेट्स भरपूर होते हैं इसलिए इनका सेवन हड्डियों को मजबूत करता है और शरीर की प्रतिरोधी क्षमता घटाता है।

संभालकर बनाएं आर्ट रेस्टोरेशन में करियर

आर्ट रेस्टोरेशन , नाम सुनकर हो सकता है यह आपको थोड़ा नया लगे लेकिन क्या आपको हिट फिल्म लव आजकल में दीपिका पादुकोण का किरदार याद है ? जिसमें दीपिका ने आर्ट रेस्टोरेटर मीरा पंडित की भूमिका निभाई है। इस यादगार किरदार के साथ ही ऑन डिमांड करियर बन गया है आर्ट रेस्टोरेशन।

यह करियर प्रोफेशनल पेंटिंग का ही एक अलग रूप है, जिसमें पुरानी हवेलियों या किलों की खराब हो चुकी आर्ट को फिर से नया बनाया जाता है। प्राचीन कलाकृतियां, मूर्तियां, पेंटिंग्स आदि किसी भी देश की अमूल्य धरोहर समझी जाती हैं। कलाकृतियों के संरक्षण व रख-रखाव का यह कार्य आर्ट-रेस्टोरर द्वारा किया जाता है।

योग्यता : आर्ट- रेस्टोरर बनने के लिए फाइन आर्ट तथा रसायन विज्ञान में स्नातक होना अनिवार्य है। इस क्षेत्र में दो साल का मास्टर डिग्री कोर्स कराया जाता है। जिसके तहत आपको पेंटिंग रेस्टोरेशन, मेटल वर्क, टेक्सटाइल, पेपर वर्क और मैन्यूस्क्रिप्ट आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाती है। योग्यता कंजर्वेशन में मास्टर डिग्री कोर्स करने के लिए आपके पास केमिस्ट्री, जियोलॉजी, फिजिक्स, बॉटनी, जूलोजी, कंप्यूटर साइंस, फाइन आर्ट्स, हिस्ट्री, हिस्ट्री ऑफ आर्ट, आर्किटेकेच र, आर्कियोलॉजी, म्यूजियोलॉजी में से किसी एक विषय में ग्रेजुएट की डिग्री होनी चाहिए। इससे संबंधित कोर्स करने के लिए फीस भी बहुत ज्यादा नहीं है। कुछ संस्थानों में स्कॉलरशिप भी ऑफर की जाती है।

संभानाएं: ऐतिहासिक इमारतों को संजोकर रखने में पुरातत्व विभाग के रेस्टोरर की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। रेस्टोरेशन का काम सिर्फ सरकारी विभागों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसने एक उद्योग का रूप ले लिया है। जॉब की संभावनाएं इस कोर्स को करने के बाद आपको आर्ट गैलरी, म्यूजियम सहित कई जगहों पर काम मिल जाता है। शुरू में आपको अनुभव हासिल करने के लिए किसी अच्छे आर्ट रेस्टोरर के साथ काम करना पड़ सकता है। कुछ साल का अनुभव होने के बाद आप अपना प्राइवेट वर्क भी शुरू कर सकते हैं। कॉलेज और यूनिवर्सिटीज की लाइब्रेरी में भी आपको मौका मिलता है। कोर्स को करने के बाद आपको सरकारी नौकरी भी मिलती है।

प्रमुख संस्थान: नेशनल म्यूजियम इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली

प्रवेश: एडिटंग से संबंधित कोर्स में एडमिशन लेने के लिए किसी भी स्ट्रीम में ग्रेजुएट होना आवश्यक है। शॉर्ट- टर्म कोर्स के लिए कम से कम बारहवीं उत्तीर्ण होना जरूरी है। कंप्यूटर की बेसिक नॉलेज रखने वालों को इसे सीखने में आसानी होती है। इसके अलावा आपमें क्रिएटिविटी और संगीत की समझ होने की भी

जरूरत होती है।

संभावनाएं: एलएलई कोर्स करने और इसमें कुशलता हासिल करने के बाद विभिन्न चैनल्स न्यूज एवं एंटरटेनमेंट, प्रोडक्शन हाउस और फिल्म कंपनियों में आसानी से काम मिल जाता है। कोर्स करने के बाद प्रोडक्शन हाउस या टेलीविजन चैनल में आकर्षक वेतन मिलता है। कुल मिलाकर इस क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं।

प्रमुख प्रशिक्षण संस्थान

- भारतीय जनसंचार संस्थान, नई दिल्ली
- मास कम्युनिकेशन रिसर्च सेंटर, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली
- कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र
- डिपार्टमेंट ऑफ कम्युनिकेशन स्टडीज, यूनिवर्सिटी ऑफ पुणे
- सिंहगढ़ कॉलेज ऑफ आर्किटेक्चर, पुणे
- दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ हैरिटेज रिसर्च एंड मैनेजमेंट, दिल्ली
- नेशनल रिसर्च लैबोरेटरी फॉर कंजरवेशन ऑफ कल्चरल प्रॉपर्टी, लखनऊ

क्षय रोग (टी.बी) एक संक्रामक बीमारी

क्षय रोग होने पर रोगी का शरीर कमजोर हो जाता है, उसका वजन कम होने लगता है और रोगी को थकान महसूस होने लगती है। इसके साथ ही रोगी को खांसी व तेज बुखार भी होने लगता है। तपेदिक का प्रभाव रोगी के फेफड़ों, हड्डियों, ग्रंथियों तथा आंतों में कहीं भी देखने को मिल सकता है। इसके बैक्टीरिया इतने सूक्ष्म होते हैं कि एक्स रे के जरिए ही उनकी पहचान की जा सकती है।

क्षय रोग के कारण

बैक्टीरिया द्वारा: टी.बी माइक्रोबैक्टीरियम नामक बैक्टीरिया की वजह से होता है। यह बैक्टीरिया फेफड़ों आदि में उत्पन्न होकर उसमें घाव कर देते हैं। यह कीटाणु फेफड़ों, त्वचा, जोड़ों, मेरूदण्ड, कण्ठ, हड्ड्यों, अंतड़ियों आदि पर हमला कर सकते हैं।

रोगी के संपर्क से: किसी भी क्षय रोगी के संपर्क में रहने से उसके खांसने, छींकने व थूकने से बैक्टीरिया स्वस्थ व्यक्ति के शरीर में प्रवेश कर जाते हैं।

गलत रहन-सहन से: क्षय रोग उन व्यक्तियों के होने की संभावना ज्यादा होती है जिनके खान-पान तथा रहन-सहन का तरीका गलत होता है। इन खराब आदतों के कारण शरीर में विजातीय द्रव्य (दूषित द्रव्य) जमा हो जाते हैं और शरीर में रोग उत्पन्न हो जाता है।

प्रतिरोधक क्षमता कम होने से: शरीर में प्रतिरोधक क्षमता कम होने के कारण क्षय रोग होने की ज्यादा संभावना होती है। क्योंकि शरीर में क्षय रोग के जीवाणु से लड़ने की क्षमता नहीं होती है।

कार्यक्षमता से अधिक काम करने पर: क्षय रोग व्यक्ति को तब हो जाता है जब रोगी अपने कार्य करने की शक्ति से अधिक कार्य करता है।

गीले व धूल भरे वातावरण से: अधिक गीले स्थान पर रहने तथा धूल भरे वातावरण में रहने के कारण भी क्षय रोग हो जाता है।

धूप की कमी से: प्रकाश तथा धूप की कमी के कारण तथा खान-पान में अनुचित ढंग का प्रयोग करने के कारण भी क्षय रोग हो सकता है।

माता-पिता से बच्चों को: क्षय रोग के कीटाणु या तो छोटे बच्चे के माता-पिता से या गलत तरीके के रहन-सहन से बच्चों को होता है।

कुपोषण से: कुपोषण या अत्यधिक कम वजन होने से टी.बी के बैक्टेरिया जल्दी शरीर पर अटैक करते हैं।

अल्कोहल या नशीली दवाओं से: अत्यधिक अल्कोहल या नशीली दवाओं के सेवन से तपेदिक होने का खतरा बढ़ जाता है।

जिज्ञासा

लाफिंग गैस क्या है?

बच्चो, आपने अश्रु-गैस यानी टीअर गैस के बारे में तो सुना होगा। पुलिस इसका प्रयोग अक्सर प्रदर्शनकारियों की भीड़ को तितर-बितर करने के लिए करती है। यह गैस लोगों की आंखों पर प्रभाव डालती है तथा उनमें से आंसू बहने लगते हैं। इसलिए इसे अश्रु -गैस कहते हैं। पर क्या आप जानते हैं कि लॉफिंग गैस क्या है ?

जैसे टीअर गैस लोगों को रुलाती है, वैसे ही लाफिंग गैस लोगों को हंसाने का काम करती है। लाफिंग-गैस अर्थात हंसाने वाली गैस को नाइट्रस ऑक्साइड (nwo) कहते हैं। इसकी खोज का श्रेय इंग्लैंड के वैज्ञानिक जोसफ प्रीस्टलै को जाता है। उन्होंने इस गैस की खोज 1772 में की थी। सूंघने पर यह गैस हमारे खून में मिलकर दिमाग के हंसी-केंद्र को उतेजित कर देती है। इसी उतेजना के कारण मनुष्य जोर-जोर से हंसने लगता है। जहां इस गैस का प्रभाव शीघ्रता से होता है, वहीं समाप्त भी जल्दी होता है। आरम्भ में इस गैस का प्रयोग डॉक्टर बिना दर्द महसूस किए मरीजों के दांत निकालने के लिए करते थे। अधिक मात्रा में लाफिंग-गैस को सूंघना हानिकारक हो सकता है। इसलिए इसका प्रयोग नहीं करना चाहिए।

दिमाग की बज़ी

क्या मछलियां पानी पीती हैं?

मीठे पानी की मछलियों के शरीर के द्रव, जिस पानी में वे रहती हैं, उसके मुकाबले ज्यादा खारे होते हैं, इसलिए रसाकर्षण यानी ऑस्मॉसिस की प्रक्रिया द्वारा उनकी त्वचा से होकर पानी लगातार उनके शरीर में पहुंचता रहता है। शरीर में इतना पानी पहुंचने के कारण मछलियों को पानी पीने की कोई जरूरत नहीं पड़ती। लेकिन समुद्री मछलियों के शरीर के द्रव बाहर के पानी से कम नमकीन होते हैं। इसलिए उनके शरीर का पानी लगातार बाहर जाता रहता है। अपनी त्वचा से बाहर जाते पानी के इस नुकसान को पूरा करने के लिए उन्हें बड़ी मात्रा में पानी पीना पड़ता है। पानी के साथ जो अतिरिक्त नमक उनके शरीर में पहुंचता है, वह उनके गलफड़ों तथा पाचन मार्ग से बाहर निकल जाता है। मछलियां जो भी पानी पीती हैं, उसकी उन्हें ज़रूरत होती है। इसलिए समुद्री मछलियां बहुत कम मूत्र त्याग करती हैं। इसके विपरीत मीठे पानी की मछलियां अपने शरीर का अतिरिक्त पानी निकालने के लिए काफी ज्यादा पेशाब करती हैं।

क्या आप जानते हैं?

- मकड़ी की लगभग 34,000 प्रजातियां होती हैं।
- मकड़ी की आमतौर पर आठ आंखें होती हैं, पर फिर भी उसकी नजर बहुत अच्छी नहीं होती।
- केवल मादा ब्लैक विडो स्पाइडर के डंक में ही जहर होता है, लेकिन यह बहुत ज्यादा घातक नहीं होता। केवल एक फीसदी लोगों की ही इसके डंक से मौत होती है, अन्य को एंटीवेनिन का इस्तेमाल करके बचा लिया जाता है।
- मादा मकड़ी की कुछ खास प्रजातियां, जैसे ऑस्ट्रेलियन क्रैब स्पाइडर अपने बच्चों की भूख मिटाने के लिए खुद उनका भोजन बन जाती हैं।
- कुछ नर मकड़ियां मादा मकड़ियों को आकर्षित करने के लिए अपने जाले को गिटार की तरह बजाते हैं।

नन्हें फरिश्ते

कार्टून सीरियल्स में आपने फूलों और तितलियों की रंगबिरंगी दुनिया खूब देखी होगी और सराही भी होगी। तितलियां कुदरत की सबसे खूबसूरत रचनाओं में से एक हैं। अगर हम आपको सचमुच में तितलियों के देश में ले जाएं, तो यह कितना रोमांचक होगा न। चारों ओर रंग-बिरंगे तरह-तरह के फूल और उन पर मंडरातीं तितलियां। जरा आंखें बंद करके यह नजारा देखो, आपके चेहरे पर खुशी बिखर जाएगी। और अगर आपको तितलियों की खूबसूरत दुनिया में जाने का मौका मिले, तो आप यकीनन इसे खोना नहीं चाहेंगे। यहां आपको तितलियों के बारे में कई रोचक जानकारियां भी मिलेंगी। बैंगलुरू से करीब 21 किलोमीटर दूर बनरघट्टा बायोलॉजिकल पार्क परिसर में बटरफ्लाई पार्क है। बटरफ्लाई पार्क में आप अधिक संख्या में विभिन्न तरह की तितलियां देख सकते हैं। बटरफ्लाई पार्क के लिए यह आइडियल लोकेशन थी, क्योंकि यहां कई तरह की प्राकृतिक वैजिटेशन हैं। साढ़े सात एकड़ में फैला यह पार्क जू अथॉरिटी ऑफ कर्नाटक, यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रिकल्चरल साइंस और अशोका ट्रस्ट फॉर रिसर्च इन इकोलॉजी एंड एनवायरमेंट का एक संयुक्त प्रयास है। यह देश का पहला और एशिया का सबसे बड़ा बटरफ्लाई पार्क है। यहां तितलियों की 100 से अधिक प्रजातियां हैं। यह पार्क बच्चों को प्रकृति के करीब लाने का एक बढ़िया प्रयास है। दूर से देखने पर यह पार्क भी एक बड़ी तितली की तरह ही दिखता है। इस पार्क को तीन हिस्सों में बांटा गया है- कंजरवेट्री, म्यूजियम और ऑडियो-विज़्यूअल रूम।

बटरफ्लाई कंजरवेट्री

कंजरवेट्री एक गोलाकार अहाता है, जो 10,000 वर्ग फुट एरिया में फैला हुआ है, जिसकी छत पॉलीकार्बोनेट से बनी है। इसमें लगभग 20 प्रजातियों की तितलियों का बसेरा है। यहां आपको सब तरफ खूबसूरत फूल और उन पर मंडराती तितलियां दिखाई देंगी। आपकी नजर जहां भी जाएगी, आपको सुंदर तितलियां ही दिखाई देंगी।

कंजरवेट्री के अंदर तितिलियों की विभिन्न प्रजातियों के रहने के लिए सावधानी पूर्वक वातावरण बनाया गया है। यहां के तापमान को भी तितलियों के अनुसार ही सैट किया गया है। नम वातावरण बनाने के लिए यहां आर्टिफिशियल वाटरफॉल भी बनाया गया है, जिसके ऊपर संकीर्ण ब्रिज है। यहां तितलियों को आकर्षित करने के लिए कलरफुल पेड़-पौधे और झाड़ियां भी लगाई गई हैं। यहां आप तितलियों का पूरा जीवन चक्र भी देख सकते हैं।

म्यूजियम

म्यूजियम में तितलियों से जुड़ी कई रोचक व शिक्षाप्रद जानकारियां मिलती हैं। यहां तितलियों की ऐसी प्रजातियों को भी संरक्षित करके रखा गया है, जो अब नहीं पाई जातीं। यहां तितलियों के जीवन चक्र को बहुत ही सुंदर ढंग से प्रदर्शित किया गया है।

ऑडियो-विजुअल रूम

यहां आप तितलियों के बारे में अपनी जानकारी में इजाफा कर सकते हैं। ऑडियो-विजुअल रूम में प्रोजैक्टर के जरिए तितलियों के जीवन चक्र को अच्छी तरह से समझा जा सकता है।

मजेदार जानकारियां

- दुनियाभर में तितलियों की करीब 24,000 प्रजातियां हैं। ये अंटार्कटिका के अलावा दुनिया के हर हिस्से में पाई जाती हैं।
- तितली का जीवनकाल बहुत छोटा होता है। ये एक हफ़्ते से एक साल तक जिंदा रह सकती हैं। यह उनकी प्रजाति पर निर्भर करता है।
- तितली 12 मील प्रति घंटे की रफ्तार से उड़ सकती है और माइग्रेट करने के लिए लंबी दूरियां तय करती है। सबसे तेज गति मोनार्च तितली की रिकॉर्ड की गई है, जो 17 मील प्रति घंटा है।
- तितलियां मुंह या एंटीना से भोजन को टेस्ट नहीं करतीं, बल्कि ये भोजन पर खड़ी-खड़ी उसे टेस्ट कर सकती है, योंकि इसके पैरों के नीचे टेस्ट सैंसर्स होते हैं।
- सबसे बड़ी मादा तितली क्वीन एलेक्ज़ेंड्रा है। यह जहरीली तितली पपुआ और न्यू गिनी के वर्षावनों में पाई जाती है। इनके पंखों का फैलाव 12 इंच से ज्यादा होता है। जब यह आपके नाक पर बैठती है, तो पूरा चेहरा ढंक लेती है। इस प्रजाति की नर तितली का आकार मादा के मुकाबले काफी छोटा होता है। दूसरी सबसे बड़ी तितली गोलिअथ बर्डविंग है, जो इंडोनेशिया के वर्षावनों में पाई जाती है। इसके पंखों का फैलाव 11 इंच होता है।
- सबसे छोटी तितली अफ्रीका की वैस्टर्न पिग्मी लू है। इसके पंखों का फैलाव सिर्फ़ आधा इंच है।
- भारत में पश्चिमी घाट सैंकड़ों दुर्लभ और आकर्षक तितलियों की प्रजातियों का घर है। इनमें से कुछ तो इतनी दुर्लभ हैं कि वे दुनिया के किसी अन्य हस्से में नहीं पाई जातीं। इस इलाके में तितलियों की 350 प्रजातियां पाई जाती हैं। विभिन्न प्रजातियों में रंगों का पैटर्न अलग होता है।

- रशियन लोग तितली को 'बबोचका' कहते हैं, जिसका मतलब है- छोटी आत्मा। प्राचीन स यताओं ने भी तितलियों को छोटे फरिश्ते या आत्माएं कहा जाता था। उनकी मान्यता थी कि जब कोई व्यक्ति मर जाता है, तो उसकी आत्मा तितली बनकर स्वर्ग में जाती है।
- कोस्टारीका में तितलियों की 1300 से ज्यादा प्रजातियां पाई जाती हैं। इनकी ज़िंदगी प ा पर एक बहुत छोटे से अंडे से शुरू होती है। वयस्क होने पर आमतौर पर ये उस पौधे या पेड़ के तने पर वापस आती हैं, जहां इन्होंने अपना शुरुआती समय बिताया होता है।
- तितली का दिमाग बहुत तेज होता है। देखने, सूंघने, स्वाद चखने व उड़ने के अलावा जगह को पहचानने की इनकी अद्‌भुत क्षमता प्रशंसनीय है। ये बहुत लंबी दूरी तय करके भी उस पेड़ पर पहुंच जाती हैं, जहां इनकी लक्कड़दादी ने अंडे दिए थे।

कैद में जूडी

दूसरे विश्व युद्ध के दौरान अमरीका के युद्धबंदियों में एक कुत्ता भी था। अमरीका द्वारा बनाए गए युद्धबंदियों में जूडी नामक यह जापानी मादा कु ा एकमात्र चौपाया थी। दरअसल, अमरीकी सैनिकों ने जूडी को एक डूबती हुई नाव से बचाया था, जो जापानी नौसेना की थी। अमरीका ने उसे मिलिट्री जेल में रखा, हालांकि उसे यहां किसी बैरक में बंद नहीं किया गया था। मिलिट्री जेल में जूडी अपना सारा समय छिपकलियां और दूसरे छोटे जीवों को पकड़ने में बिताती थी। जब भी वह इन जीवों को पकड़कर कैदियों के पास जाती, तो उसे इसके बदले में उनसे खूब प्यार मिलता था, क्योंकि इन जीवों को पकड़कर वह कैदियों के राशन को कम होने से बचाने में मदद करती थी।

हम बताएं, आप बनाएं

बगुले जैसे स्टॉर्क

हमारे पक्षी

इस बार हम आपको पानी तथा पानी के आस पास पाए जाने वाले पक्षियों में स्टॉर्क परिवार के पक्षियों से मिलवाते हैं। ये ऊपरी तौर पर बड़े अंजन से मिलते-जुलते होते हैं। इनकी टांगे लम्बी और टांगो का निचला भाग कुछ बाल रहित खुला होता है। गर्दन लम्बी और भारी और आगे को पतली पड़ती नुकीली चोंच होती हैं। उड़ते हुए ये अंजनो से बिल्कुल अलग पहचाने जा सकते हैं। इनकी गर्दन आगे को खिची रहती है, जबकि बगुलो की गर्दन अंग्रेजी अक्षर 'एस' के आकार में चपटी और मुड़ी होती है। सारसो के स्वर पेशियां नहीं होतीं, इसलिए ये आमतौर पर चुप ही रहते है। ये सिर्फ कभी किसी मौके पर गले से हल्की घुरघुराहट की सी आवाज निकालते हैं। भारत मे इस स्टॉर्क परिवार की जो सबसे अधिक आम और आकर्षक प्रजाति पाई जाती है, वह है जंगहिल दांख कंकारी- ये लगभग गिद्ध के आकार का और सिर तक लगभग साढे तीन फुट ऊंचा होता है। इसके पर सफेद होते हैं, जिनपर ऊपर की तरफ चमकदार हरापन लिए काले रंग के निशान और पट्टियां पड़ी होती हैं और छाती पर काली पेटी-सी बनी होती है। अंगेजी मे इसे पेंटेड स्टॉर्क कहते है। इसका कारण यह है कि इसकी पूंछ के पास मुलायम हल्के गुलाबी रंग के पर (असली नहीं ऊपरी) होते है। मुंह कुछ चिकना पीला होता है और उसपर बाल नहीं होते तथा चोंच पीली तथा भारी नोंक पर कुछ मुड़ी होती है। ये झीलों और दलदलों के पास छोटे-मोटे दलों या बडे झुंडों मे पाए जाते हैं। ये और स्टॉर्क के साथ सारा दिन या तो कूबड़ निकाले चुपचाप खड़े रहते है या दलदली भूमि या उथले पानी में मछलियां और मेंढक ढूंढ़ते बड़े धैर्य के साथ घूमते रहते है। मछलियां और मेंढक उसका खास भोजन है। खाने को ये पानी के कीड़े, केकड़े और घोंघे भी खाते हैं। जंगहिल खाना ढूंढ़ने के लिए उथले पानी में घुस जाता है, फिर गर्दन झुकाए चोंच खोले और कुछ भाग पानी में डुबाए धीरे-धीरे चलता रहता है। चोंच को या तो कुछ पाने की आशा में बिल्कुल निश्चल रखता है या एक टांग उठाए हुए इधर- उधर बाजुओं की ओट घुमाता रहता है। टांग को इस तरह घुमाकर वह पानी को चलाता है और शिकार को हांक कर खुले जबड़ों की ओर ले आता है। कभी- कभी टांग चलाने के साथ ही वह उसी ओर का पंख भी फड़फड़ाता है, इस प्रकार उसकी छाया भी पानी में पड़ती है इससे शिकार और जल्दी उधर की ओर आ जाता है। जंगहिल पानी में या उसके पास स्थित पेड़ों पर निस्संकोच होकर बैठते और बसेरा करते हैं।

सागर का जन्म

पृथ्वी पर सागरों का बनना एक अनोखी घटना है। इनके बनने की प्रक्रिया में एक-दो नहीं, बल्कि करोड़ों साल लगे। कैसे बने ये सागर, आइए जानें...

कुछ दशक पहले तक माना जाता था, सूर्य के टूट जाने के फलस्वरूप उसके टुकड़ों से पृथ्वी तथा अन्य ग्रहों का जन्म हुआ। परंतु अब ज़्यादातर विशेषज्ञों का मानना है कि सूर्य तथा उसके ग्रहों का निर्माण ब्रह्मांड में फैली धूल और गैसों के संघनन से एक साथ ही हुआ था। उनके अनुसार यह घटना आज से लगभग पांच अरब वर्ष पूर्व घटी थी व इसके बाद धूल और गैसों के अणु गुरुत्वाकर्षण बल के कारण पृथ्वी के केंद्र की ओर आते गए। पृथ्वी कभी आग के गोले के समान गर्म थी। इस बारे में भी विशेषज्ञों में मतभेद हैं। पृथ्वी का जन्म चाहे जैसे भी हुआ हो, परंतु यह निर्विवाद है कि पृथ्वी पर पहले सागर नहीं था। इसका जन्म लगभग 1 अरब वर्ष बाद हुआ है। सागरों के निर्माण के बारे में ज्यादातर विद्वान मानते हैं कि जब पृथ्वी का तापमान कम होते-होते जल के समान नीचे आ गया, तब उसके गर्भ में चट्टानों आदि में मौजूद पानी बाहर निकलने लगा। परंतु उस समय भी पृथ्वी की ऊपर की स्तह काफ़ी गर्म थी। इसलिए पानी तुरंत भाप बनकर उड़ जाता था। लंबे समय तक चलने वाली इस क्रिया से बादल इतनी ज़्यादा तादाद में बन गए कि इन्होंने पूरी पृथ्वी को ही ढंक लिया।

फिर जब यह बादल बरसने लगे, तो हज़ारों वर्ष तक बरसते ही रहे। आरंभ में जो पानी बरसता, वह पृथ्वी की गर्म सतह के कारण तुरंत भाप में बदल जाता और बादल बनकर फिर बरसने लगता। हज़ारों वर्षों की इस प्रक्रिया के बाद पानी पृथ्वी की सतह पर ठहरने लगा। वह गड्डों, खाइयों और निचले स्थानों में भरने लगा। वैज्ञानिक मानते हैं कि इन्हीं बारिशों के पानी से सागरों का जन्म हुआ। परंतु कुछ विशेषज्ञों मानते हैं कि तब बारिश असाधारण नहीं, बल्कि आज जैसी बारिशों जैसी ही थी। इसलिए आरंभिक सागर में आज की तुलना में केवल 5 से 10 प्रतिशत पानी ही था। अत: सागर कुछ हज़ार वर्षों में नहीं, बल्कि करोड़ों वर्षों में बने।

आरंभ में पृथ्वी पर एक ही थल खंड (पेंजिया) व एक ही सागर (पेंथेलसा) था। आज से लगभग 15 करोड़ वर्ष पूर्व, किसी कारणवश वह थलखंड टूटने लगा और उसके दो टुकड़े हो गए। पहला गौडवानालैंड, जिसमें आजकल अफ्रीका, दक्षिण अमरीका, भारतीय प्रायद्वीप, आस्ट्रेलिया, अंटार्कटिका और लॉरशिया हैं। दूसरे हिस्से में उत्तर अमेरिका, यूरोप और एशिया शामिल हैं। इन दोनों खंडो के बीच बनी खाई में टेपिस सागर बन गया। फिर ये थलखंड भी टूटने लगे। इनसे बने थलखंडों में से ही वर्तमान महाद्वीप बने। महाद्वीप बनने के साथ-साथ यह थलखंड एक-दूसरे से दूर सरकते गए और बीच की खाइयों में पानी भरने लगा। इन्हीं ने बाद में सागरों का रूप धारण किया।

महाद्वीप-विस्थापन के इस सिद्धांत को पहले स्वीकार नहीं किया गया। पर प्लेट विवर्तनकी के सिद्धांत के प्रतिपादन के बाद सब संदेह दूर हो गए। प्लेट विवर्तनकी सिद्धांत के अनुसार पृथ्वी की ऊपरी सतह बहुत मोटी नहीं है। वह विभिन्न प्लेटों में बंटी हुई है। इसमें 6 बड़ी और अनेक छोटी प्लेटें हैं। ये प्लेटें मैंटल के गाढ़े द्रव पर तैरती रहती हैं। यह आपस में टकरा भी जाती हैं। टकराने से भूकंप आते हैं व ज्वालामुखी फटते हैं। प्लेटों के एक-दूसरे से दूर जाने पर खंड टूटकर वर्तमान महाद्वीपों में परिवर्तित हुए। ये क्रियाएं आज भी निरंतर होती रहती हैं। महासागरी और महाद्वीपों को वर्तमान आकृतियां प्रदान करने में वर्षा, कुहरा, वायु जैसे कारकों द्वारा की जाने वाली कई तरह की क्रियाओं का महत्वपूर्ण योगदान होता है।

रोचक तथ्य- समुद्री यात्राओं के दौरान अपने जहाज़ों को तूफ़ानों से तथा जल में डूबी चट्टानों से टकराने से बचाने के लिए प्राचीन यूनान निवासी, यात्रा आरंभ करने से पहले सागर के देवता ओसिनस को बलि चढ़ाते थे। उनकी मान्यता थी कि ओसिनस ही सागर की लहरों और धाराओं पर नियंत्रण रखता है।

कैप्टन जेम्स कुक- इस ब्रिटिश समुद्री खोजी ने दक्षिण प्रशांत महासागर की तीन यात्रायों के दौरान न्यूजीलैंड, आस्ट्रेलिया, तिमूर, जावा तथा अटार्कटिक सागर की खोज की। अपनी अंतिम यात्रा के दौरान वह उतरी-पश्चिमार्ग ढूंढ़ पाने में असमर्थ रहे और हवाई द्वीप में मारे गए।

अंतर ढूंढ़ें

बच्चो, इस चित्र में छह अंतर हैं। क्या आप बता सकते हैं कि वे अंतर कौन-से हैं?

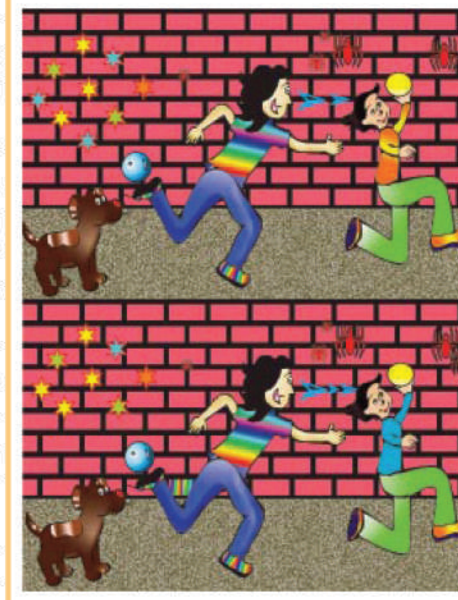

उत्तर- 1- सितारा कम है, 2-एक स्टार का रंग अलग है, 3-दीवार की ईंट का रंग अलग हुआ है, 4-पेंट कम है, 5- एक स्पाइडरमैन कम है, 6-टीशर्ट का रंग अलग हुआ है।

फीफा विश्व कप 2026 : स्पेन ने उरुग्वे को 1–0 से हराकर ग्रुप एच में शीर्ष स्थान हासिल किया, उरुग्वे फीफा विश्व कप 2026 से हुआ बाहर

ग्वाडलाहारा

स्पेन ने फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप एच के अपने अंतिम मुकाबले में शनिवार तड़के उरुग्वे को 1-0 से हराकर ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया और नाकआउट चरण में प्रवेश किया। इस हार के साथ मार्सेलो बिएल्सा की टीम उरुग्वे का विश्व कप अभियान ग्रुप चरण में ही समाप्त हो गया, जबकि केप वर्डे ने भी अंतिम-32 में जगह बना ली।

स्पेन के लिए मैच का एकमात्र गोल एलेक्स बाएना ने पहले हाफ के 42वें मिनट में किया। मार्कोस ल्योरेंटे के क्रास पर बाएना ने गेंद को नियंत्रित कर शाट लगाया, जिसे उरुग्वे के अनुभवी गोलकीपर फर्नांडो मुस्लेरा रोकने में असफल रहे और गेंद उनके हाथों से निकलकर गोल में चली गई।

मैच की शुरुआत में स्पेन को बढ़त लेने का मौका मिला था, लेकिन मिकेल ओयारजाबाल का प्रयास उरुग्वे की रक्षा पंक्ति ने विफल कर दिया। दूसरी ओर उरुग्वे भी आक्रामक दिखा, लेकिन डार्विन नुनेज़ और रोड्रिगो बेंटांकुर अपने अवसरों का फायदा नहीं उठा सके।

हाफ टाइम के बाद मुस्लेरा की जगह सर्जियो रोशेट को मैदान पर उतारा गया। इसके बावजूद उरुग्वे बराबरी का गोल नहीं कर सका। स्पेन के दानी ओल्मो और फेरान टोरेस ने बढ़त दोगुनी करने के मौके बनाए, लेकिन एक प्रयास क्रासबार से टकरा गया।

इंजरी टाइम में उरुग्वे की मुश्किलें और बढ़ गईं जब अगस्टिन कानोब्बियो को पाउ कुबार्सी पर खतरनाक टैकल के कारण सीधा लाल कार्ड दिखाया गया। इसके बाद स्पेन ने आसानी से मैच समाप्त किया।

इस जीत के साथ स्पेन ग्रुप एच में शीर्ष पर रहा और अब 2 जुलाई को ग्रुप जे की उपविजेता टीम से अंतिम-32 का मुकाबला खेलेगा। फिलहाल ग्रुप जे में आस्ट्रिया दूसरे स्थान पर है।

दूसरी ओर, केप वर्डे और सऊदी अरब के बीच मुकाबला गोलरहित बराबरी पर समाप्त होने से केप वर्डे दूसरे स्थान पर रहते हुए पहली बार विश्व कप के नाकआउट चरण में पहुंच गया।

संक्षिप्त स्कोर

स्पेन 1–0 उरुग्वे
गोल: एलेक्स बाएना (42)
लाल कार्ड: अगस्टिन कानोब्बियो (उरुग्वे, इंजरी टाइम)।

न्यूज ब्रीफ

टी20 ब्लास्ट 2026 के लिए घरेलू खिलाड़ी के तौर नाट्स आउटलाज टीम से खेलेंगे आमिर

लंदन । विवादों में रहे पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर अब टी20 ब्लास्ट 2026 के बाकी बचे मैचों के लिए घरेलू खिलाड़ी के तौर पर नाट्स आउटलाज टीम से खेलेंगेहैं। आमिर को ब्रिटिश नागरिकता मिलने के बाद ही घरेलू खिलाड़ी के तौर पर शामिल किया गया है। इससे अब ये तेज गेंदबाज अपने क्रिकेट करियर की नई पारी शुरु कर रहा है। आमिर को एक समय पाक का एक बेहतरीन तेज गेंदबाज माना जाता था पर स्पाट फिक्सिंग मामले के चलते उन्हें झटका लगा और पाक क्रिकेट में उनका करियर समय से पहले ही समाप्त हो गया। वहीं अब ब्रिटिश नागरिकता मिलने के बाद आमिर का काउंटी क्रिकेट में विदेशी खिलाड़ी के वर्ग में नहीं गिना जाएगा जिससे इंग्लैंड की ओर से उनके पास अब घरेलू क्रिकेट में भी खेलने के कई अवसर हैं। नाटिंघमशायर ने आमिर के साथ करार किसे जाने को सही बताया है। साथ ही कहा कि 34 वर्षीय आमिर ब्लास्ट अभियान के बाकी बचे मैचों के लिए उपलब्ध रहेंगे जिसमें नाकआउट चरण भी शामिल है। काउंटी टीम अभी नार्थ ग्रुप में शीर्ष के करीब है और उन्हें उम्मीद है कि आमिर का लंबा अनुभव खिताब जीतने की उनकी संभावनाओं को और मजबूत करेगा। क्लब ने कहा कि अब जब उन्हें ब्रिटिश पासपोर्ट मिल गया है। उन्हें विदेशी खिलाड़ी नहीं माना जाएगा। गौरतलब है कि आमिर का करियर सबसे उतार-चढ़ाव भरा रहा है। सा 2009 टी20 विश्व कप और 2017 चैंपियंस ट्राफी में पाकिस्तान की जीत में अहम भूमिका निभाई। उनके नाम 364 टी20 मैचों में 425 विकेट लिए जिसमें उनका औसत 22.63 और इकानमी रेट 7.36 रहा ।

फ्लेमिंग का 2027 तक चेन्नई सुपर किंग्स के मुख्य कोच बने रहना तय

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का प्रदर्शन इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 2026 सत्र में भी अच्छा नहीं रहा है हालांकि इसके बाद भी टीम के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग का अपने पद पर बने रहना तय है। एक रिपोर्ट के अनुसार टीम प्रबंधन ने कोच पर भरोसा जताया है जिससे तय है कि फ्लेमिंग 2027 सत्र में भी कोच बने रहेंगे। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब हाल के कुछ साल में टीम के प्रदर्शन में काफी गिरावट आई है और टीम लगातार सवालों के घेरे में रही है। गौरतब है कि सीएसके की सफलता में कोच के तौर पर फ्लेमिंग की अहम भूमिका रही है। साल वर्ष 2009 में मुख्य कोच का पद संभालने के बाद से ही, फ्लेमिंग के मार्गदर्शन में टीम ने कई आईपीएल खिताब जीते और लीग की सबसे सफल तथा लोकप्रिय फ्रेंचाइजी में से एक के रूप में अपनी पहचान बनाई। इसी ऐतिहासिक सफलता और भरोसें के कारण ही फ्रेंचाइजी कठिन दौर में भी उन्हें बनाये रखना चाहती है। फ्लेमिंग का अनुबंध हर साल नवीनीकृत किया जाता है और 2027 सत्र के लिए भी इसी प्रक्रिया को आगे बढ़ाए जाने की संभावना है।

विंबडन में माया जाइंट से पहला मुकाबला खेलेंगी सेरेना

लंदन। सोमवार से शुरु हो रहे विम्बलडन टेनिस टूर्नामेंट से खेल में वापसी कर रही अमेरिका की 42 साल की अनुभवी खिलाड़ी सेरेना विलियम्स अपना पहला मुकाबला आस्ट्रेलिया की 20 साल की माया जाइंट से खेलेंगी। चार साल बार वापस कर रही सेरेना का मुकाबला देखने को लेकर प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साह है। सात बार की विम्बलडन एकल चैंपियन रही सेरेना ने साल 2022 में खेल से संन्यास ले लिया था। अब लगभग चार साल के लंबे अंतराल के बाद विम्बलडन में वह उतर रही हैं। सेरेना को इस टूर्नामेंट के लिए वाइल्ड कार्ड से प्रवेश दिया गया है। एकल के अलावा, वह अपनी बड़ी बहन वीनस विलियम्स के साथ युगल स्पर्धा में भी हिस्सा लेंगी, जहां विलियम्स बहनों की जोड़ी एक बार फिर खेलती दिखेगी। सेरेना ने अपनी वापसी की शुरुआत दो युगल अभ्यास मुकाबलों से की थी, जिससे उनकी फिटनेस और खेल लय का संकेत मिला था। रविवार को आल इंग्लैंड क्लब द्वारा उनके एकल खेलने की आधिकारिक घोषणा ने उनकी वापसी को पक्का कर दिया। गौरतलब है कि सेरेना ने अपना पिछला एकल मुकाबला 2022 के यूएस ओपन में खेला था, जहाँ उन्हें तीसरे दौर में अजला टोमल्यानोविच के हाथों हार का सामना करना पड़ा था।

फआईएच प्रो लीग : भारत ने पाकिस्तान को 7–1 से रौंदा

लंदन

भारतीय पुरुष हाकी टीम ने एफआईएच प्रो लीग के लंदन चरण में अपने चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को शुक्रवार देर रात 7-1 से करारी शिकस्त देकर शानदार जीत दर्ज की। ली वैली हाकी एंड टेनिस सेंटर में खेले गए मुकाबले में शुरुआती झटके के बाद भारत ने लगातार सात गोल दागते हुए पाकिस्तान को पूरी तरह मैच से बाहर कर दिया।

भारत की ओर से सुखजीत सिंह (20वां मिनट), कप्तान हरमनप्रीत सिंह (26वां), हार्दिक सिंह (34वां), जुगराज सिंह (35वां), अभिषेक (41वां), राज कुमार पाल (44वां) और दिलप्रीत सिंह (54वां) ने गोल किए। पाकिस्तान के लिए एकमात्र गोल अबू बकर महमूद (13वां मिनट) ने किया।

भारतीय मिडफील्डर हार्दिक सिंह को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर आफ द मैच चुना गया।

पाकिस्तान ने की तेज शुरुआत, भारत ने किया दमदार पलटवार

मैच की शुरुआत तेज रफ्तार रही। भारत ने शुरुआती डेढ़ मिनट में ही पहला पेनल्टी कार्नर हासिल किया, लेकिन उसे गोल में नहीं बदल सका। इसके बाद 13वें मिनट में पाकिस्तान को पेनल्टी कार्नर मिला, जिस पर कप्तान अबू बकर महमूद ने ड्रैग फ्लिक से गोल कर टीम को 1–0 की बढ़त दिला दी।

दूसरे क्वार्टर में भारत ने पूरी तरह मैच पर नियंत्रण बना लिया। 20वें मिनट में मिले पेनल्टी कार्नर पर हरमनप्रीत सिंह की ड्रैग फ्लिक को सुखजीत सिंह ने शानदार डिफ्लेक्शन देकर गोल में बदलते हुए स्कोर 1–1 कर दिया।

इसके छह मिनट बाद भारत को एक और पेनल्टी कार्नर मिला, जिस पर हरमनप्रीत सिंह ने जोरदार ड्रैग फ्लिक के जरिए सीधे गोल दागकर भारत को 2–1 की बढ़त दिला दी।

तीसरे क्वार्टर में भारत का गोलों का तूफान

34वें मिनट में भारत को लगातार दो पेनल्टी कार्नर मिले। दूसरे कार्नर पर पेनल्टी स्ट्रोक मिला, जिसे हार्दिक सिंह ने आसानी से गोल में बदल दिया।

इसके तुरंत बाद भारत ने तेज जवाबी हमला बोला और दिलप्रीत सिंह व सुखजीत सिंह की शानदार तालमेल भरी मूव पर जुगराज सिंह ने गोल कर स्कोर 4–1 कर दिया। 41वें मिनट में सुखजीत के पास पर अभिषेक ने शानदार फील्ड गोल किया। इसके बाद लगातार मिले पेनल्टी कार्नर के दौरान राज कुमार पाल ने रिबाउंड पर गोल कर भारत की बढ़त 6–1 कर दी।

दिलप्रीत ने लगाया सातवां गोल

अंतिम क्वार्टर में भी भारतीय टीम का दबदबा जारी रहा। 54वें मिनट में दिलप्रीत सिंह ने बेहतरीन मूव को गोल में बदलते हुए भारत का सातवां गोल दागा।

मैच के अंतिम मिनटों में पाकिस्तान को लगातार दो पेनल्टी कार्नर मिले, लेकिन भारतीय डिफेंस और अनुभवी मिडफील्डर मनप्रीत सिंह ने दोनों प्रयास नाकाम कर दिए। इसके साथ ही भारत ने 7–1 की शानदार जीत अपने नाम कर ली।

संक्षिप्त स्कोर:

भारत 7
(सुखजीत सिंह 20
हरमनप्रीत सिंह 26
हार्दिक सिंह 34
जुगराज सिंह 35
अभिषेक 41
राज कुमार पाल 44
दिलप्रीत सिंह 54)
पाकिस्तान 1
(अबू बकर महमूद 13)।

भारत-इंग्लैंड टी-20 सीरीज कोल्स से टीम इंडिया को रहना होगा सावधान

लंदन

भारतीय क्रिकेट टीम को मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ 1 जुलाई से होने वाली टी20 सीरीज में युवा खिलाड़ी जेम्स कोल्स से सावधान रहना होगा। भारतीय टीम इस दौरे में श्रेयस अय्यर की कप्तानी में इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 सीरीज खेलेगी। इंग्लैंड की टीम में इस बार नये खिलाड़ी के तौर पर केवल कोल्स को रखा गया है।

कोल्स दाएं हाथ के मध्य क्रम के बल्लेबाज हैं और स्पिन गेंदबाजी भी करते हैं। वह घरेलू क्रिकेट में पिछले एक साल से लगातार बेहतर प्रदर्शन करते आ रहे हैं। इस साल की शुरुआत में द हंड्रेड नीलामी में उन्होंने सदर्न ब्रेव की ओर काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। उन्हें टीम ने सबसे अधिक कीमतों में खरीदा था। हाल ही में ससेक्स के लिए काउंटी चैंपियनशिप के एक मैच में नंबर 5 पर बल्लेबाजी करते हुए इस युवा ने नाबाद 224 रन की शानदार पारी खेली थी। इस क्रिकेटर ने काउंटी के अलावा इस साल की शुरुआत में एसए 20 लीग में काव्या मारन की मालिकाना अधिकार वाली सनराइजर्स ईस्टर्न केप के लिए भी खेला था जहां उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों के साथ अच्छा प्रदर्शन किया। इंग्लैंड पुरुष टीम के मौजूदा राष्ट्रीय चयनकर्ता मार्कस नार्थ ने कोल्स की जमकर सराहना की है। नार्थ ने कहा कि जेम्स कोल्स एक शानदार खिलाड़ी हैं और उन्होंने इंग्लैंड लायंस के साथ-साथ देश-विदेश की टी-20 प्रतियोगिताओं में अपने बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर राष्ट्रीय टीम में जगह बनाई है। कोल्स का क्रिकेट करियर काफी प्रभावशाली रहा है, भले ही वह अभी युवा हैं। ससेक्स के लिए खेलते हुए, उन्होंने अब तक 58 फर्स्ट-क्लास, 24 लिस्ट-ए और 71 टी-20 मैच खेले हैं। सबसे छोटे प्रारूप टी-20 में, उन्होंने 61 पारियों में 146.37 के शानदार स्ट्राइक रेट से कुल 1,373 रन बनाए हैं, जो उनकी आक्रामक बल्लेबाजी का प्रमाण है। गेंदबाजी में भी, उन्होंने 56 पारियों में 59 विकेट लेकर अपनी आलराउंड क्षमता साबित की है।

फीफा विश्वकप ट्राफी में लगे सोने की कीमतें दोगनी हुई

न्यूजर्सी। हाल के कुछ समय में जिस प्रकार से सोने की कीमतों में उछाल आया है। उसका प्रभाव फीफा विश्वकप ट्राफी पर भी पड़ा है। इसी कारण फीफा विश्वकप ट्राफी में लगे सोने की कीमत अब बढ़कर लगभग 7.13 लाख डालर (तकरीबन 6.73 करोड़ रुपये) तक पहुंच गयी ये चार साल पहले की तुलना में दोगुना से भी अधिक है। वित्तीय आंकलन वाली एक रिपोर्ट के अनुसार साल 2022 के विश्व कप के समय ट्राफी में मौजूद सोने का मूल्य लगभग 2.77 लाख डालर आंका गया था। यह आंकड़ा दिखाता है कि केवल दो साल में सोने की कीमत में तेजी आई है। गौरतलब है कि फीफा विश्व कप ट्राफी 18 कैरेट सोने से बनी है और इसका कुल वजन 6.175 किलोग्राम है। इसमें लगभग 4.93 किलोग्राम सोना जड़ा है। इसी कारण ये सबसे कीमती ट्राफी मानी जाती है। सोने की कीमतों में यह उछाल भू-राजनीतिक तनाव, वैश्विक व्यापार अनिश्चितता को माना जा रहा है। खिलाड़ियों के लिए विश्व कप ट्राफी का महत्व अमूल्य है, पर इसमें मौजूद सोने का मौद्रिक मूल्य इस बात का प्रमाण है कि इस कीमती धातु की कीमत पिछले कुछ साल में कितनी तेजी से बढ़ी है। इससे पहले 1974 के विश्व कप से पहले वर्तमान ट्राफी डिजाइन को पेश किया गया था, तब इसमें लगे सोने की अनुमानित कीमत केवल 25,000 डालर थी।

आमिर जंगू और रोस्टन चेज़ ने वेस्टइंडीज़ को दिलाई दमदार वापसी

एंटीगा

एंटीगा में खेले जा रहे पहले टेस्ट के दूसरे दिन वेस्टइंडीज़ के युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज़ आमिर जंगू ने अपने करियर के दूसरे ही टेस्ट में शानदार संयम का परिचय देते हुए नाबाद 78 रन की पारी खेली। कप्तान रोस्टन चेज़ (नाबाद 42) के साथ उनकी 103 रन की अटूट साझेदारी की बदौलत वेस्टइंडीज़ ने दिन का खेल समाप्त होने तक 5 विकेट पर 271 रन बना लिए।

शुक्रवार को दूसरे दिन की शुरुआत वेस्टइंडीज़ के सलामी बल्लेबाज़ों जान कैंपबेल और ब्रैंडन किंग ने शानदार अंदाज़ में की। दोनों ने पहले घंटे तक श्रीलंकाई गेंदबाज़ों को कोई मौका नहीं दिया और पहले विकेट के लिए 58 रन जोड़े। इसके बाद मिलान रत्नायके ने ब्रैंडन किंग को आउट कर यह साझेदारी तोड़ी।

कैंपबेल ने कावेम हाज के साथ पारी को आगे बढ़ाया और लंच तक टीम का स्कोर 1 विकेट पर 89 रन पहुंचा दिया।

हालांकि लंच के बाद श्रीलंका ने मैच में वापसी की। सोनल दिनुशा ने कैंपबेल को आउट कर बड़ी सफलता दिलाई। इसके बाद कावेम हाज, जोशुआ डा सिल्वा और जस्टिन ग्रीव्स अच्छी शुरुआत तो कर सके, लेकिन कोई भी बड़ी पारी नहीं खेल पाया। इस दौरान श्रीलंका ने 79 रन के भीतर चार विकेट झटककर मुकाबले पर पकड़ मजबूत कर ली।

ऐसे मुश्किल समय में आमिर जंगू और कप्तान

रोस्टन चेज़ ने मोर्चा संभाला। दोनों बल्लेबाज़ों ने पूरे अंतिम सत्र में धैर्यपूर्वक बल्लेबाज़ी करते हुए 203 गेंदों का सामना किया और 103 रन की नाबाद साझेदारी कर श्रीलंका की बढ़त को काफी हद तक कम कर दिया।

श्रीलंका को गेंदबाज़ी में भी झटका लगा, जब तेज़ गेंदबाज़ लाहिरु कुमारा हैमस्ट्रिंग में परेशानी के कारण मैदान छोड़कर बाहर चले गए। इसका फायदा जंगू और चेज़ ने उठाया और दिन का खेल समाप्त होने तक वेस्टइंडीज़ को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया।

अब वेस्टइंडीज़ श्रीलंका के पहली पारी के स्कोर से केवल 37 रन पीछे है और उसके पास अभी पांच विकेट शेष हैं।

संक्षिप्त स्कोर

श्रीलंका: 308 रन (धनंजय डी सिल्वा 120, दिनेश चांदीमल 54; जस्टिन ग्रीव्स 3/39)
वेस्टइंडीज़: 271/5 (अमीर जंगू नाबाद 78, रोस्टन चेज़ नाबाद 42; असिथा फर्नांडो 2/25)
स्थिति: श्रीलंका पहली पारी के आधार पर 37 रन से आगे।

चंबल घड़ियाल्स ने पहली बार जीती सिंधिया ट्राफी; रायल निमाड़ ईगल्स को 31 रन से हराया

अभिषेक मावी की नाबाद 73 रन की आतिशी पारी भी नहीं बचा सकी निमाड़ की हार; चंबल के 224 रनों के जवाब में 193/7 पर थमी निमाड़ की पारी

इंदौर

होलकर स्टेडियम में खेले गए मध्यप्रदेश प्रीमियर लीग 2026 के खिताबी महामुकाबले में चंबल घड़ियाल्स ने इतिहास रच दिया है। पिछले सीजन (2025) की उपविजेता रही चंबल घड़ियाल्स की टीम ने अतीत की हार को भुलाकर चमचमाती सिंधिया ट्राफी पर पहली बार अपना कब्जा जमा लिया है। इस रोमांचक फाइनल में चंबल घड़ियाल्स ने रायल निमाड़ ईगल्स को 31 रनों से शिकस्त दी। चंबल के 224 रनों के पहाड़ जैसे लक्ष्य का पीछा करते हुए रायल निमाड़ ईगल्स की टीम निर्धारित 20 ओवरों में 7 विकेट खोकर 193 रन ही बना सकी। शानदार आलराउंड प्रदर्शन के लिए त्रिपुरेश सिंह (43 व 1 विकेट) को प्लेयर आफ द मैच चुना गया।

कप्तान शुभम और अपूर्व के धमाके से बना रिकार्ड स्कोर – इससे पहले, रायल निमाड़ ईगल्स के टास जीतकर पहले गेंदबाजी करने के फैसले को गलत साबित करते हुए चंबल घड़ियाल्स के बल्लेबाजों ने रनों की बरसात कर दी। चंबल की शुरुआत तेज रही। हर्ष दीक्षित ने मात्र 18 गेंदों पर 5 चौकों और 1 छक्के की मदद से 32 रनों की आतिशी पारी खेली, जबकि अंकुश सिंह ने 12 रन का योगदान दिया। पहले दो विकेट 45 रन पर गिर जाने के बाद कप्तान शुभम शर्मा और विकेटकीपर बल्लेबाज अपूर्व द्विवेदी के बीच तीसरे विकेट के लिए हुई 83 रनों की तूफानी साझेदारी ने मैच का पासा पलट दिया। अपूर्व ने मात्र 25 गेंदों में 3 चौकों और 5 गगनचुंबी छक्कों की मदद से 51 रन कूट डाले। वहीं कप्तान शुभम शर्मा ने मोर्चे से अगुवाई करते हुए 38 गेंदों पर 61 रनों (5 चौके, 3 छक्के) की बेहतरीन पारी खेली। डेथ ओवरों में त्रिपुरेश सिंह ने 24 गेंदों पर 43 रन की अमूल्य नाबाद पारी खेली, जबकि रोहित कुमार गुप्ता ने मात्र 7 गेंदों पर 17 रन ठोककर टीम का स्कोर 224/5 तक पहुंचाया।

रायल निमाड़ ईगल्स की ओर से पारूष मंडल (4 ओवर, 40 रन), देवेंद्र सिंह कटैत (4 ओवर, 47 रन), पुष्कर विश्वकर्मा (4 ओवर, 38 रन) और कुमार कार्तिकेय (4 ओवर, 52 रन) को 1-1 सफलता तो मिली, लेकिन वे चंबल की बाउंड्री एक्सप्रेस को रोकने में पूरी तरह नाकाम रहे। कार्तिकेय और कटैत इस खिताबी मुकाबले में सबसे महंगे साबित हुए।

अभिषेक मावी का जुझारू अर्धशतक, गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से चंबल बना चैंपियन – 225 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी रायल निमाड़ ईगल्स ने पावरप्ले में 76 रन बनाकर बेहद आक्रामक शुरुआत की थी। कप्तान हिमांशु मन्त्री ने 25 गेंदों में 44 रनों की कप्तानी पारी खेली, लेकिन उनके आउट होते ही निमाड़ का मध्यक्रम ताश के पत्तों की तरह बिखर गया। टीम ने महज 23 रनों के भीतर अपने 5 विकेट गंवा दिए और स्कोर 96/2 से देखते ही देखते 119/7 हो गया। जब निमाड़ की हार पूरी तरह तय नजर आ रही थी, तब निचले क्रम में बल्लेबाजी करने आए अभिषेक मावी ने चंबल के गेंदबाजों के खिलाफ अकेले दम पर मोर्चा खोल दिया। मावी ने मैदान के चारों ओर शाट लगाते हुए मात्र 39 गेंदों में 5 चौकों और 6 गगनचुंबी छक्कों की मदद से 73 रनों की नाबाद और साहसी पारी खेली। उन्होंने पारूष मंडल (नाबाद 8 रन) के साथ आठवें विकेट के लिए 74 रनों की अटूट साझेदारी कर मैच को आखिरी ओवर तक खींचा और हार के अंतर को कम किया, लेकिन वे अपनी टीम को जीत की दहलीज पार नहीं करा सके।

ऑल इन वन
रविवार, 28 जून, 2026
हैदराबाद
शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

न्यूज ब्रीफ

भारत के लग्जरी कार बाजार की रफ्तार थमी, पांच साल की तेजी पर लगा ब्रेक

मुंबई। लग्जरी कार बाजार की पांच साल की शानदार रफ्तार पर 2026 की पहली छमाही में ब्रेक लग गया है। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, रुपये की कमजोरी और लगातार बढ़ती कीमतों के कारण 40 लाख से अधिक कीमत वाली कारों की बिक्री में ठहराव आ गया है। उद्योग के शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक, लग्जरी कारों की बिक्री 24,000 से 25,000 यूनिट के बीच ही सीमित रही। पिछले पांच सालों में लग्जरी कारों की कीमतों में 25-30 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है, जिसका मुख्य कारण यूरो के मुकाबले रुपये की कमजोरी और बढ़ी हुई आयात लागत है। इससे प्रीमियम सेगमेंट के वे ग्राहक, जो पहली बार लग्जरी कार खरीदना चाहते थे, अब अपनी खरीदारी टाल रहे हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि हाई-नेट-वर्थ निवेशक भी वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और शेयर बाजार के उतार-चढ़ाव को देखते हुए बड़े खर्चों से बच रहे हैं। हालांकि, सबसे महंगी और हाई-एंड अल्ट्रा-लग्जरी कारों की मांग अब भी मजबूत बनी हुई है, जिस पर वाहन निर्माता कंपनियां अब अधिक ध्यान केंद्रित कर रही हैं।

वैश्विक शांति वार्ता से तेल बाजार को राहत, भारत में ईंधन हो सकता है सस्ता

मुंबई । अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता में हुई प्रगति ने अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार को राहत दी है, जिससे कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई

गैर-विनिर्माण खाद्य कारोबारियों को केंद्र से बड़ी राहत : नियमों में हुआ बदलाव, ईज आफ डूइंग बिजनेस को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने खाद्य कारोबार क्षेत्र में ईज आफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा देने के लिए एक अहम कदम उठाया है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने खाद्य सुरक्षा नियमों में संशोधन करते हुए गैर-विनिर्माण खाद्य व्यवसायों को कुछ रिकार्ड रखने और स्टाक रोटेशन फर्स्ट इन फर्स्ट आउट- फिफो या फर्स्ट एक्सपायर फस्ट्र आउट - फेफो से जुड़े नियमों से छूट दे दी है। इस बदलाव से विशेषकर छोटे और मध्यम स्तर के कारोबारियों पर अनुपालन का बोझ काफी कम होगा। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स (लाइसेंसिंग एंड रजिस्ट्रेशन आफ फूड बिजनेस) रेगुलेशंस, 2011 में संशोधन की अधिसूचना जारी की है। इस संशोधन का प्राथमिक उद्देश्य खाद्य व्यवसायों पर अनावश्यक नियामक बोझ को कम करना और व्यापार करने में सुगमता सुनिश्चित करना है। नए नियमों के तहत, अब खुदरा विक्रेताओं, वितरकों और अन्य गैर-विनिर्माण खाद्य कारोबारियों को फिफो या फेफो सिद्धांतों के आधार पर स्टाक का प्रबंधन करने और उससे संबंधित रिकार्ड रखने की अनिवार्यता से छूट मिलेगी। पहले यह नियम सभी लाइसेंसधारी खाद्य कारोबारियों पर लागू था।

सरकार का मानना है कि गैर-विनिर्माण इकाइयों के लिए इन नियमों का पालन करना एक अतिरिक्त बोझ था, जबकि खाद्य सुरक्षा के लिए इसका सीधा प्रभाव सीमित था। हालांकि, खाद्य निर्माण करने वाले कारोबारियों के लिए ये नियम पहले की तरह लागू रहेंगे। निर्माण इकाइयों में खाद्य सुरक्षा, गुणवत्ता बनाए रखने और उत्पाद की ट्रेसबिलिटी सुनिश्चित करने के लिए फिफो या फेफो जैसे स्टाक प्रबंधन पद्धतियां आवश्यक मानी गई हैं। यह सुनिश्चित करेगा कि उपभोक्ता तक केवल ताज़ा और सुरक्षित उत्पाद ही पहुंचे। मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि यह फैसला खाद्य क्षेत्र में जोखिम-आधारित और परिणाम-केंद्रित नियामक व्यवस्था को बढ़ावा देने की व्यापक सुधार प्रक्रिया का हिस्सा है। पिछले कुछ वर्षों में, सरकार ने स्थायी लाइसेंस, टर्नओवर सीमा में संशोधन, स्ट्रीट फूड विक्रेताओं के लिए दोहरे अनुपालन की समाप्ति और जोखिम-आधारित निरीक्षण प्रणाली जैसे कई नियमों को आसान बनाया है।

ओपन एआई ने भारत के लिए उबर के पूर्व प्रमुख प्रभजीत को एमडी नियुक्त किया

नई दिल्ली। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की दुनिया में अग्रणी ओपन एआई ने भारत में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए एक अहम कदम उठाया है। कंपनी ने उबर इंडिया और दक्षिण एशिया के पूर्व अध्यक्ष प्रभजीत सिंह को भारत का नया मैनेजिंग डायरेक्टर नियुक्त किया है। यह नियुक्ति देश में जनरेटिव एआई की बढ़ती मांग और ओपन एआई की व्यापक उपस्थिति दर्ज कराने के उद्देश्य से की गई है, जिससे भारत में एआई इकोसिस्टम को नई गति मिलने की उम्मीद है। प्रभजीत सिंह सितंबर से भारत के एमडी के रूप में अपनी जिम्मेदारियां संभालेंगे और एशिया-प्रशांत क्षेत्र के एमडी किरण मणि को रिपोर्ट करेंगे। भारत में ओपनएआइ के सबसे वरिष्ठ अधिकारी के तौर पर, वे उपभोक्ता सेवाओं के विस्तार, एंटरप्राइज अपनाने, रणनीतिक साझेदारियों, नियामक मामलों और संचालन की देखरेख करेंगे। सिंह उबर के साथ लगभग 11 वर्षों तक जुड़े रहे, जहां उन्होंने भारत, श्रीलंका और बांग्लादेश में कंपनी के मोबिलिटी कारोबार का नेतृत्व किया। आईआईटी खड़गपुर और आईआईएम अहमदाबाद से शिक्षित सिंह का तकनीक, रणनीति और बिजनेस डेवलपमेंट का व्यापक अनुभव ओपन एआई के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भारत को दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण एआई बाजारों में से एक मानते हुए ओपनएआई इस नियुक्ति के जरिए देश में अपनी पैठ बढ़ाने और नवाचार को गति देने का लक्ष्य बना रही है ।

इस सप्ताह सेंसेक्स और निफ्टी ने दिखाया दम, निवेशकों में लौटी खुशी

मुंबई

पिछले हफ्ते मोहर्रम की छुट्टी के कारण भारतीय शेयर बाजार में केवल चार कारोबारी सत्र रहे, जो उतार-चढ़ाव से भरे रहे। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को शानदार उछाल के साथ हुई, निवेशकों के लिए खुशियां लेकर आई। हालांकि, मंगलवार को बाजार में तेज गिरावट देखने को मिली, जिससे शुरुआती बढ़त बेअसर हो गई। सप्ताह के मध्य और अंत में मजबूत रिकवरी दर्ज की गई, लेकिन मानसून की धीमी चाल एक चिंता का विषय बनी रही, जिसने निवेशकों और नीति-निर्माताओं के माथे पर लकीरें खींचे रखीं।

सप्ताह का पहला कारोबारी दिन सोमवार शेयर बाजार के लिए एक जोरदार वापसी लेकर आया। सेंसेक्स 423 अंकों की बढ़त के साथ 77,226 पर खुला और दिन के दौरान 77,325 के सर्वकालिक उच्च स्तर तक पहुंच गया। अंत में, सेंसेक्स 291 अंक और निफ्टी 89 अंक की बढ़त के साथ बंद हुए, जिससे निवेशकों को शुक्रवार की गिरावट के बाद बड़ी राहत मिली। हालांकि, यह उत्साह मंगलवार को फीका पड़ गया, जब भारतीय बेंचमार्क सूचकांकों में भारी गिरावट दर्ज की गई। शुरुआती बढ़त के बाद बाजार लाल निशान में फिसला और अंततः सेंसेक्स लगभग 900 अंक लुढ़क गया, जबकि निफ्टी 23,900 के

धीमी मानसून चाल ने बढ़ाई फिक्र, मंगलवार को बाजार में हुई बड़ी बिकवाली

महत्वपूर्ण स्तर से नीचे आ गया सूचना प्रौद्योगिकी और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक शेयरों में बिकवाली का भारी दबाव देखा गया।

सप्ताह के मध्य में, भारतीय बाजार ने प्रभावशाली वापसी की। बुधवार को सेंसेक्स-निफ्टी हरे निशान पर खुले और दिन के कारोबार में सेंसेक्स 900 से अधिक अंकों तक उछल गया, जबकि निफ्टी ने 24,050 का अहम स्तर पार कर लिया। फाइनेंशियल और आईटी सेक्टर के शेयरों ने इस बुलिश रैली में अहम भूमिका निभाई, जिससे निवेशकों को लगभग दो लाख करोड़ रुपये का फायदा मिला।

गुरुवार को भी यह तेजी बरकरार रही, कच्चे तेल की गिरती कीमतों ने बाजार के सेंटीमेंट को और मजबूत किया। सेंसेक्स 109 अंक चढ़कर और निफ्टी 24,050 के पार बंद हुए। कुल मिलाकर, यह सप्ताह भारतीय बाजार की लचीली प्रकृति को दर्शाता है, लेकिन धीमी मानसून की चाल भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण चिंता बनी हुई है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

दहला...

जबकि बीच-बीच में गोलीबारी की आवाजें भी सुनाई दे रही हैं। पाकिस्तान के प्रमुख अखबार डॉन के मुताबिक सिंध के मुख्यमंत्री सैयद मुराद अली शाह ने घटना को लेकर विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। कराची में अक्सर कानून-व्यवस्था और आतंकवाद विरोधी अभियानों में पाकिस्तान रेंजर्स की तैनाती रहती है। यही वजह है कि गुलिस्तान-ए-जौहर स्थित रेंजर्स मुख्यालय को हाई-सिक्योरिटी क्षेत्र माना जाता है।

जनरल सिर...

हाल ही में पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा था कि अगर पाकिस्तान की वॉटर सिक्योरिटी को खतरा हुआ तो भारत के खिलाफ जंग भी एक विकल्प हो सकती है। यह बयान ऐसे समय आया जब पाकिस्तान लगातार यह दावा कर रहा है कि भारत ने सिंधु नदी का पानी रोक दिया और उसकी वजह से देश में जल संकट पैदा हो गया है। यह सिर्फ एक राजनीतिक बयान लग सकता है लेकिन अगर पिछले एक साल की घटनाओं को देखें तो एक बड़ा पैटर्न दिखाई देता है। पाकिस्तान सिर्फ पानी की बात नहीं कर रहा, बल्कि दुनिया के सामने खुद को एक पीड़ित के रूप में पेश करने की कोशिश कर रहा है।

कहानी की शुरुआत कहां से हुई?

पिछले साल पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ बड़ी सैन्य कार्रवाई की। ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने पाकिस्तान को 'तंदूर' बना दिया था। इससे पहले भारत ने सिंधु जल संधि को प्रभावी रूप से स्थगित कर दिया और कहा कि खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते। यहीं से पाकिस्तान ने नया नैरेटिव बनाना और विक्टिम कार्ड खेलना शुरू कर दिया।

पाकिस्तान के नेताओं, अधिकारियों और मीडिया संस्थानों ने दुनिया को यह बताना शुरू किया कि भारत ने उसका पानी रोक दिया है। खबरें आने लगीं कि सिंध और बलूचिस्तान में जल संकट बढ़ गया है। कई नहरों में पानी का स्तर घट गया है। खेती प्रभावित हो रही है। किसानों को नुकसान हो रहा है। धीरे-धीरे यह संदेश अंतरराष्ट्रीय मीडिया तक भी पहुंचने लगा कि पाकिस्तान पानी की कमी से जूझ रहा है और इसके पीछे भारत का फैसला जिम्मेदार है। रॉयटर्स और एपी जैसी मीडिया संस्थानों ने इन खबरों को प्रमुखता दी।

क्या भारत ने सच में पाकिस्तान का पानी रोक दिया है?

यही इस पूरी कहानी का सबसे अहम सवाल है, जिसकी आड़ में पाकिस्तान खुद को एक पीड़ित के रूप में पेश करने की कोशित में जुटा है। आसान भाषा में समझें तो भारत ने सिंधु नदी का पूरा पानी नहीं रोका है। असलियत यह है कि सिंधु नदी और उसकी सहायक नदियों का जल प्रवाह आज भी पाकिस्तान की तरफ जा रहा है। भारत के पास अभी इतनी स्टोरेज क्षमता ही नहीं है और ना ही पानी रोकने के लिए पर्याप्त सिस्टम है कि वह इन नदियों के पानी को पूरी तरह रोक सके।

फिर भारत ने क्या किया है?

भारत ने सिंधु जल संधि के तहत पाकिस्तान को मिलने वाले सपोर्ट सिस्टम को खत्म कर दिया है। नदी के जल प्रवाह को लेकर दोनों मुल्कों के बीच बातचीत होती थी। संदेश एक दूसरे को भेजे जाते थे। जल प्रवाह, बांधों, परियोजनाओं और जल प्रबंधन को लेकर लगातार संपर्क होता था। अब भारत ने इसी सपोर्ट पर रोक लगा रखी है। मतलब पाकिस्तान को पहले की तरह यह जानकारी नहीं मिल रही कि कौन सी परियोजना बन रही है और जल प्रबंधन कैसे किया जा रहा है। यानी नदी का पानी पूरी तरह नहीं रोका गया है, लेकिन उसका प्रबंधन अब भारत अपनी प्राथमिकताओं के हिसाब से तय कर रहा है।फिर पाकिस्तान में जल संकट क्यों दिख रहा है? इस सवाल का जवाब सिर्फ भारत में नहीं, मौसम में भी छिपा है। भारत समेत दक्षिण एशिया में अल-नीनो का गंभीर असर देखा जा रहा है। कई क्षेत्रों में बारिश कम हुई है। हिमालयी इलाकों में बर्फबारी के पैटर्न भी प्रभावित हुए हैं। ग्लेशियरों से आने वाले पानी पर असर पड़ रहा है। ऐसे हालात में पाकिस्तान की नदियों और नहरों में पानी का स्तर कम होना लाजिमी है। लेकिन पाकिस्तान के लिए यह एक राजनीतिक मौका भी बन गया है।

अगर देश के अंदर पानी की कमी है, खेती प्रभावित हो रही है और जनता नाराज है, तो सरकार के सामने सबसे आसान रास्ता होता है किसी दूसरे देश को जिम्मेदार ठहराना और पाकिस्तान कर भी यही रहा है, ताकि स्थानीय स्तर पर विरोधियों को मैनिपुलेट किया जा सके।

पाकिस्तान का असली खेल क्या है?

पाकिस्तान असल में नैरेटिव वॉर कर रहा है। उसके नेता भारत को लेकर अक्सर उकसावे वाली बयानबाजी करते हैं। पाकिस्तान दुनिया को यह मैसेज देना चाहता है कि वह एक पीड़ित देश है। उसका पानी छीना जा रहा है। उसकी खेती बर्बाद हो रही है। उसकी जनता प्यास झेल रही है। अगर यह नैरेटिव अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार कर लिया जाता है, तो पाकिस्तान को कई फायदे मिल सकते हैं। तनाव के हालात में पाकिस्तान ग्लोबल सपोर्ट हासिल कर सकता है।

इससे भारत पर कूटनीतिक दबाव बढ़ सकता है। ऐसा नैरेटिव फैलाकर पाकिस्तान स्थानीय स्तर पर भी लोगों का समर्थन हासिल कर सकता है। मसलन, अगर दुनिया पाकिस्तान के नैरेटिव वॉर से प्रभावित होती है तो मुनीर शासन किसी भी उकसावे वाले अपने कदम को आत्मरक्षा के रूप में पेश कर सकता है। यही वजह है कि पाकिस्तानी नेता सिंधु के पानी को नेशनल सिक्योरिटी से जोड़ रहे हैं। लोगों को यह महसूस करा रहे हैं कि उनकी परेशानियां भारत की वजह से हैं, ताकि पाकिस्तान शासन को विरोधों का सामना न करना पड़े।

पाक सेना को इससे क्या फायदा?

पाकिस्तान की सेना के बारे में यह बात छिपी नहीं है कि पाकिस्तान की राजनीति में उसका कितना गहरा प्रभाव है। पाकिस्तान फिलहाल बड़े आर्थिक दबाव में है। जब भी कोई देश आर्थिक संकट, राजनीतिक अस्थिरता या आम लोगों के विरोध का सामना करता है, तब राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा अचानक प्रमुख हो जाता है। पिछले कुछ समय में पाकिस्तान में जबरदस्त विरोध-प्रदर्शन भी देखे गए हैं। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में भी हालात खराब हैं।इसी तरह बलूचिस्तान का हाल है, जहां बीएलए पाकिस्तानी सेना पर आए दिन हमले करती है। इनके अलावा पाकिस्तान आतंकी हमलों से भी जूझ रहा है। विदेशी कर्ज बढ़ा हुआ है। महंगाई और बेरोजगारी बड़ी चुनौतियां हैं। ऐसे में अगर जनता का ध्यान भारत ने हमारा पानी रोक दिया जैसे मुद्दे पर केंद्रित हो जाए, तो पाकिस्तान के लोग अपनी समस्याएं को दरकिनार कर भारत के विरोध में उतर सकते हैं। यही वजह है कि सिंधु जल विवाद को लगातार सुरक्षा और अस्तित्व के संकट के रूप में पेश किया जा रहा है।

भारत के लिए खतरा कहां है?

भारत के लिए यहां सैन्य स्तर पर कोई खतरा महसूस नहीं किया जा रहा है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेनाओं ने पहले ही पाकिस्तान को कमजोर कर दिया था। एयरबेस और उसके सैन्य ठिकाने तबाह कर दिए गए थे। ताजा हालात में भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती नैरेटिव है। भारत पिछले कुछ सालों में पाकिस्तान को एक आतंकी प्रोड्यूसर देश के रूप में पेश करने में सफल रहा है। इससे ग्लोबल लेवल पर पाकिस्तान की अहमियत भी कम हुई है। हालात ऐसे हैं कि उसे कोई कर्ज भी नहीं दे रहा है।

अब पाकिस्तान भारत के खिलाफ अपना नया नैरेटिव दुनिया के सामने पेश करने की कोशिश कर रहा है। वह चाहता है कि दुनिया आतंकवाद की जगह पानी पर बात करे। अगर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह धारणा बनती है कि पाकिस्तान में भारत की वजह से जल संकट है, तो भारत को कूटनीतिक स्तर पर दबाव का सामना करना पड़ सकता है। यही वजह है कि भारत को सिर्फ सैन्य या कानूनी स्तर पर नहीं, बल्कि इन्फोर्मेशन और डिप्लोमेटिक लेवल पर भी पूरी तरह एक्टिव रहना होगा।

आरोप...

छोड़कर, उन खातों में जमा पूरी शेष राशि (न्यूनतम आवश्यक शेष राशि को छोड़कर) को दूसरे बैंक में बनाए गए समाज के खातों में स्थानांतरित (ट्रांसफर) कर दिया गया था। इसलिए, यह आरोप कि खातों के फ्रीज होने के कारण समाज की दैनिक गतिविधियां बाधित हुई हैं, तथ्यात्मक रूप से पूरी तरह गलत है। धन अब उक्त खातों में नहीं था, क्योंकि उसे पहले ही दूसरे बैंक में समाज के खातों में स्थानांतरित कर दिया गया था।

अगले दिन, दूसरे समूह ने खातों को फिर से फ्रीज करने का अनुरोध सबमिट किया, जिसके साथ जिला रजिस्ट्रार की दिनांक 09.06.2026 की कार्यवाही की प्रति भी थी, जिसके द्वारा बैंक द्वारा भरोसा किए गए संशोधनों के पंजीकरण को उनके द्वारा रद्द कर दिया गया था। उस आधिकारिक कार्यवाही के आधार पर बैंक ने खातों को दोबारा फ्रीज कर दिया।

यहाँ यह नोट करना अत्यंत महत्वपूर्ण है कि बैंक ने पूरी तरह से सक्षम सरकारी प्राधिकारी द्वारा जारी आधिकारिक कार्यवाही के आधार पर काम किया है, न कि किसी विशेष समूह का समर्थन करने या उसका पक्ष लेने के इरादे से, जैसा कि झूठा आरोप लगाया गया है।

रजिस्ट्रार के निर्देशानुसार निष्पक्षता और पूर्ण पारदर्शिता से कार्य

इसके बाद, जिला रजिस्ट्रार ने दिनांक 18.06.2026 को आगे की कार्यवाही जारी की, जिसमें पदाधिकारियों को समाज के मामलों में किसी भी भूमिका को निभाने से रोक दिया गया। तत्पश्चात, 19.06.2026 को, रजिस्ट्रार ने दिनांक 09.06.2026 और 18.06.2026 की पिछली कार्यवाहियों को वापस ले लिया। उक्त कार्यवाहियों को वापस लेते हुए, जिला रजिस्ट्रार ने दोनों प्रतिद्वंद्वी समूहों को अपने संशोधनों, मामलों को नियमित करने और समाज के सदस्यों के बीच विवादों को सुलझाने के लिए एक सक्षम न्यायालय (कोर्ट ऑफ लॉ) से संपर्क करने का निर्देश दिया।

बैंक ने हर स्तर पर, रजिस्ट्रार ऑफ सोसाइटीज और अन्य सक्षम अधिकारियों द्वारा जारी आधिकारिक कार्यवाहियों और निर्देशों के अनुसार ही कड़ाई से काम किया है। बैंक ने पूरी निष्पक्षता बनाए रखी है और किसी भी समूह के प्रति कोई झुकाव या पक्षपात नहीं दिखाया है।

इसलिए, बैंक के खिलाफ लगाए गए आरोप पूरी तरह से झूठे, भ्रामक और बिना किसी तथ्यात्मक आधार के हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि ये आरोप बैंक की प्रतिष्ठा को धूमिल करने, पक्षपात का एक अनुचित भ्रम पैदा करने और झूठे प्रचार के माध्यम से बैंक पर अनुचित दबाव बनाने के इरादे से लगाए गए हैं। बैंक अपने सभी ग्राहकों के हितों की रक्षा करते हुए कानून और नियामक आवश्यकताओं के अनुसार कड़ाई से काम करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। साथ ही बैंक प्रबंधन ने यह सख्त चेतावनी भी दी कि यदि किसी ने बैंक की छवि को दाग लगाने या उल-जुलूल आरोप लगाकर नुकसान पहुँचाने की कोशिश की तो उसे बख्शा नहीं जाएगा।

शादी...

लेकिन पुलिस जांच में मामला कथित साजिशन हत्या का निकला। अब पुलिस का कहना है कि दोनों आरोपियों ने पूछताछ में घटनाक्रम के बारे में जानकारी दी है।

डिलीट चैट्स से खुलेंगे राज?

पुलिस का मानना है कि इस मामले की सबसे अहम कड़ी अब मोबाइल फोन से मिलने वाले डिजिटल सबूत हैं। दोनों आरोपियों ने न सिर्फ वॉट्सएप चैट और अन्य बातचीत डिलीट की, बल्कि फोन के रीसायकल बिन भी खाली कर दिए, ताकि कोई रिकॉर्ड न बचे।

अब दोनों मोबाइल फोरेंसिक लैब भेजे गए हैं, जहां डिलीट डेटा रिकवर करने की कोशिश की जा रही है। पुलिस को उम्मीद है कि चैट हिस्ट्री, कॉल रिकॉर्ड और अन्य डिजिटल साक्ष्य यह साफ कर सकते हैं कि कथित हत्या की प्लानिंग कब हुई, किसकी क्या भूमिका रही और क्या इस साजिश में कोई अन्य व्यक्ति भी शामिल था।

जांच में सामने आया है कि चेतन चौधरी की पहचान सिया गोयल के बड़े भाई साहिल गोयल से क्रिकेट के जरिए हुई थी। पुलिस के मुताबिक, चेतन और साहिल साथ में क्रिकेट मैच खेल चुके थे।

इसी दौरान सिया भी कई बार अपने भाई के साथ मैच देखने जाती थी, जहां उसकी चेतन से पहचान हुई। बाद में 2025 में एक कॉमन फ्रेंड की दिवाली पार्टी में दोनों की फिर मुलाकात हुई और यहीं से दोनों के बीच बातचीत बढ़ने लगी। कॉल डिटेल रिकॉर्ड के अनुसार, जनवरी से दोनों के बीच 2,004 फोन कॉल हुईं, जिनकी कुल अवधि करीब 238 घंटे बताई जा रही है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि दोनों में आखिर क्या बातचीत होती थी।

अब कौन...

रामकृपाल सिंह

जो होता है वही हुआ है। एक ड्राइवर इतनी जल्दी करोड़ों की संपत्ति खड़ी कर लेता है। जब वो अपने 60 कमरे का हॉस्टल बनवा लेता है। जब वो उसका उद्घाटन करता है तो ट्रस्ट से जुड़े लोग भी जाते हैं। जब आपके सामने दिखाई दे रहा है कि एक आदमी जो साइकिल से चलता था वो बड़ी-बड़ी गाड़ियां खरीद रहा है फिर भी आप भोले बने रहे। ये आपराधिक अनदेखी है।

अनुराग वर्मा

ये बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। इससे पता चलता है कि हमारे धर्म के ठेकेदार किस स्तर तक भ्रष्ट हैं। जिसके देखरेख में ये सब काम हो रहा था, जिम्मेदारी उसकी है। भले ही उसने एक भी रुपया नहीं लिया हो। दुर्भाग्य ये है कि ऐसा शायद हर संस्था में हो रहा है और हम आंख मूंदकर आगे चल रहे हैं। जो लोग कर्ताधर्ता बने हुए थे शायद वो खुद को इंसान से ऊपर भगवान से थोड़ा ही नीचे समझते थे।

समीर चौगांवकर

इतना बड़ा मामला सामने आने के बाद भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चुप क्यों हैं। संघ प्रमुख मोहन भागवत चुप क्यों हैं। जिन लोगों ने किया है क्या योगी आदित्यनाथ बुलडोजर चलाएंगे। रही बात चंपत राय की तो जब उन्हें ये लगने लगा था कि वो यहां के सेवक नहीं है बल्कि वो इसके मालिक बन गए हैं। मुझे लगता है कि ट्रस्ट के लोगों को इस्तीफा दे देना चाहिए। अगर इस्तीफा नहीं देते तो पूरे ट्रस्ट को बर्खास्त कर देना चाहिए। जिस बात की चर्चा अयोध्या की गली-गली में थी क्या वो बात चंपत राय को नहीं मालूम थी?

विनोद अग्निहोत्री

राम मंदिर ट्रस्ट का पहला मामला तब आया था जब दो करोड़ की जमीन 18 करोड़ में खरीदी गई थी। वहीं, अंकुश लगना चाहिए था। लोगों के रोष को देखते हुए इस्तीफे की खबर चलाई गई है। अब इसका न खंडन हो रहा है न ही पुष्टि हो रही है। जिन पर एफआईआर हुई है वो सिर्फ प्यादे हैं। सीसीटीवी अगर बंद हो गए तो ये कोई टिन्नू तो अकेले नहीं करा सकता है। ट्रस्ट जो बना उस ट्रस्ट का ही ट्रस्ट खत्म हो गया है। इसलिए मुझे लगता है ट्रस्ट को भंग किया जाना चाहिए।

मुहर्रम जुलूस...

जो पेंट का कारोबार करता है और बीबीए ग्रेजुएट है। पूछताछ में यह भी सामने आया कि उसने कई दिनों तक अपने ठिकाने पर कैप्सूलों में जहर भरने का काम किया। पुलिस का कहना है कि कैप्सूल का सेवन करने वाले सलमान सैयद नाम के व्यक्ति की तबीयत बिगड़ गई थी। उसे पेट दर्द और उल्टी की शिकायत के बाद इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।

जहर देने और हत्या के प्रयास का मामला दर्ज

भायखला पुलिस ने आरोपी के पास से 14,900 जहरीले कैप्सूल बरामद किए हैं। प्रत्येक कैप्सूल में करीब एक ग्राम जिंक फॉस्फाइड मिलाया गया था। जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी साल 2025 में ईरान और इराक गया था। पुलिस सभी पहलुओं से मामले की जांच कर रही है। इस मामले में उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 109, 110 और 123 के तहत जहर देने और हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि फैयाज प्रेमजी शिया खोजा मुस्लिम समुदाय से संबंध रखता है।

आरोपी एक साल में 19 बार ईरान-इराक गया

फैयाज की बहन ईरान में फिजियोथेरेपिस्ट के तौर पर काम करती है, जबकि उसकी मां भी ईरान में रहती हैं। उसकी पत्नी से उसका तलाक हो चुका है। जांच में यह भी सामने आया है कि वर्ष 2019 से 2025 के बीच फैयाज कई बार ईरान और इराक की यात्रा कर चुका है। पुलिस के मुताबिक पिछले एक साल में ही वह 19 बार ईरान और इराक गया था। फैयाज प्रेमजी पुणे के विमान नगर इलाके में रहता है, जहां उसका पेंट का कारोबार है। मुंबई आने के दौरान वह डोंगरी इलाके के एक गेस्ट हाउस और डॉरमेट्री में ठहरा था।

पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि उसकी उन यात्राओं का उद्देश्य क्या था और क्या आरोपी किसी के प्रभाव में था या किसी बड़ी साजिश को अंजाम देने की तैयारी कर रहा था। हालांकि, फिलहाल किसी आतंकी संगठन से उसके संबंध की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है और जांच जारी है। फिलहाल पुलिस आरोपी के मोबाइल फोन, डिजिटल रिकॉर्ड, वित्तीय लेनदेन और संपर्कों की गहन जांच कर रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि इस साजिश में कोई अन्य व्यक्ति या संगठन शामिल था या नहीं।

तेलंगाना छात्र...

की पार्टी में शामिल हुए थे।

परिवार के एक रिश्तेदार, जिनका बेटा भी लंदन में रहता है, ने बताया कि श्रीनाथ रेड्डी के एक रूममेट ने उन्हें जानकारी दी कि 23 जून की सुबह श्रीनाथ अपने कमरे में मृत पाए गए।

रूममेट के मुताबिक, श्रीनाथ रेड्डी ने कथित तौर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। रिश्तेदार ने यह भी बताया कि रूममेट ने इस घटना की जानकारी अन्य दोस्तों को कुछ समय बाद दी। फिलहाल मामले की जांच जारी है और परिवार आधिकारिक रिपोर्ट का इंतजार कर रहा है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

अग्रवाल समाज तेलंगाना की प्रथम वार्षिक साधारण सभा आज

-केंद्रीय समिति, शाखाओं एवं विभिन्न समितियों के पदाधिकारियों से उपस्थिति का आग्रह

-वित्तीय प्रतिवेदन, ऑडिट रिपोर्ट एवं समाज की भावी गतिविधियों पर होगी चर्चा

हैदराबाद, 27 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की प्रथम वार्षिक साधारण सभा का आयोजन रविवार, 28 जून को सायं 5 बजे सिकंदराबाद स्थित क्लासिक गार्डन में किया जाएगा।

समाज की सचिव डॉ. सीमा जैन ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सभा का शुभारंभ महाराजा अग्रसेन जी की पूजा-अर्चना से होगा, जिसके पश्चात अध्यक्षीय स्वागत संबोधन प्रस्तुत किया जाएगा। सभा में पूर्व बैठक के मिनट्स की पुष्टि, समाज की गतिविधियों की विस्तृत जानकारी, वित्तीय वर्ष 2025-26 के लेखों एवं ऑडिटर्स की रिपोर्ट को पारित करना सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की जाएगी।

सभा के दौरान समाज के विकास एवं विभिन्न सामाजिक गतिविधियों में आर्थिक सहयोग प्रदान करने वाले दानदाताओं का सम्मान भी किया जाएगा।

इसके अतिरिक्त नए ऑडिटर्स की नियुक्ति तथा अध्यक्ष की अनुमति से अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा। अंत में धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया जाएगा।

डॉ. सीमा जैन ने बताया कि अग्रवाल समाज के केंद्रीय समिति के सभी पदाधिकारियों द्वारा केंद्रीय समिति सदस्यों, विभिन्न शाखाओं के पदाधिकारियों तथा सभी समितियों के चेयरमेन एवं वाइस चेयरमेन से विनम्र अनुरोध किया गया है कि वे समय पर उपस्थित होकर अपने सुझाव एवं मार्गदर्शन प्रदान करें तथा सभा को सफल बनाने में सहयोग दें।

पुलिस कॉमिशनर वीसी सज्जनार को स्मृति चिन्ह भेंट कर फाउंडेशन की जानकारी देती हुईं एवं अभिनंदन करती हुईं लव फॉर काऊ फाउंडेशन की सदस्या गौ सेवक पंकजा श्रीनिवासन।

रोटरी क्लब ऑफ हैदराबाद सेंटेनियल की वर्ष 2025-26 की अंतिम बैठक संपन्न

हैदराबाद, 27 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। रोटरी क्लब ऑफ हैदराबाद सेंटेनियल की वर्ष 2025-26 की अंतिम बैठक होटल ताज डेक्कन, हैदराबाद में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुई। बैठक में क्लब की वर्षभर की गतिविधियों की समीक्षा की गई तथा आगामी वर्ष की योजनाओं पर चर्चा हुई।

इस अवसर पर क्लब के निवर्तमान अध्यक्ष चेतन एवं सचिव पारस दोशी ने पूरे वर्ष विभिन्न सामाजिक सेवा परियोजनाओं एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों में सक्रिय सहभागिता निभाने वाले सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सदस्यों के सहयोग, समर्पण एवं टीम भावना के कारण क्लब समाज सेवा के क्षेत्र में अनेक उल्लेखनीय कार्य सफलतापूर्वक संपन्न कर सका।

बैठक में वर्ष 2026-27 के लिए नव-निर्वाचित अध्यक्ष वैभव सिंघानिया ने आगामी वर्ष की कार्ययोजना एवं नई सेवा परियोजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि क्लब शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण तथा सामुदायिक विकास से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों को प्राथमिकता देगा।

उन्होंने सभी सदस्यों से पूर्व की भांति सक्रिय सहयोग एवं सहभागिता बनाए रखने का आह्वान करते हुए कहा कि सामूहिक प्रयासों से समाज सेवा के कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है।

बैठक में क्लब के कोषाध्यक्ष भानु प्रसाद सहित आशीष अवस्थी, पंकज संघी, सुनील बजाज, विजय सारथी, अनिल डंडू, महावीर जैन, अनिल कोट्टा, दीपक पिट्टी एवं सुधीर पिट्टी सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। इस अवसर पर सभी सदस्यों ने आगामी वर्ष में समाज सेवा एवं जनकल्याण के कार्यों को और अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

राधे-राधे ग्रुप की नियमित अन्नदान सेवा समाज के लिए प्रेरणादायी : गोपाल गोयल

हैदराबाद, 27 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 ए के पास शनिवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का भव्य एवं श्रद्धापूर्ण आयोजन किया गया। सेवा कार्य के दौरान बड़ी संख्या में जरूरतमंदों को प्रेम, सम्मान और आत्मीयता के साथ भोजन वितरित किया गया। ग्रुप के सदस्यों ने सेवा को ही सर्वोच्च धर्म बताते हुए निरंतर समाजहित में कार्य करते रहने का संकल्प दोहराया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए गोपाल गोयल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप जिस निस्वार्थ भावना, समर्पण और नियमितता के साथ अन्नदान एवं सेवा कार्य कर रहा है, वह पूरे समाज के लिए प्रेरणा और अनुकरणीय उदाहरण है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों की सेवा से बढ़कर कोई पुण्य नहीं है तथा ऐसे कार्य समाज में मानवीय संवेदनाओं को मजबूत करने का कार्य करते हैं। उन्होंने सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सामूहिक प्रयासों से ही सेवा का यह कारवां निरंतर आगे बढ़ रहा है।

कार्यक्रम के दौरान सेवा भावना और सामाजिक समर्पण का अद्भुत वातावरण देखने को मिला। सभी स्वयंसेवकों ने पूरी श्रद्धा, अनुशासन और उत्साह के साथ अन्नदान सेवा में अपनी सहभागिता निभाई। उपस्थित सभी लोगों ने राधे-राधे ग्रुप द्वारा विगत दो वर्षों से लगातार चलाए जा रहे नियमित अन्नदान अभियान की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए अत्यंत प्रेरणादायी पहल बताया।

इस अवसर पर रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, जगन गुप्ता, भाकर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत, भगत राम गोयल, मनीष चिंडालिया, महेश गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, सुरेश सिंघल, उषा सिंघल, गोपाल गोयल, संजय अग्रवाल एवं किरण अग्रवाल उपस्थित रहे। सभी ने सेवा कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाते हुए इसे आगे भी निरंतर जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया।

अखिल भारतीय सीरवी युवा परिषद की विशेष आम सभा 30 को

हैदराबाद, 27 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। अखिल भारतीय सीरवी युवा परिषद की विशेष आम सभा 30 जून, मंगलवार को प्रातः 11 बजे एल.बी. नगर स्थित श्री आई माताजी वडेर में आयोजित की जाएगी। यह जानकारी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष केसा राम सोलंकी एवं पूना राम पंवार (जोजावर) ने संयुक्त रूप से एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी।

उन्होंने बताया कि यह बैठक राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश सीरवी (पाली) की अध्यक्षता में संपन्न होगी। बैठक में समाज के विभिन्न वडेरों एवं संस्थाओं के अध्यक्ष, सचिव तथा कार्यकारिणी सदस्य भाग लेंगे। इसके लिए सभी वडेरों में व्यक्तिगत रूप से निमंत्रण भेजे जा रहे हैं, वहीं समाज के प्रतिष्ठित बंधुओं को भी आमंत्रित किया गया है।

बैठक में युवा परिषद की कार्यप्रणाली, उद्देश्यों तथा समाजहित में किए जा रहे विभिन्न कार्यों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की जाएगी। साथ ही युवाओं को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने तथा नेतृत्व के अवसर प्रदान करने पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा।

प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि तेलंगाना राज्य युवा परिषद के गठन को लेकर सुझावों एवं विचारों पर मंथन किया जाएगा। युवा शक्ति को संगठित कर समाज के विकास, संस्कारों के संरक्षण तथा नई पीढ़ी के उज्ज्वल भविष्य के लिए एक सशक्त एवं सर्वमान्य मंच तैयार करना बैठक का प्रमुख उद्देश्य है।आयोजकों के अनुसार यह बैठक समाज को संगठित एवं सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्व-पूर्ण कदम साबित होगी। बैठक को लेकर युवाओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा है।

भगवान जगन्नाथ का भव्य अभिषेक एवं महाप्रसादी आयोजन कल

हैदराबाद, 27 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। बेगम बाजार स्थित खाकी अखाड़ा मठ, शंकर बाजार में ज्येष्ठ पूर्णिमा के पावन अवसर पर सोमवार को भगवान महाप्रभु श्री जगन्नाथ जी, श्री बलभद्र जी एवं देवी सुभद्रा जी का भव्य अभिषेक एवं पूजन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

मठ पीठाधीश्वर महंत अमृत दास खाकी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि प्रातः 10 बजे से वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य 108 कलशों से भगवान श्री जगन्नाथ, श्री बलभद्र एवं देवी सुभद्रा का अभिषेक पूजन संपन्न होगा। इसके उपरांत दोपहर में प्रसादी का आयोजन किया गया है।

उन्होंने बताया कि सायंकाल 6 बजे से भगवान श्री जगन्नाथ जी के बौद्धावतार स्वरूप के विशेष दर्शन कराए जाएंगे। इसके साथ ही भजन संध्या का आयोजन भी होगा, जिसमें श्रद्धालु भक्ति रस का आनंद ले सकेंगे।

रात्रि में महाप्रसादी का आयोजन रखा गया है। महंत अमृत दास खाकी ने श्रद्धालुओं से सपरिवार एवं इष्ट-मित्रों सहित अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्म लाभ प्राप्त करने का आग्रह किया है।

श्री सहस्त्रफण पार्श्वनाथ पाठशाला में गोइली प्रतियोगिता का उत्साहपूर्ण आयोजन

बच्चों ने चावल की गोइली बनाकर दिखाई रचनात्मक प्रतिभा

विजेताओं को विशेष पुरस्कार, सभी प्रतिभागियों का हुआ उत्साहवर्धन

हैदराबाद, 27 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री सहस्त्रफण पार्श्वनाथ पाठशाला, रसूलपुरा में शनिवार को गोइली प्रतियोगिता का उत्साहपूर्वक आयोजन किया गया। यह जानकारी जैन रत्न रमेश पी. तातेड (सिरोही) ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी। प्रतियोगिता में पाठशाला के बच्चों ने चावल की आकर्षक एवं सुंदर गोइली बनाकर अपनी रचनात्मक प्रतिभा, कलात्मक कौशल एवं धार्मिक संस्कारों का परिचय दिया। बच्चों के उत्साह एवं सहभागिता ने कार्यक्रम को विशेष आकर्षण प्रदान किया।

प्रतियोगिता का मूल्यांकन रोहिणीबेन भंडारी, रेखाबेन मेहता, पुष्पाबेन दांतेवाडिया, पुष्पाबेन आर. तातेड, उर्मिलाबेन गोलेछा एवं सविताबेन सिंघवी ने निर्णायक के रूप में किया। निर्णायकों ने बच्चों द्वारा प्रस्तुत गोइली निर्माण की सराहना करते हुए उनके प्रयासों की प्रशंसा की।

आयोजकों ने बताया कि प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी बच्चों को प्रोत्साहन स्वरूप उपहार प्रदान किए गए। वहीं प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को विशेष पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित अभिभावकों एवं पाठशाला से जुड़े सदस्यों ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

वाल्मीकि मेहतर समाज श्मशान वाटिका समिति में चेयरमैन पद समाप्त

हैदराबाद, 27 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। सूर्य नगर, चिक्कड़पल्ली में वाल्मीकि मेहतर समाज की मासिक बैठक गरिमामय वातावरण में संपन्न हुई। बैठक में समाज एवं वाल्मीकि मेहतर समाज श्मशान वाटिका, डोमलगुड़ा से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान उपस्थित सदस्यों ने अपने विचार एवं सुझाव रखे, जिन पर गंभीरता से विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में समिति ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए वाल्मीकि मेहतर समाज श्मशान वाटिका, डोमलगुड़ा समिति में ''चेयरमैन'' के पद को तत्काल प्रभाव से समाप्त (रद्द) करने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया। समिति के अनुसार यह निर्णय संगठन में पारदर्शिता, जवाबदेही एवं लोकतांत्रिक व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से लिया गया है।

बैठक में यह भी तय किया गया कि भविष्य में श्मशान वाटिका समिति का समस्त कार्य संचालन समिति के सामूहिक एवं सर्वसम्मत निर्णयों के आधार पर किया जाएगा। इससे संगठन में निष्पक्षता, एकता एवं पारदर्शिता को और अधिक बल मिलेगा।

बैठक के अंत में कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग एवं सक्रिय सहभागिता निभाने वाले सभी सम्मानित सदस्यों का समिति की ओर से हार्दिक आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया गया। उपस्थित सदस्यों ने समाजहित के कार्यों को आगे भी इसी प्रकार मिल-जुलकर संचालित करने का संकल्प व्यक्त किया।

आरामघर चौरस्ता स्थित श्री सर्व मनोकामना पूर्ति हनुमान मंदिर में हनुमान जी एवं माता अंजनी के दिव्य आशीर्वाद से महिलाओं को प्रसाद स्वरूप साड़ी भेंट की गई। कार्यक्रम का आयोजन मंदिर के संस्थापक पंडित गणेश जोशी महाराज द्वारा किया गया। इस अवसर पर सभी भक्तों एवं सहयोगकर्ताओं का हृदय से आभार व्यक्त किया गया।

बीकानेर (राजस्थान) से नगर पधारे विप्र फाउण्डेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजेश चुरू का हिमायतनगर में विप्र फ़ाउण्डेशन जोन-16 तेलंगाना द्वारा शॉल एवं माला द्वारा स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय महामंत्री भगवान व्यास, जोन-16 के अध्यक्ष हरिकिशन ओझा, महामंत्री रामदेव नागला व मदनगोपाल व्यास आदि उपस्थित थे।

तेलंगाना जल्द बनेगा देश का सर्वश्रेष्ठ कुशल कर्मचारियों का हब: रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 27 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने शनिवार को कहा कि राज्य जल्द ही देश में सर्वश्रेष्ठ कुशल ब्लू-कॉलर (शारीरिक श्रम और तकनीकी कौशल वाले) कर्मचारियों के मुख्य केंद्र (हब) के रूप में उभरेगा।

उन्होंने कहा कि कुशल युवाओं के निर्माण के लिए राज्य सरकार का तेलंगाना राइजिंग 2047 विजन आज हकीकत बन रहा है। इसी का परिणाम है कि राज्य में एडवांस्ड टेक्नोलॉजी सेंटर्स (एसीटी) के रूप में अपग्रेड किए गए आईटीआई में आयोजित होने वाले हायरिंग अभियानों में दुनिया की सर्वश्रेष्ठ कंपनियां हिस्सा ले रही हैं। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक

पोस्ट में कहा, हम जल्द ही ब्लू-कॉलर इकोनॉमी में भी देश के सर्वश्रेष्ठ कुशल कर्मचारियों का हब बनने जा रहे हैं। रेवंत रेड्डी दरअसल उन मीडिया रिपोर्टों पर प्रतिक्रिया दे रहे थे, जिनमें बताया गया था कि आदिलाबाद जिले के आदिवासी क्षेत्र उटनूर में स्थित सरकारी आईटीआई-एटीसी में एक कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव के दौरान 100 में से 99 आवेदकों को बहुराष्ट्रीय कंपनियों में नौकरियां मिली हैं। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने इस शानदार सफलता की जानकारी साझा करते हुए बताया कि उटनूर में आयोजित इस प्लेसमेंट ड्राइव को संचालित करने वाली और आदिवासी क्षेत्र के युवाओं को रोजगार देने वाली बहुराष्ट्रीय कंपनियों में टाटा मोटर्स और फॉक्सकॉन जैसी वैश्विक स्तर की दिग्गज कंपनियां शामिल हैं। राज्य सरकार के इस विजन से दूरदराज के क्षेत्रों के युवाओं को सीधे वैश्विक कंपनियों में रोजगार के अवसर मिल रहे हैं।

सरकार आरटीसी कर्मचारियों से किया हर वादा पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध: पोन्नम प्रभाकर

हैदराबाद, 27 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के परिवहन एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने शनिवार को दोहराया कि राज्य सरकार सड़क परिवहन निगम (आरटीसी) कर्मचारियों से किया हर वादा लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कुछ ट्रेड यूनियन नेताओं पर तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर कर्मचारियों और जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया।

एक बयान में उन्होंने कहा कि मंत्रियों, वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों, आरटीसी प्रबंधन और लगभग 30 मजदूर संगठन प्रतिनिधियों के बीच 14 घंटे की

चर्चा हुई। इसमें सर्वसम्मति से तय हुआ कि 32 में से 29 मांगें आरटीसी प्रबंधन के दायरे में आती हैं। बाकी तीन मांगें, मान्यता प्राप्त यूनियन चुनाव, 2021 वेतन संशोधन आयोग (पीआरसी) और आरटीसी का सरकार में विलय सरकार की जिम्मेदारी हैं।

उन्होंने कहा कि प्रबंधन से जुड़े 29 मुद्दों को सुलझाने की कार्रवाई पहले ही शुरू हो चुकी है, जबकि 11 प्रतिशत पीआरसी वृद्धि को जुलाई के वेतन से लागू किया जायेगा। पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि सरकार ने संयुक्त श्रम आयुक्त सुनीता को नोडल अधिकारी नियुक्त कर मान्यता प्राप्त यूनियन चुनावों की प्रक्रिया शुरू कर दी है और सत्यापन का काम चल रहा है। चुनाव कार्यक्रम की घोषणा जल्द की जायेगी।

हैदराबाद एयरपोर्ट पर एनआरआई पुजारी गिरफ्तार

हैदराबाद, 27 जून (शुभ लाभ ब्यूरो): विशेष पूजा और आध्यात्मिक समाधान के नाम पर श्रद्धालुओं से लाखों रुपये की ठगी करने के आरोपी एक प्रवासी भारतीय (एनआरआई) पुजारी को अमेरिका से लौटने पर हैदराबाद के राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस को संदेह है कि आरोपी ने अमेरिका में भी इसी तरह की धोखाधड़ी की गतिविधियों को अंजाम देना जारी रखा था।

आरोपी की पहचान चामर्थी रामा लछाराव के रूप में हुई है। शमशाबाद हवाई अड्डे पर आगमन के दौरान आव्रजन (इमिग्रेशन) अधिकारियों ने जांच के दौरान जारी लुक आउट सर्कुलर के आधार पर उसे रोक लिया, जिसके बाद बाचुपल्ली पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया।

यह मामला एक सॉफ्टवेयर पेशेवर की शिकायत के बाद दर्ज किया गया था, जिसने आरोप लगाया था कि पुजारी ने विशेष पूजा और धार्मिक उपचार का वादा करके बड़ी रकम वसूली थी। इस शिकायत पर कार्रवाई करते हुए, बाचुपल्ली पुलिस ने जांच शुरू की थी और आरोपी के कथित तौर पर अमेरिका चले जाने के बाद उसके खिलाफ एक लुक आउट सर्कुलर जारी किया था।

पुलिस को संदेह है कि आरोपी ने भारत छोड़ने के बाद भी इसी तरह की धोखाधड़ी की गतिविधियों को जारी रखा था। जांचकर्ताओं ने कहा कि अमेरिका में एक मंदिर के मालिक द्वारा कथित तौर पर उसके खिलाफ शिकायत दर्ज कराने के बाद पुजारी भारत लौटा था, जिसके बाद शमशाबाद हवाई अड्डे पर पहुंचते ही आव्रजन अधिकारियों ने उसे रोक लिया।

अधिकारियों का मानना है कि धार्मिक अनुष्ठान करने और आध्यात्मिक समाधान देने के बहाने कथित तौर पर ठगे गए पीड़ितों की संख्या और अधिक हो सकती है। पुलिस ने अन्य शिकायतकर्ताओं की पहचान करने और इस कथित धोखाधड़ी के पूर्ण पैमाने का पता लगाने के लिए जांच का दायरा बढ़ा दिया है।

पुलिस ने जनता से आग्रह किया है कि वे उचित सत्यापन के बिना विशेष पूजा या आध्यात्मिक समाधान करने का दावा करने वाले व्यक्तियों को पैसे ट्रांसफर न करें। उन्होंने श्रद्धालुओं को सलाह दी है कि वे कोई भी वित्तीय लेनदेन करने से पहले सावधानी बरतें और धार्मिक गुरुओं या आचार्यों की साख व क्रेडेंशियल्स की अच्छी तरह से जांच कर लें।

सेवा और समर्पण की सच्ची मिसाल है राधे-राधे ग्रुप : ज्योति अग्रवाल

हैदराबाद, 27 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने शनिवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का श्रद्धापूर्वक आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जरूरतमंदों को प्रेम, सम्मान और आत्मीयता के साथ भोजन वितरित किया गया।

इस अवसर पर ज्योति अग्रवाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि यदि सेवा, समर्पण और मानवता का वास्तविक स्वरूप देखना हो तो राधे-राधे ग्रुप के सेवा कार्यों को अवश्य देखना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह समूह बिना किसी भेदभाव के निस्वार्थ भाव से समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहायता पहुंचाने का कार्य कर रहा है। जरूरतमंदों की सेवा करना सबसे बड़ा धर्म है और ऐसे सेवा कार्य समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के साथ-साथ लोगों को परोपकार के लिए प्रेरित भी करते हैं।उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप पिछले कई वर्षों से निरंतर अन्नदान, गौसेवा और सामाजिक सेवा के विविध कार्यों में सक्रिय रूप से जुटा हुआ है। समूह के सभी सेवाभावी सदस्य तन, मन और धन से समाजसेवा में अपना अमूल्य योगदान देकर मानवता की अनूठी मिसाल प्रस्तुत कर रहे हैं। ऐसे कार्यों से समाज में भाईचारा, सहयोग और संवेदनशीलता की भावना और अधिक मजबूत होती है।

कार्यक्रम में जगत नारायण अग्रवाल, अनिल धारसुवाले अग्रवाल, पन्नालाल अग्रवाल, शिव भगवान अग्रवाल, दीपचंद अग्रवाल, महेश अग्रवाल, शर्मिला अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, ज्योति अग्रवाल, रेनू शर्मा एवं जगन गुप्ता सहित अनेक सेवाभावी कार्यकर्ताओं ने उपस्थित रहकर अन्नदान सेवा में सहयोग प्रदान किया। सभी ने नियमित रूप से सेवा कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प भी लिया।

जैन स्पोर्ट्स लीग बैडमिंटन टूर्नामेंट 2026 का समापन समारोह आज

खेल मंत्री वाकीटी श्रीहरी होंगे मुख्य अतिथि

स्पोर्ट्स अथॉरिटी के चेयरमैन एवं एडीसीपी बी. आनंद रहेंगे विशिष्ट अतिथि

हैदराबाद, 27 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद के सरूरनगर इंडोर स्टेडियम में ज़ोम प्रायोजित जैन स्पोर्ट्स लीग (जेएसएल) बैडमिंटन टूर्नामेंट-2026 का समापन समारोह आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर तेलंगाना सरकार के खेलकूद मंत्री श्री वाकीटी श्रीहरी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

समारोह में स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ तेलंगाना के चेयरमैन शिव सेना रेड्डी तथा खैरताबाद ज़ोन के अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (एडीसीपी) बी. आनंद विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम के दौरान विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया जाएगा।जैन स्पोर्ट्स लीग के आयोजकों के अनुसार टूर्नामेंट का उद्देश्य समाज में खेल संस्कृति को बढ़ावा देना तथा युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए मंच उपलब्ध कराना है। प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्गों के खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

समापन समारोह के लिए जेएसएल समिति के सदस्य हितेश वाणिगोटा, अक्षित भंडारी, भरत कोठारी, हरीश मुणोत, प्रदीप पारेख, हितेश सालेचा, मुकेश चौहान, रिद्धिश जागीरदार एवं नरेश पारेख ने अतिथियों को आमंत्रित किया तथा समारोह की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली हैं।

रामकोट स्थित कच्छी भवन में श्री कच्छी मित्र मंडल की वार्षिक सामान्य सभा में उपस्थित अध्यक्ष हेमांग मोमाया, मैनेजींग ट्रस्टी सुशील कापडिया, मंत्री पंकज सावला, पराग मारू, मनोज नागडा, लहेरचंद लोडाया, दिनेश गोसर, रिद्धीश जागीरदार, नीतिन धरोड, निलेश छेडा, किर्ती कापडिया, पूनम देढिया एवं अन्य ।

तेलंगाना में अब ड्राइविंग लाइसेंस पाना नहीं होगा आसान

परिवहन विभाग ने दिए कड़े ड्राइविंग टेस्ट के निर्देश

हैदराबाद, 27 जून (शुभ लाभ ब्यूरो): तेलंगाना में ड्राइविंग लाइसेंस (डीएल) पाना जल्द ही और अधिक कठिन हो सकता है। परिवहन विभाग ने क्षेत्रीय परिवहन कार्यालयों (आरटीओ) को अधिक कड़े और व्यापक ड्राइविंग टेस्ट आयोजित करने का निर्देश दिया है। यह निर्देश शनिवार को इब्राहिमपटनम क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) में किए गए एक औचक निरीक्षण के दौरान दिया गया।

संयुक्त परिवहन आयुक्त (सतर्कता एवं प्रवर्तन) एम. चंद्रशेखर गौड़ ने आरटीओ में ड्राइविंग लाइसेंस परीक्षणों के संचालन, नागरिक सेवाओं, वाहन पोर्टल पर लंबित आवेदनों और अनधिकृत एजेंटों की उपस्थिति की समीक्षा की। इस बात पर जोर देते हुए कि सड़क सुरक्षा की शुरुआत उचित चालक मूल्यांकन से होती है, उन्होंने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि केवल वास्तव में कुशल वाहन चालकों को ही ड्राइविंग लाइसेंस जारी किए जाएं।

निरीक्षण के दौरान, चंद्रशेखर गौड़ ने व्यक्तिगत रूप से ड्राइविंग लाइसेंस परीक्षण प्रक्रिया का अवलोकन किया और मूल्यांकन किया कि क्या मौजूदा मानक सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त हैं। उन्होंने अधिकारियों को परीक्षणों को अधिक व्यापक और सख्त बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि ड्राइविंग लाइसेंस केवल एक दस्तावेज नहीं है, बल्कि सार्वजनिक सड़कों पर वाहन चलाने का एक अधिकार पत्र है।

गौड़ ने चेतावनी दी कि परीक्षण प्रक्रियाओं में ढिलाई बरतने से सड़क दुर्घटनाएं बढ़ सकती हैं। उन्होंने इस बात पर विशेष बल दिया कि लाइसेंस केवल उन्हीं आवेदकों को जारी किए जाने चाहिए जो वास्तविक ड्राइविंग कौशल का प्रदर्शन करते हैं।

संयुक्त परिवहन आयुक्त ने आरटीओ में आवेदकों और आम जनता के अनुभवों को समझने के लिए उनसे सीधे बातचीत की। उन्होंने प्रतीक्षा समय, कर्मचारियों के व्यवहार, सेवाओं की गुणवत्ता और ऑनलाइन सुविधाओं के उपयोग पर नागरिकों से फीडबैक लिया। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वे प्रत्येक आवेदक के साथ शिष्टाचार से पेश आएं, निर्धारित समय सीमा के भीतर आवेदनों का निपटारा करें और परिवहन सेवाओं की परेशानी मुक्त डिलीवरी सुनिश्चित करें।

इस निरीक्षण में वाहन पोर्टल पर लंबित आवेदनों, विशेष रूप से वाहन पंजीकरण स्वीकृतियों में होने वाली देरी की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर लंबित आवेदनों को स्पष्ट करने का निर्देश दिया गया और चेतावनी दी गई कि ऑनलाइन आवेदनों के प्रसंस्करण में अनावश्यक देरी को गंभीरता से लिया जाएगा।

बिचौलियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए, चंद्रशेखर गौड़ ने आदेश दिया कि आरटीओ परिसर के भीतर किसी भी अनधिकृत एजेंट या दलाल को अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसे व्यक्तियों को अनुमति देने वाले किसी भी अधिकारी या कर्मचारी को व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार माना जाएगा और उन्हें अनुशासनात्मक कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.